महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

(मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार)

वार्षिक प्रतिवेदन

2013-14

वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पो. ऑ. जवासिया, उज्जैन (म.प्र.) 456006

दूरभाष : (0734) 2502266,2502254, फैक्स : (0734) 2502253

ई–मेल : msrvvpujn@gmail.com, वेबसाईट - www.msrvvp.nic.in

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार)

वार्षिक प्रतिवेदन : 2013-14

1. भूमिका

1.1. राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान की स्थापना मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग, भारत सरकार द्वारा जनवरी, 1987 में सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के अन्तर्गत एक स्वायत्त संगठन के रूप में की गई थी। इसके उद्देश्य निम्नवत् हैं :

(क) वैदिक अध्ययन की मौखिक परम्परा का संरक्षण, संवर्धन तथा विकास।

(ख) पाठशालाओं के साथ अन्य साधनों तथा संस्थाओं के माध्यम से वेदों का अध्ययन एवं अध्यापन।

(ग) अनुसन्धान – सुविधाओं की सर्जना करना तथा प्रोत्साहन देना, जिससे वेदों में निहित ज्ञान के विपुल भण्डार को सम्मुख लाया जा सके और इसका तादात्म्य समसामयिक आवश्यकताओं के साथ स्थापित किया जा सके।

(घ) सूचना संकलित करने तथा सम्बन्धित सामग्री को समेकित करने के लिए मूलभूत सुविधाओं तथा अनुकूल परिस्थितियों का सृजन करना तथा विभिन्न साधनों के माध्यम से इनका प्रकाशन तथा प्रचार–प्रसार करना।

1.2. संस्थापना नियमावली में दिये गए उद्देश्यों का विवरण अनुबंध – 1 में संलग्न है।

1.3. मई, 1993 में उज्जैन स्थानान्तरित होने के अनन्तर प्रतिष्ठान का नाम "महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान" के रूप में परिवर्तित हो गया।

2. प्रतिष्ठान के प्राधिकरण

2.1 इसकी संस्थापना – नियमावली तथा नियमों और विनियमों के अनुसार प्रतिष्ठान के कार्यकलापों के संचालन के लिये, विभिन्न शक्तियॉं और कृत्य इसकी महासभा तथा शासीपरिषद् में निहित हैं जो प्रतिष्ठान के प्राधिकरण हैं और जिनके अध्यक्ष भारत शासन के केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मन्त्री हैं। समय–समय पर प्रतिष्ठान की विस्तृत नीतियों और कार्यक्रमों की समीक्षा करने और इसमें संशोधन और विकास के लिये उपाय प्रस्तावित करने की सामान्य शक्ति इसकी महासभा में निहित है। शासीपरिषद् प्रतिष्ठान का मुख्य कार्यकारी निकाय है। यह इसके कार्यकलापों के सामान्य अधीक्षण, निदेशन और नियंत्रण के लिए उत्तरदायी हैं।

2.2 प्रतिष्ठान के नियमों में सम्पत्ति के प्रबन्ध तथा निवेश, वार्षिक बजट प्राक्कलनों तथा लेखों एवं व्यय के विवरण तैयार करने जैसे विषयों में परामर्श देने के लिए वित्त समिति का प्रावधान है, जिसकी अध्यक्षता उपाध्यक्ष करते हैं।

2.3 अपनी साधारण शक्तियों के अन्तर्गत, प्रतिष्ठान शैक्षिणिक परियोजनाओं और कार्यक्रमों पर विचार करने के लिए एक परियोजना-समिति गठित करता है, जिसके सदस्य वेद तथा सम्बन्धित विषयों के प्रख्यात विद्वद्गण होते हैं। परियोजना – समिति का वर्तमान संघटन अनुलग्नक – 2 में दिया गया है।

2.4 दिनांक 22-5-2010 को भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रतिष्ठान की महासभा, शासी परिषद् और वित्तसमिति का अगले पाँच वर्षों की अवधि के लिये पुनर्गठन किया गया था। इन निकायों का सरकार द्वारा दिनांक 22-5-2010 को यथाधिसूचित संघटन अनुलग्नक – 3 में दिया गया है। ये निकाय प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान कार्यरत रहे।

3. प्रतिष्ठान के अधिकारी

3.1 प्रतिष्ठान के नियमों में इसके प्रधान के रूप में एक अध्यक्ष का प्रावधान है जिसे पाँच वर्षों की अवधि के लिये भारत सरकार द्वारा नामित किया जाता है। वह महासभा तथा शासीपरिषद् की बैठकों की अध्यक्षता करते हैं। सम्प्रति माननीय केन्द्रीय मन्त्री, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार प्रतिष्ठान के अध्यक्ष हैं।

3.2 नियमों में एक उपाध्यक्ष का भी प्रावधान है, जिन्हें अध्यक्ष महोदय द्वारा नामित किया जाता है। उपाध्यक्ष को ऐसे कर्त्तव्यों का पालन करना तथा ऐसे कृत्यों को करने में अपनी शक्तियों का प्रयोग करना होता है, जैसा कि अध्यक्ष द्वारा साधारणतः या किसी व्यक्तिविशेष के मामले में उल्लेख किया जाए। प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा दिनांक 24.5.2010 से उपाध्यक्ष पद पर हैं।

3.3 प्रतिष्ठान के नियमों में इसके मुख्य शैक्षिक और कार्यकारी अधिकारी के रूप में एक पूर्णकालिक और वैतनिक सचिव का प्रावधान है। सचिव, प्रतिष्ठान के कार्यों की सामान्यतः देख-रेख करते हैं और उन पर नियन्त्रण रखते हैं तथा प्रतिष्ठान के सभी प्राधिकरणों के निर्णयों को लागू करते हैं।

3.4 प्रो. रूप किशोर शास्त्री प्रतिष्ठान के पूर्णकालिक सचिव पद पर भारत सरकार द्वारा दिनांक 05.01.2011 से नियुक्त हैं।

4. अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण

4.1 अपनी आन्तरिक कार्याध्ययन इकाई की संस्तुतियों के अनुसरण में शिक्षा विभाग ने अपने दिनांक 14.08.98 के पत्र द्वारा प्रतिष्ठान के अन्तरिम संगठनात्मक ढाँचे के अंश के रूप में निदेशक, कार्यक्रम अधिकारी, अनुभाग अधिकारी और लेखाकार का एक-एक पद सृजन करने की स्वीकृति प्रदान की थी। सभी स्वीकृत पदों की भर्ती उपविधि को प्रतिष्ठान की शासी परिषद् द्वारा 21.02.2000 को हुई बैठक में

अनुमोदित किया गया। मंत्रालय ने इन पदों की नियुक्ति के सन्दर्भ में 06.10.2010 – SKTII दिनांक 13.01.2011 को अनुमति प्रदान की, जिसके अन्तर्गत निदेशक, कार्यक्रम अधिकारी, अनुभाग अधिकारी, लेखाकार और कनिष्ठ–आशुलिपिक के एक–एक पद पर नियुक्ति की जा चुकी है।

4.2 सम्प्रति स्वीकृत पद एवं कार्यरत कर्मचारी इस प्रकार हैं –

1. सचिव
2. निदेशक (प्रशासनिक/शैक्षणिक)
3. उपनिदेशक (प्रशासन एवं वित्त)
4. कार्यक्रम अधिकारी
5. लेखाधिकारी
6. अनुभाग अधिकारी
7. निजी सहायक
8. लेखाकार
9. सहायक (3)
10. वरिष्ठ आशुलिपिक
11. कनिष्ठ आशुलिपिक (2)
12. सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
13. उच्च श्रेणी लिपिक (2)
14. स्टाफ कार ड्राइवर
15. अवर श्रेणी लिपिक/टंकक (2)
16. पुस्तकालय परिचर
17. ग्रुप 'सी' श्रेणी कर्मचारी (5)
18. सफाई कर्मचारी

4.3 आलोच्य वर्ष में प्रतिष्ठान के शैक्षिक, प्रशासनिक एवं वित्तीय कार्य, सदस्य–सचिव के अधीन किया जाता है। पाँच संविदा दैनिक वेतन कर्मी नियुक्त किये गये हैं।

5. मुख्यालय

5.1 प्रतिष्ठान का मुख्यालय प्राधिकरण भवन, भरतपुरी से नवनिर्मित प्रशासनिक भवन, चिन्तामण गणेश, वेदविद्या मार्ग, पोस्ट जवासिया, उज्जैन पर दिनांक 12.12.2012 से स्थानांतरित किया गया है।

5.2 भवनों के निर्माण तथा परिसर के विकास हेतु स्थायी वित्त समिति (एस.एफ.सी.) दिनांक 18.12.2007 को हुई बैठक में विचार किया गया एवं 25.02 करोड़ रुपये के प्राक्कलन की स्वीकृति प्रदान की गई। इस आधार पर केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा विभिन्न भवन निर्माण के नक्शे प्रतिष्ठान को प्रस्तुत किये,

जिसकी स्वीकृति प्रतिष्ठान द्वारा मार्च 2008 में प्रदान की गयी। भवनों के निर्माण तथा परिसर के विकास हेतु केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, इन्दौर वर्ष 2012-13 में प्रशासनिक भवन का निर्माण कर प्रतिष्ठान को प्रदान किया जा चुका है जिसमें वर्तमान कार्यालय स्थापित है।

6. प्रतिष्ठान की संग्रह-निधि

6.1 प्रतिष्ठान की स्थापना के समय सरकार ने परिकल्पना की थी कि 10 करोड़ रुपये की संग्रह निधि इसके अधिकार में रखी जायेगी, ताकि इसके निवेश से प्राप्त आवती आय को प्रतिष्ठान के विभिन्न कार्यकलापों और कार्यक्रमों के वित्त पोषण के लिए प्रयोग किया जा सके। इस प्रयोजन के लिये 1996-97 के अन्त तक सरकार द्वारा किश्तों में 10 करोड़ रुपये की कुल राशि प्रदान की गई।

6.2 वित्त-समिति की दिनांक 18-10-2001 को हुई बैठक में लिए गये निर्णय के अनुसार सामान्य निधि में सगृंहीत धनराशि रु. 10,51,44,931.74 को संग्रह निधि में सम्मिलित किया गया। वर्ष 2013-14 में प्रतिष्ठान के संग्रह निधि में कुल रु. 20,51,44,931.74 है।

7. नये कार्यक्रमों की स्वीकृति

7.1 दिनांक 24.11.1998 को हुई बैठक में भारत सरकार की स्थायी वित्त समिति ने प्रतिष्ठान की संग्रह-निधि को बढ़ाने के प्रस्ताव पर विचार किया था। विस्तृत चर्चा के पश्चात् समिति प्रतिष्ठान के लिये अधिक धनराशि की आवश्यकता के औचित्य से सन्तुष्ट हुई। यह भी अनुभव किया गया कि प्रतिष्ठान की संग्रह निधि में वृद्धि पूर्वतः संचालित कार्यक्रमों को जारी रखने के लिये, नये शैक्षणिक कार्यक्रमों को समाविष्ट करने के लिए तथा प्रतिष्ठान के उद्देश्यों के निष्पादन के लिये आवश्यक है।

7.2 स्थायी वित्त समिति ने निर्णय लिया कि प्रतिष्ठान की अतिरिक्त निधि की आवश्यकता को संग्रह निधि की वृद्धि के माध्यम के बजाए सरकार से वार्षिक बजट सम्बन्धी सहायता द्वारा प्रदान किया जाए। स्थायी वित्त समिति ने दृढ़तापूर्वक यह भी कहा कि निधि के अभाव में प्रतिष्ठान के कार्यकलापों एवं कार्यक्रमों को किसी प्रकार की क्षति नहीं होने दी जाएगी तथा बजट सम्बन्धी आवंटन का संरक्षण किया जायेगा। स्थायी वित्त समिति के निर्णयानुसार मंत्रालय ने प्रतिष्ठान को वर्ष 2013-14 के लिए 27.50 करोड़ रुपये की अनुदान राशि चालू कार्यक्रमों पर व्यय के लिये दी।

7.3 स्थायी वित्त समिति द्वारा नये शैक्षिक कार्यक्रमों को स्वीकार किया गया था उन्हें निम्नानुसार दिया गया है। प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान उनके कार्यान्वयन की स्थिति, जहाँ लागू होती है, प्रत्येक कार्यक्रम के नीचे कोष्ठक में दर्शायी गयी है :-

(1) वेदों की लुप्त होने वाली शाखाओं को बचाने के लिये विशेष गुरुकुलों को वित्तीय सहायता। (अ) त्रिचूर (केरल में सामवेद, जैमिनीय शाखा), (ब) बारिपदा, मयूरभंज (उड़ीसा) में अथर्ववेद (पैप्पलाद शाखा) एवं (स) गुह्मापाल, सिंहभूमि (झारखण्ड) में अथर्ववेद (पैप्पलाद शाखा) में

वित्तीय सहायता के लिये गुरुकुलों की पहचान की जा चुकी है। वर्तमान में इनको 'वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने की योजना' के अन्तर्गत वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। अधिक विशेष गुरुकुलों की पहचान करने के लिये कार्यवाही जारी है। प्रतिष्ठान के प्रयास स्वरूप अब चित्रकूट (मध्यप्रदेश) तथा झारखण्ड, उड़ीसा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश में पैप्पलाद शाखा का अध्यापन कार्य निरन्तर प्रगति पर है।)

(2) श्रौतकर्म परम्परा का संरक्षण और इसका प्रलेखन। (वर्तमान में सोमयज्ञों के वीडियो/ऑडियो कैसेटों का संग्रहण करना एवं अन्य यज्ञों/इष्टियों का निष्पादन/अन्य स्थानों पर गैर सरकारी संस्थाओं आदि द्वारा निष्पादित करने की कार्यवाही जारी है।

(3) दुर्लभ एवं अप्राप्त वेद संहिताओं, ब्राह्मणग्रन्थों तथा अन्य वैदिक साहित्य के संस्करण प्रकाशित करने के कार्यक्रम को कार्यान्वित करना। ('वेदविद्या' नामक षाण्मासिक शोध-पत्रिका का प्रकाशन निरन्तर जारी है।) अप्रैल 2012 से निरन्तर वेदवार्ता का प्रकाशन भी किया जा रहा है।

(4) 'घर बैठे वेदों की शिक्षा' पत्राचार पाठ्यक्रम का कार्यक्रम प्रवर्तित है। इस वर्ष इसका अंग्रेजी संस्करण भी निकाल दिया गया है। इस योजना के अन्तर्गत जन-जन तक चारों वेद, वेदाङ्ग, ब्राह्मणग्रन्थ, आरण्यकग्रन्थ, उपनिषद्, भारतीय संस्कृति का स्वरूप एवं महत्त्व, भारतीय दर्शन शास्त्र आदि की जानकारी पहुँचाने के उद्देश्य से पाठ्यक्रम को चलाया जा रहा है।

7.4 प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान नये कार्यक्रमों को कार्यान्वित करने के लिये परियोजना और/अथवा कार्यवाही हेतु योजना तैयार करना जारी रहा।

8. प्रतिष्ठान के प्राधिकरणों की बैठकें तथा महत्त्वपूर्ण निर्णय

8.1 प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान विभिन्न प्राधिकरणों और निकायों की नीचे दिये गये विवरणानुसार बैठकें सम्पन्न हुई :

महासभा	:	दो बैठकें, 9 जून 2013 एवं 3 दिसम्बर 2013
परियोजना-समिति	:	एक बैठक, 28 मई 2013
वित्त-समिति	:	दो बैठकें, 19 जुलाई 2013 एवं 3 दिसम्बर 2013
शासी-परिषद्	:	दो बैठकें, 19 जुलाई 2013 एवं 3 दिसम्बर 2013
अनुदान-समिति	:	दो बैठकें, 21 सितम्बर 2013 एवं 8 मार्च 2013

8.2 उपर्युक्त प्राधिकरणों/निकायों द्वारा लिये गये महत्त्वपूर्ण निर्णय निम्नवत् हैं :

महासभा :

(1) दिनांक 9 जून 2013 को आयोजित महासभा की बैठक में अखिल भारतीय स्तर का सम्मेलन लखनऊ में आयोजित करने की स्वीकृति प्रदान की ।

(2) प्रतिष्ठान के मेमोरण्डम ऑफ ऐसोसिएशन में कोषाध्यक्ष के स्थान पर लेखाधिकारी की नियुक्ति के संशोधन पर स्वीकृति प्रदान की गई।

(3) मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की एडसिल द्वारा दी गई रिपोर्ट के अनुसार प्रतिष्ठान की वेदभूषण एवं वेद विभूषण प्रमाण-पत्रों को बोर्ड में मान्यता प्रदान करने हेतु सुझाव दिए ।

परियोजना समिति :

(1) परियोजना समिति द्वारा वर्ष 2013-14 में होने वाले अखिल भारतीय एवं क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलनों की स्वीकृति प्रदान की गई।

(2) परियोजना समिति ने वर्ष 2013-14 में होने वाली वैदिक संगोष्ठियों, वैदिक सम्मेलनों, वेदज्ञान सप्ताह, सबके लिए वैदिक कक्षाएँ, प्रकाशन सम्बन्धी पाण्डुलिपियाँ एवं कार्यशालाओं की स्वीकृति प्रदान की गई।

(3) परियोजना समिति ने प्रतिष्ठान द्वारा अनुमोदित वेदपाठशालाओं एवं गुरुशिष्य इकाईयों के निर्धारित 6 वर्षीय पाठ्यक्रम को 7 वर्ष तक नवीन पाठ्यक्रम के साथ लागू करने की स्वीकृति प्रदान की गई ।

वित्त समिति :

(1) वर्ष 2013-14 के बजट को अनुमोदित किया गया।

(2) प्रतिष्ठान के वर्ष 2012-13 के लेखों पर महालेखाकार द्वारा जारी प्रमाण-पत्र की स्वीकृति प्रदान की गई।

शासी परिषद् :

प्रतिष्ठान के वर्ष 2012-13 के लेखों पर महालेखाकार द्वारा जारी प्रमाण-पत्र की स्वीकृति प्रदान की गई।

अनुदान समिति :

प्रतिष्ठान द्वारा संचालित विभिन्न वेद पाठशालाओं एवं गुरु-शिष्य परम्परा योजना के अन्तर्गत वर्ष 2013-14 के लिए वित्तीय सहायता राशि की स्वीकृति प्रदान की गई।

9. प्रवर्तमान कार्यक्रम और कार्यकलाप

9.0 प्रारम्भ से प्रतिष्ठान अपनी संस्थापना-नियमावली में प्रतिष्ठापित उद्देश्यों की उपलब्धि के लिये विभिन्न कार्यक्रमों और कार्यकलापों का सम्पादन करता रहा है। प्रतिवेदनाधीन वर्ष में प्रतिष्ठान द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रम और कार्यकलाप अनुष्ठित किये गये :-

9.1 वैदिक संस्थाओं को वित्तीय सहायता

9.1.1 प्रतिष्ठान के उद्देश्यों में सारे देश में वैदिक पाठशालाओं, अनुसंधान केन्द्रों की स्थापना करना, उनका अधिग्रहण करना, उनका प्रबन्ध अथवा पर्यवेक्षण करना तथा प्रतिष्ठान के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए उनका सम्पोषण करना तथा उन्हें संचालित करना है। इस प्रावधान के अन्तर्गत देश के विभिन्न वेद पाठशालाओं/विद्यालयों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

9.1.2 मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वैदिक शिक्षा की प्रोन्नति के लिये स्वैच्छिक संगठनों (वेद पाठशालाओं/विद्यालयों) को वित्तीय सहायता योजना को बजट आवण्टन के साथ प्रतिष्ठान को दिनांक 01.04.1994 से स्थानान्तरित किया गया। इस योजना के अन्तर्गत संगठनों / संस्थाओं / पाठशालाओं / विद्यालयों के अध्यापकों के मानदेय तथा छात्रों की छात्रवृत्ति के लिये सहायता-अनुदान दिया जाता है। अब तक नवीन वेद अध्यापक को 11000/- रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाता है। 5 वर्ष से अधिक अध्यापन अनुभव प्राप्त को 15000/- रुपये प्रतिमाह की दर से और 10 वर्ष से अधिक अध्यापन अनुभव प्राप्त वेदाध्यापकों को 17000/- रुपये प्रतिमाह की दर से मानदेय प्रदान किया जाता है।

9.1.3 एक छात्र के लिए 2000/- रुपये प्रतिमाह की दर से राशि दी जाती है, जिसमें से 1000/- रुपये प्रतिमाह पाठशाला द्वारा छात्र के लिये एक राष्ट्रीयकृत बैंक में नियत/आवती जमा खाते में आस्थगितवृत्ति राशि के रूप में इस प्रयोजन के लिये प्रतिष्ठान द्वारा निर्धारित अनुदेशों के अनुसार जमा किया जाता है। बैंक में संचित राशि ब्याज सहित सम्बन्धित छात्र को सफलतापूर्वक अध्ययन पूर्ण करने पर एक मुश्त प्रदान की जाती है। रुपये 1000/- की शेष राशि पाठशालाओं द्वारा छात्र के रख-रखाव के लिये उपयोग में लाई जाती है। पाठशाला के प्रबन्धन से अपेक्षा की जाती है कि वह छात्रों को उनके लिये निर्धारित पोषणमानक तक उचित भोजन आदि की व्यवस्था करें और इस प्रयोजन के लिये संसाधनों से भी आवश्यक निधि प्रदत्त करे। पाठशाला के प्रबन्धन से यह भी अपेक्षा की जाती है कि वह छात्रों के रख-रखाव उपशीर्ष में छात्रों पर किये गये वास्तविक व्यय का प्रतिष्ठान द्वारा प्रदत्त सहायता-अनुदान के लिये उचित लेखे रखे तथा उसकी उपयोगिता सम्परीक्षक के प्रमाण-पत्र द्वारा प्रमाणित करें।

9.1.4 प्रतिवेदनाधीन वर्ष 2013-14, वेद पाठशालाओं के वेद अध्यापकों के मानदेय में और छात्रों की छात्रवृत्ति में और 'वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाये रखने की योजना' में भाग लेने वाले स्वाध्यायी-अध्यापकों के मानदेय और छात्रों की छात्रवृत्ति से सम्बन्धित प्रवर्तमान परियोजनाओं पर व्यय तथा निर्माणाधीन परिसर के लिये मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने वर्ष 2013-14 में रु. 5,50,00,000 (5.5 करोड़) अनुदान प्रदान किया।

9.1.5 प्रतिष्ठान में प्रचलित प्रथा के अनुसार द्वारा वैदिक पाठशालाओं / विद्यालयों, उनके अध्यापकों व छात्रों से सम्बन्धित पूर्ण विवरण के साथ आवेदन पत्र आमन्त्रित किये गये। पाठशालाओं द्वारा भेजी गयी सूचनाओं की जाँच की गयी। विभिन्न शर्तों और अपेक्षाओं आदि के सम्बन्ध में सन्तुष्ट होने के पश्चात् विभिन्न पाठशालाओं को अनुदान दिया गया।

9.1.6 वर्ष 2013-14 के दौरान, 70 वेद पाठशालाओं/विद्यालयों के 435 अध्यापकों को मानदेय के रूप में 615.62 लाख रुपये तथा 3331 छात्रों के लिए 729.74 लाख रुपये वृत्ति राशि के रूप में दिये गये। आलोच्य वर्ष के दौरान पाठशालाओं/ विद्यालयों को कुल 1345.36 लाख रुपये का भुगतान किया गया।

9.1.7 वर्ष 2013–14 के दौरान, पूवीत्तर राज्यों में 4 वेद पाठशालाओं/इकाइयों के 15 अध्यापकों के मानदेय, 110 छात्रों की छात्रवृत्ति, विद्यालय आनुषंगिक व्यय, वेद के प्रचार–प्रसार हेतु पूवीत्तर राज्यों में वेद सम्मेलन एवं वेद संगोष्ठियों का आयोजन किया गया जिस पर कुल रुपये 102.39 लाख व्यय किया गया।

9.1.8 वर्ष 2013–14 के दौरान जिन वेद पाठशालाओं/विद्यालयों को वित्तीय सहायता प्रदान की गयी, सहायता की धनराशि तथा जिस प्रयोजनार्थ सहायता राशि प्रदान की गयी, उसका विवरण अनुलग्नक 4 (अ) एवं 4 (ब) में दिया गया है।

9.2 वेद पाठशालाओं/विद्यालयों के छात्रों की परीक्षा

9.2.1 देश के विभिन्न भागों में स्थित वेदपाठशालाओं तथा गुरु शिष्य परम्परा योजना द्वारा सञ्चालित ईकाईयों में स्थित समस्त पाठशालाओं में प्रतिष्ठान द्वारा संचालित विद्यालयों तथा वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाये रखने की योजना के अन्तर्गत (गुरु–शिष्य परम्परा योजना में) अध्ययनरत छात्रों की परीक्षा सम्पन्न हुई। प्रथम, द्वितीय, तृतीय, पंचम तथा षष्ठ वर्ष तक के छात्रों की परीक्षा विभिन्न केन्द्रों पर प्रतिष्ठान द्वारा मनोनीत केन्द्र व्यवस्थापकों, प्रेक्षकों के पर्यवेक्षण में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय (जयपुर), पंजाब युनिवर्सिटी (जालन्धर) पंजाब, विक्रम विश्वविद्यालय (उज्जैन) गुवाहाटी विश्वविद्यालय (गुवाहाटी), राजकीय इन्टर कालेज (देवरिया), वूमन युनिवर्सिटी (मुम्बई), वैदिक संशोधन मण्डल (पुणे), लखनऊ विश्वविद्यालय (लखनऊ), श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ (दिल्ली), गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय (हरिद्वार), आदि प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थाओं के विद्वानों के नियन्त्रण मे सम्पन्न हुई।

9.3 वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने की योजना

9.3.1 यह योजना सरकार की पंचम पंचवषीय योजना अवधि से चल रही थी। प्रतिष्ठान को यह योजना दिनांक 01.04.1994 से कार्यान्वयन के लिये मानव संसाधन विकास मन्त्रालय द्वारा हस्तान्तरित की गयी। इसका उद्देश्य वैदिक उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने कि लिये विशेष प्रोत्साहन प्रदान करना है। इस योजना के अन्तर्गत एक स्वाध्यायी–अध्यापक को अपने घर पर या किसी भी उपयुक्त स्थान पर छात्रों को वेदाध्ययन कराना होता है। इस प्रयोजनार्थ चयनित स्वाध्यायी–अध्यापक को कम से कम एक वेद की एक शाखा में पूर्णरूपेण प्रवीण होना चाहिए। स्वाध्यायी–अध्यापक से यह अपेक्षा की जाती है कि इस प्रयोजनार्थ जिन छात्रों को वेदाध्ययन सिखाने का विशेष दायित्व सौंपा गया है, वह उन्हें विशेष प्रशिक्षण प्रदान करें ताकि वह जिस शाखा में अर्ह है, सस्वर पूरी संहिता के उच्चारण में उन्हें पारंगत बना सके। प्रत्येक छात्र की शिक्षण अवधि सात वर्ष है। षड्वषीय पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात् 2 वर्ष का क्रमान्त अध्ययन हेतु प्राविधान रखा गया है।

9.3.2 छात्रों के अभिभावकों के लिए यह आवश्यक है कि वे 10,000/– रुपये के मूल्य का एक इंडेमिनिटी बांड (क्षतिपूर्ति बंध–पत्र) दो प्रतिभूतियों सहित इस प्रयोजन के लिये निष्पादन करें कि वे अपने

प्रतिपाल्य को सात वर्ष की न्यूनतम अवधि से पूर्व अध्ययन पाठ्यक्रम से नहीं हटाएँगे। स्वाध्यायी-अध्यापक को भी एक वचनबंध देना आवश्यक है कि वह योजना की निबंधन जन्य शर्तों का पालन करेगा।

9.3.3 आलोच्य वर्ष के दौरान, वैदिक सस्वर योजना के अन्तर्गत 276 इकाईयों को अनुदान दिया गया, जिसमें कुल 276 अध्यापकों एवं 2667 वैदिक छात्रों ने इस योजना में भाग लिया तथा उन्हें 1300.37 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

9.3.4 आलोच्य वर्ष के दौरान, पूर्वोत्तर राज्यों में वैदिक सस्वर योजना के अन्तर्गत 10 इकाईयों को अनुदान दिया गया, जिसमें कुल 10 अध्यापकों एवं 88 वैदिक छात्रों ने इस योजना में भाग लिया तथा उन्हें 17.10 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

9.4 सभी के लिए वैदिक कक्षाएँ

9.4.1 वैदिक अध्ययन तथा तत्सम्बन्धी जानकारी का प्रचार-प्रसार करने के लिए प्रतिष्ठान के पास उन सभी के लिए जो इस विषय में रुचि रखते हैं, चाहे भले ही उनके पास कोई शैक्षिक अर्हता न हो, वैदिक कक्षाएँ चलाने की योजना है। इस योजना के अंतर्गत, वेद के सभी विशिष्ट विषयों पर 100 व्याख्यान दिए जाते हैं, जो प्रत्येक शनिवार तथा रविवार को दो-दो व्याख्यान के रूप में होते हैं। पाठ्यक्रम का स्वरूप जिसमें व्याख्यान मालाओं के विषय भी शामिल हैं, का निर्धारण प्रतिष्ठान द्वारा किया जाता है। वर्ष 2013-14 में संस्कृत अकादेमी, जम्मू एण्ड कश्मीर में दिनांक 17 अगस्त 2013 को आयोजित किया गया था ।

9.5 संगोष्ठियाँ

9.5.0 वैदिक अध्ययन के क्षेत्र में अनुसंधान के प्रोत्साहन के लिए प्रतिष्ठान द्वारा प्राथमिकता के क्षेत्रों में संगोष्ठियाँ आयोजित की जाती हैं। ये संगोष्ठियाँ प्रतिष्ठान द्वारा पूर्ण अथवा आंशिक रूप से वित्तपोषित की जाती हैं। आलोच्य वर्ष में प्रतिष्ठान ने इस प्रकल्प हेतु विभिन्न संस्थाओं द्वारा निम्नलिखित संगोष्ठियाँ आयोजित करने के लिये वित्तीय सहायता प्रदान की :-

9.5.1 राँची विश्वविद्यालय, राँची में आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रीय वैदिक संगोष्ठी सम्पन्न –

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रिय वेदविद्या प्रतिष्ठान, भारत सरकार और संस्कृत विभाग, राँची विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में २१ नवम्बर २०१३ तक त्रिदिवसीय राष्ट्रीय वैदिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। त्रिदिवसीय राष्ट्रीय वैदिक संगोष्ठी का उद्घाटन २१ नवम्बर २०१३ को किया गया। इस अवसर पर समागत विद्वानों ने अपनी ज्ञानगंगा की धारा को प्रवाह देकर लोगों को अभिभूत कर दिया । इस अवसर पर राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के कुलपति प्रो. हरे कृष्ण सतपथी ने कहा कि वेद मानवमात्र के लिए प्रकाश स्तम्भ और शक्ति के स्रोत हैं।

इस अवसर पर प्रतिष्ठान के सचिव एवं संगोष्ठी सारस्वतातिथि प्रो. रूप किशोर शास्त्री ने वेदों के व्यापक प्रचार-प्रसार पर बल दिया । उन्होंने कहा कि वेदों का प्रसार स्वहित, परिवारहित, समाजहित, राष्ट्रीय हित और विश्वहित सभी के लिए आवश्यक है। उन्होंने बताया कि वेदविद्या प्रतिष्ठान से जुड़ी ५०० संस्थाएं भारत के २६ राज्यों में अपना कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि वेद समग्र विश्व की सर्वाधिक महीयसी निधि है, अतः इसका संरक्षण किसी भी हालत में होना ही चाहिए । वेदों को आर्यजाति का प्राण कहते हुए प्रो. शास्त्री ने कहा कि वेद इष्ट-प्राप्ति और अनिष्ट निवाराण का अलौकिक उपाय बताने वाले ग्रन्थ हैं।

संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए राँची विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एल.एन. भगत ने कहा कि वेद भारतीय संस्कृति के मूलाधार हैं। उन्होंने कहा कि वेदों में सभी विद्यायों के सूत्र विद्यमान हैं। वेदों में जहाँ धर्म, आचारशिक्षा, नीतिशिक्षा, सामाजिक जीवन, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र, आयुर्वेद आदि से सम्बद्ध पर्याप्त सामग्री उपलब्ध है, वहीं विज्ञान के विविध अंगो से सम्बद्ध सामग्री बहुलता से प्राप्य है। उन्होंने संगोष्ठी में आए हुए विद्वानों से आग्रह किया कि वेदों में निहित ज्ञानतत्व को सरल भाषा में प्रकाशित करने का कार्य करें ।

अध्यक्षीय भाषण देते हुए स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग, राँची विश्वविद्यालय, राँची के भूतपूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. अयोध्या प्रसाद सिंह ने शोधार्थियों से अनुरोध किया कि वे वैदिक साहित का आश्रय लेकर अपने शोध को समृद्ध करें। कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के भूतपूर्व कुलपति प्रो. सुरेन्द्र कुमार ने वेदों में प्रतिपादित त्यागपूर्वक भोग के सिद्धान्त का उल्लेख किया । इसके पूर्व महामहोपाध्याय प्रो. चन्द्रकान्त शुक्ल ने विषय प्रवर्तन करते हुए वैदिक शासन व्यवस्था और अर्थव्यवस्था के विविध आयामों पर प्रकाश डाला । संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में संस्कृत विभाग की ओर से राष्ट्रपति पुरस्कार से विभूषित प्रो. डा. चन्द्रकान्त शुक्ल, भूतपूर्व कुलपति, कामेस्वार सिंह दंरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा को सम्मानित किया गया । आगत विद्वानों का स्वागत संस्कृत विभाग की अध्यक्षा डा. जानकी देवी ने किया । कार्यक्रम का संचालन पूर्व विभागाध्यक्षा डा. नीलिमा पाठक ने किया । धन्यवाद ज्ञापन डा. मीना शुक्ला ने दिया ।

9.5.2 दिल्ली में ''वैदिक फाउण्डेशन्स ऑफ इंण्डियन मैनेजमेण्ट'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी –

दिनांक २५ से २७ नवम्बर २०१३ को आइजॉल रिसर्च पफाउण्डेशन दिल्ली के सहयोग से दिल्ली में त्रिादिवसीय वैदिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उक्त संगोष्ठी में लगभग ३७ विद्वानों ने उपर्युक्त विषय के अलग-अलग थीम पर अपने विचार प्रस्तुत किये।

9.5.3 पंजाब विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न –

राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन प्रो० अरुण कुमार ग्रोवर, उपकुलपति, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ, प्रो० रुपकिशोर शास्त्री, सचिव, महर्षि सान्दिपनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन, डॉ. कृष्णासिंह आर्य (पूर्व प्राचार्य डीएवी कालेज, चंडीगढ), डॉ. धर्मेन्द्रकुमार शास्त्री, सचिव, दिल्ली संस्कृत अकादमी एवं डॉ. वीरेन्द्रकुमार अलंकार, अध्यक्ष, दयानन्द चेयर फार वैदिक शिक्षा द्वारा मंगलाचरण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया।

उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता प्रो० अरुण कुमार ग्रोवर, उपकुलपति, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ द्वारा की गई। मुख्य अतिथि डॉ. कृष्णासिंह आर्य (पूर्व प्राचार्य डीएवी कालेज, चंडीगढ) थे, जिन्होंने यज्ञ के वैज्ञानिक अर्थ की व्याख्या की। डॉ. धर्मेन्द्रकुमार शास्त्री, सचिव, दिल्ली संस्कृत अकादमी विशिष्ट अतिथि थे। उन्होंने सुन्दर ढंग से यज्ञ के अर्थ एवं वेद मंत्रों के विवादास्पद पदों की व्याख्या की। उन्होंने वेदों में मौसमी चक्र के लाक्षणिक रूप के संबंध में सृष्टि यज्ञ की प्रक्रिया की व्याख्या की। उन्होंने सविस्तार से यज्ञ में अहिंसा के पहलुओं पर व्याख्यात की। श्रीमद्भागवतगीता का दृष्टव्य तीसरे अध्याय में 'इस्तकमुकाभुका यज्ञ' स्थापित करता है। प्रो० रुपकिशोर शास्त्री, सचिव, महर्षि सान्दिपनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन, ने अध्वर शब्द एवं यज्ञ के पर्यायवाची शब्द जो वेद संहिता में प्रयुक्त किये गये हैं, की व्याख्या की। उन्होंने स्व० डॉ. रामनाथ वेदालंकार जो दयानन्द चेयर फार वैदिक शिक्षा, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ के प्रथम अध्यक्ष रहे थे का स्मरण किया। 'वेदनिपुण पाठ्यक्रम' को आरम्भ करने से समस्त जन सामान्य लोगों के वेदज्ञान में वृद्धि हुई।

समापन समारोह में डॉ. सुरेन्द्रकुमार, उपकुलपति, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार अध्यक्ष थे। डॉ. दिनेश चन्द्र शास्त्री, डॉ. विक्रम विवेकी, डॉ. वीरेन्द्रकुमार अलंकार एवं डॉ. वेदप्रकाश डिंडोरिया समापन समारोह में उपस्थित थे। डॉ. सुरेन्द्रकुमार ने संगोष्ठी में हुई चर्चाओं का सार प्रस्तुत किया एवं यज्ञ के अनछुए पहलूओं की व्याख्या की। उन्होंने कहा कि महर्षि दयानन्द सरस्वती ने यज्ञ में प्रयुक्त वेदमंत्रों के भ्रामक तथ्यों को संशोधित कर व्याख्या की। डॉ. दिनेश चन्द्र शास्त्री ने गोभिल गृह्य सूत्र की व्याख्या की एवं इस पर बल दिया गया कि यज्ञ घने जंगली क्षेत्रों में प्रतिपादित किये जाने चाहिये ताकि प्रकाश संश्लेषण चक्र के पश्चात पर्यावरण द्वारा प्रचुर मात्रा में ओषजन की उत्पत्ति हो सके। डॉ. विक्रम विवेकी ने वैदिक यज्ञ के विचार पर व्याख्या की एवं बतलाया कि वास्तव में यज्ञ हमारी अन्तरात्मा को पवित्र करता है। समस्त उपस्थित सम्माननीय अतिथियों एवं वैदिक विद्वानों के प्रति डॉ. वीरेन्द्रकुमार अलंकार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। डॉ. सुरेन्द्रकुमार ने डॉ. वीरेन्द्रकुमार अलंकार, अध्यक्ष दयानन्द चेयर फार वैदिक शिक्षा, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ को संगोष्ठी में वैदिक यज्ञ पर प्रकाश डालने हेतु संगोष्ठी की सफलतम पूर्णता पर बधाईयॉ दीं। डॉ. वीरेन्द्रकुमार अलंकार ने डॉ० रुपकिशोर शास्त्री, सचिव, महर्षि सान्दिपनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार को उनके सहयोग

हेतु विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु उन्होंने डॉ. देवानन्द शुक्ल, वेद विद्या प्रतिष्ठान के कार्यक्रम अधिकारी एवं प्रो. अरुण कुमार ग्रोवर, उपकुलपति, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ, प्रो. ए.के. भण्डार, डीयूआई, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ को कार्यक्रम के सफल संचालन में उनके पूर्ण सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया।

9.5.4 वैदिक एवं संबद्ध साहित्य में वैज्ञानिक तत्वों, पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी दिनांक 28 जनवरी से 29 जनवरी, 2014 तक संस्कृत विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित –

राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन डॉ. मृदुला हजारिका, आदरणीय उपकुलपति गुवाहाटी विश्वविद्यालय द्वारा किया गया, जिसमें कई वैदिक विद्वान, उच्चाधिकारीगण एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे। प्रो. मुक्ता विश्वास, संस्कृत विभाग प्रमुख एवं संगोष्ठी संयोजक ने अपने स्वागतीय भाषण में कहा कि उत्तर पूर्व क्षेत्र के लोगों पर वैदिक संस्कृति की यशस्वी विरासत का प्रभाव पडा है। प्रो. नबनारायण बन्दोपाध्याय, निदेशक, वैदिक शिक्षा विद्यालय, रवीन्द्रभारती विश्वविद्यालय, कलकत्ता ने मुख्य विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने वैदिक एवं संबद्ध विषय में वैज्ञानिक तत्वों पर विस्तारपूर्वक विचार प्रकट किये। प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति एवं राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान के उपाध्यक्ष ने समारोह में प्रतिष्ठित अतिथि के रुप में शोभायमान हुए। 'उत्तर पूर्वी भारत एवं वैदिक शिक्षा', संस्कृत विभाग द्वारा प्रकाशित एक रिसर्च अंक का विमोचन करने के पश्चात् प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा द्वारा वैदिक शिक्षा के महत्व पर विचार व्यक्त किये गये। प्रो. सुरेन्द्र कुमार, आदरणीय उपकुलपति, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि ने सोधाज्योति, रिसर्च स्कालर्स संस्कृत विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय की रिसर्च द्विभाषी जरनल का विमोचन किया एवं सभा में उपस्थित लोगों को सम्बोधित किया। प्रो. एच.के. सत्पथी, कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति सत्र के सम्माननीय अतिथि थे। उन्होंने Catalogue of Research Work of the Department पुस्तक का विमोचन किया। प्रो. सत्पथी ने अपने भाषण में वेदों में पाये गये विभिन्न वैज्ञानिक तत्वों के पहलुओं पर प्रकाश डाला। वर्तमान परिपेक्ष्य में उन्होंने वेदों में विज्ञान के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने उपस्थित समूहवृन्द को इस तथ्य से अवगत कराया कि संस्कृत एवं विज्ञान अनुच्छेद को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस में जो कि संस्कृत विषय के विभिन्न पहलुओं को आधुनिक विज्ञान में स्पष्टीकरण हेतु तात्पर्य से संबंधित है। प्रो० रूप किशोर शास्त्री, सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा भारत के विभिन्न भागों प्रतिष्ठान द्वारा वेद शिक्षा के प्रचुर प्रचार-प्रसार हेतु किये गये कार्यो

को विस्तारपूर्वक बतलाया गया । उन्होंने राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजकों को इस आयोजन हेतु प्रोत्साहित किया एवं आश्वस्त किया कि महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन की पहल से द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही प्रकाशित की जावेगी । प्रो. नलिनी देवी मिश्रा द्वारा अध्यक्षीय भाषण के पश्चात् आभार प्रदर्शन के साथ उद्घाटन संत्र का समापन किया ।

आयोजित किये गये कुल ८ अकादमी सत्रों में वैदिक साहित्य में कृषि एवं कृषि कर्म, कराका में चिकित्सा विज्ञान, सुश्रुता एवं वागभाटा, वेदों में पर्यावरण विज्ञान, भारतीय दर्शनशास्त्र में वैज्ञानिक तत्व, उपवेदों में वैज्ञानिक तत्व, वैदिक साहित्य में भौतिक विज्ञान, वैदिक साहित्य में रासायनिक विज्ञान, एवं वैदिक साहित्य में आहार तथा पोषण विषयों पर रिसर्च स्कालर्स सहित विश्वविद्यालयों एवं विभिन्न महाविद्यालयों से ४० प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभागी की गई एवं उनके द्वारा रिसर्च पत्र प्रस्तुत किये गये । द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के परिणामों में वेदों में प्रतिष्ठापित किये गये प्राचीन वैज्ञानिक पहलुओं जिनका अभी तक पता लगाना है, पुस्तक में प्रकाशित किये जावेंगे ।

प्रो. सुरेन्द्र कुमार, आदरणीय कुलपति, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार की अध्यक्षता में द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन किया गया । समापन समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. धर्मेन्द्र कुमार, सचिव, दिल्ली संस्कृत अकादमी, दिल्ली एवं प्रो. नबनारायण बन्दोपाध्याय, निदेशक, वैदिक शिक्षा विद्यालय, रवीन्द्रभारती विश्वविद्यालय, कलकत्ता सम्माननीय अतिथि थे । प्रो. मुक्ता विश्वास, संस्कृत विभाग प्रमुख, गुवाहाटी विश्वविद्यालय एवं संगोष्ठी संयोजक द्वारा समस्त आमंत्रित अतिथिगण, उच्चाधिकारीगण, वैदिक विद्वान, प्रतिभागीगण, विद्यार्थीगण एवं अन्य के प्रति आभार प्रदर्शन किया गया ।

9.5.5 समाज की वर्तमान दशा-दिशा में वेदाधययन का महत्व पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी दिनांक 10 फरवरी से 11 फरवरी, 2014 तक संस्कृत विभाग, जगन्नाथ बरुआ महाविद्यालय, जोरहट, आसाम द्वारा आयोजित -

'समाज की वर्तमान दशा-दिशा में वेदाध्ययन का महत्व ' विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी दिनांक १० फरवरी से ११ फरवरी, २०१४ तक संस्कृत विभाग, जगन्नाथ बरुआ महाविद्यालय द्वारा जोरहाट, आसाम में आयोजित की गई । महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के सहयोग से राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन सत्र महाविद्यालय में दिनांक १० फरवरी, २०१४ को ९.४५ प्रातः सम्पन्न हुआ ।

डॉ० बिमल बरुआ, प्राचार्य, जगन्नाथ बरुआ महाविद्यालय द्वारा समारोह का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया । डॉ० कल्याणी गोस्वामी, विभागीय प्रमुख, संस्कृत विभाग, जगन्नाथ बरुआ महाविद्यालय ने संगोष्ठी आयोजित करने के उद्देश्य को अतिसंक्षेप में स्पष्ट किया । इसके पश्चात् श्री विवेक कुमार मिश्रा एवं श्री धनजीत शर्मा द्वारा वेदों का सस्वर मंत्रोच्चार किया गया ।

उच्च अधिकारियों प्रो. अनिमा भट्टाचार्य, रिटायर्ड उप प्राचार्य, जगन्नाथ बरुआ महाविद्यालय एवं प्रो. नन्दिता भट्टाचार्य गोस्वामी, पूर्व उप प्राचार्य, कॉटन कालेज, गुवाहाटी की उपस्थिति ने उद्घाटन समारोह की शोभा बढ़ाई । समापन समारोह में डॉ. दिप्ती शर्मा, संस्कृत विभाग प्रमुख एवं संगोष्ठी संयोजक, जगन्नाथ बरुआ महाविद्यालय, जोरहाट द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया । इस प्रकार द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन हुआ ।

9.5.6 विश्वभारती शान्ति निकेतन, पं. बंगाल में 'वैदिक विश्लेषण : प्रवृत्ति एवं तकनीक' पर त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी दिनांक 13 फरवरी से 15 फरवरी, 2014 तक आयोजित –

कविगुरु रविन्द्रनाथ टैगोर द्वारा संस्थापित संस्कृत विभाग, पाली एवं प्राकृति, विश्व भारती विश्वविद्यालय, एवं महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन, के सहयोग से ' वैदिक विश्लेषण : प्रवृत्ति एवं तकनीक ' पर त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी दिनांक १३ फरवरी से १५ फरवरी, २०१४ तक आयोजित की गई।

प्रो. सुशान्त दासगुप्ता, उपकुलपति, विश्व भारती राष्ट्रीय संगोष्ठी के संरक्षक थे। संगोष्ठी के सलाहकार बोर्ड में गणमान्य विद्वान प्रो.करुणानिधि दास, प्रोफेसर विश्वभारती एवं पूर्व उपकुलपति रविन्द्र भारती विश्वविद्यालय, प्रो. तृप्ति मुखर्जी, निदेशक, रविन्द्र भवन, विश्वभारती, प्रो. रामेश्वर प्रसाद मिश्रा, प्राचार्य, भाषा भवन, विश्वभारती, प्रो. नरोत्तम सेनापति, संस्कृत प्रोफेसर, विश्वभारती, प्रो. मृदुला राय, संस्कृत प्रोफेसर, विश्वभारती, प्रो. अरुण कुमार मंडल, संस्कृत प्रोफेसर, विश्वभारती, प्रो. ललिता चक्रवर्ती, संस्कृत प्रोफेसर, विश्वभारती, प्रो. जगतराम भट्टाचार्य, संस्कृत प्रोफेसर, विश्वभारती थे। प्रो. अरुण रंजन मिश्रा, संस्कृत प्रोफेसर, विश्वभारती संगोष्ठी के अध्यक्ष, डॉ. गार्गी भट्टाचार्य संयुक्त समन्वयक एवं डॉ. हरेकृष्ण मिश्रा, समन्वयक थे।

दिनांक १३ फरवरी, २०१४ को १० बजे प्रातः मंच पर उपस्थित गणमान्य विद्वानों द्वारा संगोष्ठी का उद्घाटन किया गया। प्रो. सुशान्त दासगुप्ता, कुलपति, विश्व भारती मुख्य अतिथि, प्रो. गंगाधर पाण्डा, कुलपति, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी गणमान्य अतिथि, प्रो. रामेश्वर प्रसाद मिश्रा, प्राचार्य, भाषा भवन विशिष्ट अतिथि, प्रो. गोपालकृष्ण दाश, पूर्व संस्कृत प्रोफेसर, उत्कल विश्वविद्यालय मुख्य वक्ता थे। सत्र की अध्यक्षता प्रो. करुणानिधि दास, प्रोफेसर विश्वभारती एवं पूर्व उपकुलपति रविन्द्र भारती विश्वविद्यालय द्वारा की गई।

संगोष्ठी में ७६ पत्र प्रस्तुत किये गये जिन्हें १५ तकनीकी सत्रों में बॉटा गया एवं उन पर विचार विमर्श किया गया। कुल प्रतिनिधियों में ४० प्रतिनिधि विभिन्न विश्वविद्यालयों से, १५ प्रतिनिधि पश्चिमी बंगाल एवं उडीसा के विभिन्न कालेजों से एवं ३१ रिसर्च विद्वान विश्व भारती, जादवपुर, कलकत्ता, बर्धवान एवं रविन्द्रभारती विश्वविद्यालयों द्वारा प्रतिभागी की गई।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, दिल्ली, दिल्ली संस्कृत अकादमी, दिल्ली, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी, कलकत्ता विश्वविद्यालय, बर्दवान विश्वविद्यालय, रविन्द्रभारती विश्वविद्यालय, कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, उत्कल विश्वविद्यालय, श्री श्री ओंकारनाथ संस्कृत शिक्षा संसद, कलकत्ता एवं फिलासाफिका लिटरेरी रिसर्च विभाग, काईवलीधाम, लोनावाला, महाराष्ट्र के प्रतिनिधियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया।

प्रो. दीपक भट्टाचार्य, प्रो. सुनीति पाठक, प्रो. सिराजुल इस्लाम, प्रो. सोमनाथ चक्रवर्ती, प्रो. कल्पिका मुखर्जी, प्रो. अलखनन्दा बेनर्जी, प्रो. निरदबरन मण्डल स्थानीय अनुभवी गणमान्य व्यक्ति संगोष्ठी में उपस्थित थे ।संगोष्ठी का सफल संचालन पूर्व विभागीय प्रमुख प्रो. ललिता चक्रवर्ती एवं प्रो. अरुण रंजन मिश्रा, वर्तमान विभागीय प्रमुख एवं चेयरपर्सन द्वारा किया गया । संगोष्ठी का समापन दिनांक १५ फरवरी, २०१४ को २.३० अपरान्ह में शांतिनिकेतन के आश्रम संगीत द्वारा किया गया ।

9.5.7 जम्मू विश्वविद्यालय में त्रिदिवसिय राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न –

महर्षि सान्दिपनि राष्ट्रिय वेद-विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन एवं स्नातकोत्तर संस्कृत-विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू के संयुक्त तत्त्वावधान में 'वेद-मूलक आख्यानोपाख्यान तथा साम्प्रतिक समाज' शीर्षक पर आधारित त्रिदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी का उद्घाटन दिनांक 21 फरवरी 2014 को जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू के ब्रिगेडियर राजेन्द्र सिंह सभागार में जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू के सम्माननीय कुलपति प्रो. मोहनपाल सिंह इशर जी ने किया । इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में गुरुकुल काङ्गड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार के माननीय कुलपति प्रो. सुरेन्द्र कुमार, विशिष्ट अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध विदुषी पद्मश्री प्रो. वेदकुमारी घई, जम्मू विश्वविद्यालय के संकायाध्यक्षा प्रो. रमणिका जलाली, प्रो. नीलम सर्राफ, संस्कृत विभाग की अध्यक्षा एवं संगोष्ठी की निदेशिका प्रो. सुषमा देवी, संयोजक डॉ. रामबहादुर शुक्ल एवं भारतभूमि के विभिन्न भागों से उपस्थित अनेक वैदिक विद्वान् तथा जम्मू नगर के अनेक प्रतिष्ठित नागरिक उपस्थित थे ।

कार्यक्रम की संगोष्ठी का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन, देवी सरस्वती को माल्यार्पण करने तथा वैदिक वन्दना एवं सरस्वती वन्दना के साथ हुआ । इस अवसर पर वर्ष 2014 में पदम्श्री पुरस्कार प्राप्त प्रो. वेदकुमारी घई जी का विभाग की ओर से प्रशस्ति पत्र एवं शाल देकर विशेष रूप से अभिनन्दन करते हुए मन्चस्थ सभी मनीषियों को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया गया तथा संस्कृत-विभाग की अध्यक्षा प्रो. सुषमा देवी ने सभी अभ्यागतों के प्रति स्वागतांजलि अर्पित की । संगोष्ठी का स्वर्ण जयन्ती वर्ष मनाते हुए एक स्मारिका 'ऋतम्भरा' का विमोचन भी किया। तदुपरान्त जम्मू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मोहनपाल सिंह इशर, प्रो. नीलम शर्राफ, पूर्व सङ्कायाध्यक्षा जम्मू विश्वविद्यालय जम्मू तथा पद्मश्री पुरस्कार से पुरस्कृत प्रो. वेद कुमारी घई ने सभागार में उपस्थित

विद्वत्सभा को सम्बोधित किया। कार्यक्रम के अन्त में संस्कृत विभाग के वरिष्ठ आचार्य प्रो. रमणिका जलाली ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी महानुभावों के प्रति विभाग की ओर से धन्यवाद ज्ञापन दिया। इसके पश्चात् जम्मू विश्वविद्यालय के कुलपति एवं गुरुकुल काङ्गडी विश्वविद्यालय के कुलपति और प्रो. वेद कुमारी घई ने संस्कृत-विभाग के प्राङ्गण में वृक्षारोपण भी किया। कार्यक्रम के अन्तिम चरण में वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के दृढ़प्रतिज्ञ, कर्मण सचिव प्रो. रूप किशोर शास्त्री ने अपने निष्ठापूर्ण वाक्तव्य में प्रतिष्ठान की गतिविधियों, योजनाओं विस्तृतीकरण, छात्र-कल्याण-योजनाओं, अध्यापकों की गुणवत्ता के विकास, वेद की लोकप्रियता, प्रतिष्ठान के सम्बद्ध वेद विद्यालयों के सर्वतोभावेन स्तरोन्नयन, पाठ्यक्रम सुधार, सप्तवर्षीय वेद कक्षाओं के संचालन, वेदभूषण जैसी उपाधि के कार्यन्वयन एवं अन्यान्य महत्त्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला।

9.5.8 वाराणासी (उ.प्र.) में 'अर्थशास्त्र उपवेद और वार्णिज्यविधा' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न –

महर्षि सान्दिपनि राष्ट्रिय वेद-विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा दिनांक 27, 28 फरवरी तथा 1 मार्च 2014 को श्री पट्टाभिरामशास्त्री वेदमीमांसा अनुसन्धान केन्द्र वाराणसी के सहयोग से वाराणसी में त्रिदिवसीय वैदिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया ।

9.5.9 'वेद - विज्ञान के स्त्रेत' विषय पर त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी दिनांक मार्च 7 - 9, 2014 तक आचार्य भृगुगिरी पूर्बोत्तरीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, गुवाहाटी, आसाम द्वारा आयोजित ।

'वेद - विज्ञान के स्त्रोत ' विषय पर त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी दिनांक मार्च ७ - ९, २०१४ के दौरान आचार्य भृगुगिरी पूर्बोत्तरीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, गुवाहाटी, पंचकन्या धाम, गुवाहाटी, आसाम एवं महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के सहयोग से आयोजित किया गया ।

दिनांक ७ मार्च, २०१४ को संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह का शुभारम्भ डॉ. मुकुन्दकाम शर्मा, सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड न्यायाधीश द्वारा प्रतिष्ठान के ध्वजारोहण से किया गया । उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता श्री कनक चन्द्र शर्मा, अध्यक्ष, आचार्य भृगुगिरि पूर्बोत्तरीय वेद विद्या प्रतिष्ठान द्वारा की गई एवं समारोह का उद्घाटन डॉ. मुकुन्दकाम शर्मा द्वारा किया गया । महामहिम आचार्य भृगुगिरि महाराज द्वारा मुख्य भाषण दिया गया । डॉ. दीपक कुमार शर्मा, कुलपति, कुमार भास्कर बर्मा संस्कृत एवं ओरिएण्टल स्टडीज, आसाम विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि की उपस्थिति में समारोह अलंकृत हुआ । समारोह में अन्य माननीय उच्चाधिकारियों में डॉ. रामचन्द्र प्रधान, प्रोफेसर, रामजस कॉलेज, नई दिल्ली, डॉ. एस.आर. वर्मा, प्रोफेसर, देहरादून कॉलेज, श्री प्रबीनचन्द्र शर्मा, सचिव, संस्कृत बोर्ड अतिथिगण उपस्थित थे ।

दिनांक ९ मार्च, २०१४ को श्री कनक चन्द्र शर्मा अध्यक्ष, आचार्य भृगुगिरि पूर्बोत्तरीय वेद विद्या प्रतिष्ठान की अध्यक्षता में समापन समारोह का आयोजन किया गया । डॉ. मुकुन्दकाम शर्मा मुख्य अतिथि थे । अन्य माननीय उच्चाधिकारियों में श्रीमती मृणालिनी देवी, आसाम की विख्यात सामाजिक कार्यकर्ता, डॉ. देवानन्द शुक्ल, कार्यक्रम अधिकारी वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन उपस्थित थे ।

श्री सतीश चन्द्र शर्मा, संगोष्ठी संयोजक द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया । इस प्रकार त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न हुई ।

9.5.10 'वेद एवं भारतीय संस्कृति पर इनका प्रभाव' पर त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी दिनांक मार्च 13-15, 2014 तक कामरूप वेदाध्ययन मण्डल, गुवाहाटी, आसाम द्वारा आयोजित -

'वेद एवं भारतीय संस्कृति पर इनका प्रभाव ' पर त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी दिनांक मार्च १३ - १५, २०१४ तक महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के सहयोग से कामरूप वेदाध्ययन मण्डल, गुवाहाटी, आसाम के द्वारा अनुन्दोराम बरुआ इंस्टिट्यूट ऑफ लेन्वेज, कला एवं संस्कृति, आसाम आयोजित किया गया । इस अवसर पर विख्यात अंतरिक्ष वैज्ञानिक, डॉ. ओ.पी. पाण्डे, पूर्व प्रधानमंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार उपस्थित थे । श्री चन्द्रकान्त दास, रिटायर्ड आईएएस, पूर्व अध्यक्ष आसाम रेवेन्यू बोर्ड भी विशिष्ट अतिथि भी उपस्थित थे । श्री वी.एस. विजयराघवन, निदेशक, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन एवं डॉ. प्रवीण चन्द्र दास, रिटायर्ड, सचिव, विश्वविद्यालय क्लासेस, गुवाहाटी विश्वविद्यालय द्वारा प्रतिष्ठित अतिथि थे ।

समापन समारोह की अध्यक्षता डॉ. दिलीप कलिटा, निदेशक, ABILAC की गई, जबकि डॉ. आर.एन. भट्टाचार्य, संस्कृत विभागाध्यक्ष, कलकत्ता विश्वविद्यालय एवं डॉ. पी.सी. दास एवं डॉ. वी.एस. विजयराघवन द्वारा विचार विमर्शों का आदान-प्रदान किया गया । डॉ. जी.एन.डी. गोस्वामी, संगोष्ठी संयोजक द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया गया । इस प्रकार त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन हुआ ।

9.6 वैदिक सम्मेलन

9.6.0 प्रतिष्ठान के कार्यक्रमों में वैदिक सम्मेलनों का महत्त्वपूर्ण स्थान है और ये सम्पूर्ण देश में वैदिक अध्ययन और ज्ञान के प्रचार के प्रमुख साधन हैं। प्रतिवर्ष एक अखिल भारतीय और अन्य क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन आयोजित किये जाते हैं। उद्घाटन और समापन समारोह के साथ ये सम्मेलन त्रिदिवसीय आयोजित होते हैं। ये सम्मेलन आयोजक के रूप में उत्कृष्ट वैदिक संस्थाओं, विश्वविद्यालयों, विद्यापीठों आदि के सहयोग से सम्पन्न किये जाते हैं। उन स्थानों पर, जहाँ ऐसी संस्थएँ उपलब्ध नहीं हैं, सम्मेलन आयोजित करने के लिए प्रसिद्ध विद्वानों एवं गणमान्य व्यक्तियों की आयोजन-समितियाँ गठित की जाती हैं। आलोच्य वर्ष 2013-14 के दौरान, प्रतिष्ठान द्वारा दो अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन तथा 8 क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलनों का आयोजन किया गया, जिसका विवरण निम्नवत् है :-

9.6.1 लखनऊ (उ.प्र.) में त्रिदिवसीय वैदिक सम्मेलन सम्पन्न -

दिनांक 13 से 15 सितम्बर, 2013 को मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से त्रिदिवसीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन विज्ञान भवन, गोमती नगर में किया गया। उद्घाटन अवसर पर मानव संसाधन विकास मन्त्री, डॉ. एम.एम. पल्लम राजू, मानव संसाधन विकास राज्य मन्त्री श्री जितिन प्रसाद, प्रतिष्ठान के उपाध्यक्ष प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा, प्रतिष्ठान सचिव, प्रो. रूप किशोर शास्त्री, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान लखनऊ के प्राचार्य, प्रो. अर्कनाथ चौधरी आदि ने दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन को प्रारम्भ किया। इस अवसर पर देश के भिन्न-भिन्न प्रान्तों से आगत

विद्वानों ने वेद में भिन्न-भिन्न विषयों पर चर्चा की। इस सम्मेलन में लखनऊ शहर के अधिकांश महाविद्यालयों, विद्यालयों के बच्चों ने भी अपनी सहभागिता प्रस्तुत की। इस प्रकार त्रिदिवसीय वैदिक सम्मेलन सम्पन्न हुआ।

9.6.2 त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन वलसाड़ (गुजरात) में सम्पन्न –

दिनांक 15 से 17 नवम्बर, 2013 को पद्मभूषण पंडित सातवलेकर द्वारा स्थापित स्वाध्याय मण्डल वलसाड, गुजरात के सहयोग से अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

इस उद्घाटन सत्र में भार्गव श्री बी.पी. सचीनवाला तथा माननीय श्री च.मु. कृष्णशास्त्री (सचिव, संस्कृत संवर्धन दिल्ली) के करकमलों से वेद मन्त्रोच्चार के साथ हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के सचिव प्रो. रूप किशोर शास्त्री थे। विशेष अतिथि के रूप में स्वामी तन्मयानन्द सरस्वतीजी (परमप्रमाण दर्शनालय, पारडी) थे। इसके अतिरिक्त महामहोपाध्याय डॉ. गौतमभाई पटेल (पूर्व अध्यक्ष संस्कृत साहित्य अकेडेमी, गुजरात), स्वामी हरिप्रसाददासजी (वल्लभआश्रम, पारडी), श्रीमती डॉ. विमलाबेन लालभाई (अतुल), भार्गव श्री बी.पी.सचीनवाला (परशुराम तपोभूम, वसई) पधारे थे। सभी महानुभावों का स्वागत और सन्मान पुष्पगुच्छ और शाल से किया गया।

वेदामृतम् स्मरणिका और उडिशा के साहित्य यजुर्वेदाचार्य श्री उमाकांत पांडा द्वारा लिखित वेदविद् संस्कार समीक्षा पुस्तक का विमोचन भी हुआ। स्वागत समिति के अध्यक्ष और पारडी के विधायक श्री कनुभाई देसाई ने स्वागत भाषण किया।

प्रमुख अतिथि प्रो. रूप किशोर शास्त्रीजी ने रोमांच की अनुभूति करते हुए कहा की महामहिषी जिनका स्मरण स्वयं छात्रावस्था से करते थे, जैसे वन्दनीय पं. सातवलेकर जी की पुण्यभूमि तपोभूमि में उपस्थित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। गौरवान्वित होते हुए कहा की अपने जीवन का संकल्प भी वेद सम्मेलन के आयोजन से पूर्ण होने की अनुभूति हुई। कांगड़ी गुरुकुल में पंडितजी के जीवन के बारे में जानकारी मिली। स्वामी श्रद्धानन्द स्थापित कांगड़ी गुरुकुल, जो समकालीन अन्य तीन-चार विश्वविद्यालयों में से एक है, वहाँ पं. सातवलेकरजी ने वेद अध्ययन का कार्य प्रारम्भ किया था और वहाँ से प्रेरणा लेकर उन्होंने चारों वेदों का समग्र भारत में जन जन तक पहुँचाने का सराहनीय कार्य किया। मध्ययुग में संस्कृत कवियों का सन्मान होता था किन्तु वेदविद्वानों का महत्त्व कम था। वेद रक्षा के लिये कार्यरत पंडितो को सन्मान मिले और वेदज्ञान अखंड रहे इसलिये महर्षि सान्दीपनि वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन केन्द्र सरकार के सहयोग से 25 राज्यों में करीब 500 वेदविद्या संस्थान के संचालन में सहभागी है। गुजरात में वेदविद्यालय की संख्या कम है। उसको बढ़ाने के लिये प्रोत्साहन दिया और विविध योजनाओं का विवरण दिया। सम्मेलन में सभी वेदों की विविध शाखाओं के गान हुए, जैसे की शुक्ल यजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा, यजुर्वेद की काण्व शाखा, कृष्ण यजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा, सामवेद कौथुम शाखा, सामवेद राणायनीय शाखा, सामवेद जैमिनी शाखा आदि।

सम्मेलन में विद्वानों ने निम्नलिखित विषयों पर अपने-अपने विचार व्यक्त किए। (1) वेदों में नेतृत्व प्रबंधन – डॉ. मणिभाई प्रजापति, (2) पं. सातवलेकरजी का वेदों में विशिष्ट प्रदान – डॉ. निरंजन

पटेल, (3) वेदों में विज्ञान – डॉ. नरेश भाई भट्ट, (4) शुक्ल यजुर्वेद परिचय – डॉ. जयंतिलाल भट्ट, (5) वेदों में नारी सन्मान – डॉ. प्रज्ञाबेन जोशी, (6) अथर्ववेद परिचय – डॉ. गौतमभाई पटेल, (7) वेदों में मानव अधिकार – डॉ. भावप्रकाश गांधी आदि।

सम्मेलन की सफलता के लिए मंडल के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. प्रताप ठोसर, ट्रस्टी श्री कांतीभाई पटेल, संस्कृत विद्यालय के नियामक श्री बी.एन. जोशी, विद्यालय के संयोजक श्री भावेश भाई जोशी, संस्था के व्यवस्थापक श्री विष्णुभाई आचार्य, विद्यालय के आचार्य श्री पार्थ भट्ट, विद्यालय के ऋषिकुमारगण, पंडित सातवलेकर स्मृति समिति के सभी सदस्य, जी.आई.डी.सी. पारडी के अध्यक्ष श्री नितीनभाई पटेल और पेकवेल इन्डस्ट्रीज के श्री बकुलभाई गोर, संस्था के हितैषी श्री मोहनभाई भंडारी, श्री ठाकोर भाई देसाई, रा.स्व. संघ के स्वयंसेवकों और संस्था के कर्मचारीगण ने कई महीनों से हृदयपूर्वक प्रयास किया जिसके फलस्वरूप सम्मेलन सफल रहा।

9.6.3 त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन, गोगामुख, धोमाजी आसाम में सम्पन्न।

दिनांक 20 से 22 दिसम्बर, 2013 के दौरान त्रिदिवसीय पूर्वांचलीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन गोगामुख, धोमाजी, आसाम में महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन, मानव संसाधान विकास मंत्रलय, भारत सरकार की एक स्वायत्तशासी संस्था के वित्तीय सहयोग एवं मार्गदर्शन से आयोजित किया गया । सम्मेलन का संचालन प्रबन्ध समिति, श्री गुरु शंकराचार्य वेद विद्यालय द्वारा उत्साही विद्वान श्री मुख्यनाथ पाटिर, लक्षमी पराजुली, श्री गोपाल उपाध्याय, श्री उदयराज भण्डारी, श्री भाबानी बराह, श्री तुलशी सैकिया, श्री खगेन भण्डारी एवं अन्य कई समर्पित शिष्यों द्वारा किया गया एवं वैदिक विद्वानों का सम्मान किया गया । डॉ. शिव आचार्य ने सम्मेलन का संचालन किया एवं वेदपाठ कार्यक्रम का संचालन श्री होमनाथ शर्मा, वैदिक पंडित वेणु घिमिरे एवं धर्मानन्द, कुइनकेल, सिक्किम द्वारा किया गया । यह ध्यान देने योग्य है कि प्रबन्ध समिति, श्री गुरु शंकराचार्य वेद विद्यालय द्वारा सम्मेलन का आयोजन पिछड़े समुदाय के क्षेत्र में किया गया । सम्मेलन में बोडो एवं मिसिंग समुदाय के कई लोगों द्वारा प्रतिभागिता की गई । सम्मेलन स्थल पर उच्च एवं निम्न जाति समुदाय के लोगों ने संयुक्त रूप से एक परिवार के रूप में सक्रिय रूप से कार्य किया ।

गुजरात के पंडित संस्कृतानन्द हरि एवं पंडित तारालिका, डॉ. लक्ष्मीश्वर झा, दिल्ली एवं डॉ. हरिप्रसाद अधिकारी, वाराणसी द्वारा सम्मेलन में व्याख्यानों की प्रस्तुति दी एवं जिन्हें सम्मेलन में उपस्थित लोगों ने रुचिपूर्वक सुना । श्री चन्द्रशेखर मिश्रा एवं डॉ. देवानन्द शुक्ल, कार्यक्रम अधिकारी ने अपने व्याख्यान में कहा कि ऐसे वेद सम्मेलन उत्तर–पूर्वी क्षेत्रें में आयोजित किये जाना चाहिये । समापन समारोह का संचालन श्री नन्देश्वर देवरी, निवृत्तमान आचार्य द्वारा किया गया । निवृत्तमान एडीसी पद्म तैद समापन समारोह में मुख्य अतिथि थे । श्री तुलसीशरन उपाधयाय एवं श्री देवनायक अधिकारी आसाम के वैदिक विद्वानों द्वारा संक्षेप में भाषण दिया गया । समापन समारोह में जिले के विभिन्न भागों से लोगों द्वारा सम्मेलन में भाग लिया गया । समारोह के प्रबंधन एवं डेकोरेशन में जुड़े स्थानीय समर्पित लोगों द्वारा आनन्दपूर्वक भाग लिया गया ।

9.6.4 नैमिषारण्य, सीतापुर (उ.प्र.) में दो-दिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन

दिनांक 8, 9 फरवरी, 2014 को श्री गरुड़ध्वज वासुदेव याज्ञवल्क्य वेदपाठशाला नैमिषारण्य, सीतापुर (उ.प्र.) तथा प्रतिष्ठान के सहयोग से दो-दिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन प्रतिष्ठान सचिव प्रो. रूप किशोर शास्त्री द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अर्कनाथ चौधरी, प्राचार्य, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, लखनऊ ने की।

उद्घाटन सत्र में दिल्ली संस्कृत अकादमी के सचिव डॉ. धर्मेन्द्र शास्त्री ने सनातन वेद व शास्त्रों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। सारस्वत अतिथि प्रो. रमेश भारद्वाज अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय थे। सत्र के अन्त में संस्था के अध्यक्ष श्री जियर स्वामी मठ पुरी, उड़ीसा के महन्त श्री इन्दिरा रमण रामानुज दासजी ने आशीर्वचन दिया। सायंकाल की बेला में डॉ. चन्द्रकान्त द्विवेदी के संयोजकत्व में डॉ. पूनम बाजपेई तथा श्री विजय अग्निहोत्री ने भजन-सन्ध्या का कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

दिनांक 9 फरवरी, 2014 को मानव संसाधन विकास राज्य मन्त्री श्री जितिन प्रसादजी के मुख्य आतिथ्य में प्रतिष्ठान सचिव प्रो. रूप किशोर शास्त्री ने सभी अतिथियों और नागरिकों का अभिनन्दन किया। इस सत्र में प्रतिष्ठान के पूर्व सचिव प्रो. ओमप्रकाश पाण्डेय, प्रो. अर्कनाथ चौधरी, डॉ. धर्मेन्द्र शास्त्री आदि विद्वानों ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वेदपाल शर्मा ने किया। इस प्रकार दो दिवसीय वैदिक सम्मेलन सम्पन्न हुआ।

9.6.5 मोतिहारी, पूर्वी चम्पारण (बिहार) में त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन

दिनांक 01, 02 तथा 03 मार्च, 2014 को आर्षविद्या शिक्षण प्रशिक्षण सेवा संस्थान मोतिहारी, पूर्वी चम्पारण (बिहार) के सहयोग से त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर प्रो. रूप किशोर शास्त्री सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन सम्मेलन संयोजक श्री सुशील कुमार पाण्डेय, प्रो. देवेन्द्रनाथ पाण्डेय, श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, बेरावल, प्रो. वाचस्पति द्विवेदी सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी आदि विद्वान् उपस्थित थे। इस सम्मेलन में बिहार, गुजरात, उ.प्र., हरियाणा, उत्तराखण्ड, छत्तीसगढ़, राजस्थान, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल एवं पड़ोसी देश नेपाल से विद्वान् उपस्थित हुए। इसके अतिरिक्त कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय हरियाणा के डॉ. कामदेव झा चम्पारण (मोतिहारी) के जिला शिक्षा पदाधिकारी डॉ. विनोदचन्द झा आदि ने वेद पर विभिन्न विषयों को लेकर अपने-अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। आगत वैदिकों द्वारा नियमित वेद परायण एवं विद्वानों द्वारा निर्धारित विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किये।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि-परिवार न्यायालय, मोतिहारी के प्रधान न्यायाधीश श्री शिवगोपाल मिश्र, विशिष्ट अतिथि पी.यू.पी. कालेज मोतिहारी के प्राचार्य प्रो. कर्मात्मा पाण्डेय, सारस्वत अतिथि जे. पी.वि.वि. छपरा के संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. वैद्यनाथ मिश्र, सम्मानित अतिथि आर्ष विद्या शिक्षण प्रशिक्षण सेवा संस्थान के संस्थापक श्री योगेन्द्र पाण्डेय आदि ने अपने विचार प्रस्तुत किये। समापन समारोह की अध्यक्षता महाराजा हरेन्द्र किशोर कालेज के प्राचार्य प्रो. विनय कुमार वर्मा तथा संचालन श्री सुशील कुमार पाण्डेय तथा धन्यवाद ज्ञापन संस्थान सचिव श्री राजेश्वर त्रिपाठी ने किया।

9.6.6 अरुणाचल प्रदेश में आयोजित वेद सम्मेलन

वेद धर्म के आधार हैं । जब वैदिक मंत्रों का राग अलापा जाता है तो वातावरण में पवित्र स्पंदनों की उत्पत्ति होती है जिसके प्रभाव से शांति एवं समृद्धि आती है । पूज्यश्री जयेन्द्र सरस्वती शंकराचार्य स्वामीजी एवं पूज्यश्री विजयेन्द्र सरस्वती शंकराचार्य स्वामीजी, पीठम के कृपालु आशीष से एवं महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के सहयोग से दिनांक ५ - ७ मार्च, २०१४ को अरुणाचल प्रदेश में वेद सम्मेलन का आयोजन किया गया ।

सम्मेलन का उद्घाटन दिनांक ५ मार्च, २०१४ को हनुमान मंदिर, ईटानगर में किया गया । सम्मेलन में आंध्र प्रदेश, उड़ीसा एवं तमिलनाडु के करीब १०० वैदिक पंडित सम्मिलित हुए । इस अनूठे वेद सम्मेलन में दुर्लभ सामवेद राणायणीय शाखा सहित विभिन्न वैदिक शाखाओं में परायण किया गया । सम्मेलन में प्रसिद्ध संस्कृत एवं वेद ब्रह्मश्री वी.जी. सुब्रमणिया घनपाठीगल, श्री नारायण अय्यर एवं श्री रमायनम श्रीनिवासन द्वारा भाग लिया गया एवं उन्होंने वेद एवं शास्त्रों में विभिन्न विषयों पर विशेष व्याख्यान दिये ।

प्रो० रूपकिशोर शास्त्री, सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन सम्मेलन में उपस्थित हुए एवं उन्होंने विशेष व्याख्यान दिया । उन्होंने उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में इस प्रकार के और सम्मेलनों के आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया ताकि पर्याप्त संख्या में जन प्रतिभागिता हो सके । प्रो. शास्त्री द्वारा वेदशिक्षा के महत्व पर बल दिया गया एवं उल्लेख किया कि वैदिक अध्यापकों हेतु रिफ्रेशर कोर्स आयोजित किये जाने चाहिये । उन्होंने वैदिक शिक्षा के उद्येश्यों की पूर्ति हेतु सम्मेलन के आयोजकों को प्रतिष्ठान द्वारा निरंतर सहयोग हेतु आश्वस्त किया एवं उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में वेदपाठशालाओं की स्थापना पर जोर दिया गया । श्री के.बी. शंकरन, रिटायर्ड सदस्य, रेलवे बोर्ड द्वारा श्री कॉची कामकोटि पीटम की ओर से माननीय प्रो० रुपकिशोर शास्त्री का सम्मान किया गया ।

सम्मेलन के दौरान, सांस्कृतिक आदान प्रदान करने की पहल में दक्षिण भारतीय भजन मण्डली द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई । कलाक्षेत्र के विद्यार्थियों द्वारा भरतनाट्यम गायन की प्रस्तुति दी गई । चिम्पू में विवेकानन्द केन्द्र विद्यालय एवं नाहरलागुन के शिव मंदिर में विशेष वैदिक प्रार्थनाएं एवं भजनों की प्रस्तुति दी गई । दिनांक ६ मार्च, २०१४ पूरे दल द्वारा जीरो, जहॉ स्वयंभूनाथ शिव मंदिर स्थित है, की यात्रा की गई एवं वहॉ विशेष परायण का आयोजन किया गया ।

प्रतिष्ठान की ओर से श्री संजय श्रीवास्तव ने कार्यक्रम में भाग लिया एवं उन्होंने सम्भावना राशि वितरित की । इसके पूर्व श्री कॉची कामकोटि पीटम द्वारा महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के सहयोग से श्रीनगर, लेह, जम्मू कश्मीर एवं उत्तर-पूर्वी राज्य मणिपुर में वेद सम्मेलन का आयोजन किया गया था।

9.6.7 भारद्वाज शान्ति आश्रम, गोलाघाट, असम में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन सम्पन्न।

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रिय वेद-विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के सहयोग से पूर्वोन्तर राज्य असम में दिनांक 10 मार्च 2014 से 12 मार्च तक त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन भारद्वाज शान्ति आश्रम, देरगॉव जनपद गोला-घाट में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यातिथि उच्चतम न्यायालय भारत सरकार के पूर्व न्यायाधीश एवं उड़ीसा राज्य के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री एस.एन.फुकन एवं मान्य अतिथियों के दीप प्रज्वलन से हुआ । दीप प्रज्वलन के बाद चारो वेदों के वैदिक मंगलाचरण आगत वेदपाठियों द्वारा किया गया जिनमें प्रमुख रूप से ऋग्वेद की शाकल शाखा श्री इतिकान्त दास (पुरी), यजुर्वेद काण्वशाखा श्री कान्त महापात्र एवं श्री अरुण कुमार मिश्र (पुरी), सामवेद कौथुम शाखा- श्री सत्यकुमार तिवारी एवं आशीष कुमार द्विवेदी, अथर्ववेद शौनक शाखा श्री अभिषेक ओझा, श्री विकास पाण्डेय आदि एवं पौराणिक मंगलाचरण श्री शैलेन्द्र कुमार मिश्र (पुरी) ने प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सुनीति वल्लभ गोस्वामी एवं आचार्य रोहिणी वल्लभ गोस्वामी आदि मान्य अतिथियों का अंगवस्त्र प्रदान कर स्वागत एवं अभिनन्दन किया। स्वागत भाषण संस्था के संस्थापक आचार्य रोहिणी वल्लभ गोस्वामी ने किया। सारस्वत अतिथि डॉ. देवानन्द शुक्ल ने त्रिदिवसीय वैदिक सम्मेलन के उद्देश्य को रेखांकित किया । विशिष्ठ अतिथि डॉ. उपेन्द्र कुमार त्रिपाठी वरिष्ठ सहायक आचार्य वेद विभाग काशी हिन्दू विश्व विद्यालय, वाराणसी ने कहा कि वेद शास्त्र ज्ञानमूलक शास्त्र है। जिसमें समस्त ज्ञान-विज्ञान निहित है। 'वेदे सर्वं प्रतिष्ठितम्' सर्वज्ञानमयो हि सः 'वेदोऽखिलोधर्ममूलम' के द्वारा इसके महत्व को विवेचित किया गया है। आवश्यकता है कि इन ज्ञान विज्ञान के निहित तत्वों को समाज में प्रकाशित करने का, जो इन सम्मेलनों द्वारा ही सम्भव होता है। मुख्यातिथि न्यायमूर्ति श्री एस. एन.फुकन ने अपने वक्तव्य में कहा कि वैदिक साहित्य हमारा राष्ट्रीय गौरव एवं इतिहास का प्रतीक साहित्य है। जिसमें सम्पूर्ण मानवता के कल्याण की बातों को बताया गया है। यह विश्व के लिए एक धरोहर ज्ञान साहित्य है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व अध्यक्ष वेद विभाग एवं पूर्व कुलपति श्री लालबहादूर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ नई दिल्ली, प्रो. लक्ष्मीश्वर झा ने कहा कि इस सारस्वत ज्ञान को सुरक्षित एवं संवर्द्धित करने में महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन का उल्लेखनीय योगदान रहा है तथा सम्प्रति कश्मीर से कन्याकुमारी तक वेदपाठशालाओं के माध्यम से सम्पूर्ण देश में वेद के आलोक से प्रकाशित कर रहा है। उन्होंने कहा कि वेद समस्त मानवीय सृष्टि का संविधान शास्त्र है इसका महत्त्व सर्वजनीन हैं। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए आचार्य रोहिणी वल्लभ गोस्वामी ने वेद को भारतीय एकता को एकसूत्र में बाँधने वाला शास्त्र बतलाया । आगत सभी वैदिक विद्वानों तथा काशी उत्तर प्रदेश, बिहार, उड़ीसा, असम बंगाल एवं पूर्वोत्तर राज्यों से आये वैदिक विद्वानों वेद पाठियों तथा गणमान्य अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया तथा कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी से अपील की । कार्यक्रम का सञ्चालन कार्यक्रम संयोजक तथा सहायक आचार्य वेदान्त दर्शन विभाग संस्कृत कॉलेज गुवाहटी असम के डॉ. सुनीति वल्लभ गोस्वामी ने किया ।

प्रथम सत्र में वेद के विभिन्न विद्वानों एवं वेदपाठियों द्वारा शोध-पत्र का प्रस्तुतीकरण किया गया जिसमें डॉ. टोपेश्वर शास्त्री ''वैदिक शिक्षा व्यवस्था तथा परिवेश संरक्षण'', श्रीमती जुनाली देवी- वैदिक साहित्य में पर्यावरण जागरूकता एक समीक्षा, डॉ. रातूल बुजर बरूवा : Impect of some Vedic Samskar on Indian Society, श्री अनयमणि त्रिपाठी- वेदेवृष्टिविज्ञानम्, इस सत्र के मुख्य वक्ता - डॉ.

उपेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने मानव जीवन में वैदिक धर्म संस्कार व संस्कृति के प्रभाव पर विषदरूप से सभी पक्षों पर व्याख्यान दिया । कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री अतुल भट्टाचार्य सचिव असम संस्कृत भारती ने किया । धन्यवाद ज्ञापन श्री सुधांशु वल्लभ गोस्वामी ने किया।

द्वितीय सत्र में वेद शाखा स्वाध्याय- ऋग्वेद के शाकल शाखा का सभी वेदपाठियों द्वारा शाखा स्वाध्याय किया गया ।

तृतीय सत्र में यजुर्वेद काण्व शाखा का शाखास्वाध्याय सभी वेदपाठियों द्वारा प्रस्तुत किया गया।

चतुर्थ सत्र में वेद शाखा स्वाध्याय इसमें यजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा, सामवेद कौथुम शाखा एवं अथर्ववेद शौनक शाखा का स्वाध्याय वेदपाठियों द्वारा प्रस्तुत किया गया ।

पञ्चम सत्र में असम के लोक नृत्य बीहू एवं विभिन्न नाटिकाओं का अभिमञ्चन किया गया । इस अवसर पर असम के भक्तिसम्प्रदाय से जुड़े लोकगीतों का अभिनय पूर्वक प्रस्तुति पुलिस महिला एवं पुरुष सहकर्मियों (असम) द्वारा किया गया । जिसमें श्री कृष्ण पर आधारित अनेक बीहूगीतों का सुन्दर प्रस्तुतीकरण था । इस सत्र की संयोजक श्रीमती भारती गोस्वामी ने भी अनेक असमी लोक गीतों द्वारा श्रोताओं एवं दर्शक दीर्घा को रोमाञ्चित कर दिया । इस सत्र में प्रमुख रूप से जागृति ठाकुर, समादृता गोस्वामी आदि तथा क्षेत्र के लगभग 300 श्रोता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

विशिष्ट व्याख्यान सत्र में समागत वेदपाठियों ने भी शोध पत्र प्रस्तुत किये उनमें प्रमुख रूप से श्री सत्य कुमार तिवारी, श्री रत्नाकर मिश्र 'सन्ध्या वन्दन का वैज्ञानिक दृष्टिकोण' श्री विकास पाण्डेय 'वैदिक युग की शिक्षा व्यवस्था और आधुनिक शिक्षा व्यवस्था एक तुलनात्मक अध्ययन', डॉ. उपेन्द्र कुमार त्रिपाठी 'वेद विज्ञान आचार व पवित्रता' एवं प्रो. लक्ष्मीश्वर झा ने 'सन्ध्योपासना रहस्यम्' विषय पर व्याख्यान तथा इस सत्र की अध्यक्षता भी की ।

समापन सत्र में मुख्यातिथि डॉ. उपेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों में साम्प्रदायिक सद्भावनाओं के एकाकार करने में यह सम्मेलन सार्थक रहा । विशिष्टातिथि डॉ. देवानन्द शुक्ल ने विशेष रूप से कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए कहा कि इस सम्मेलन की एक विशेष उपलब्धि यह रही की इस में वेदपाठियों ने भी शोधपत्र का वाचन किया । कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. लक्ष्मीश्वर झा ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि वेदों में सम्पूर्ण वैदिक आचार मीमांसा पर सुन्दरतम व्याख्यान एवं समीक्षा प्रस्तुत किए गए । कार्यक्रम का सञ्चालन डॉ. सुनीति वल्लभ गोस्वामी ने किया।

9.6.8 त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन कृष्ण मण्डल वेदविद्वतप्रवर्धक सभा, विजयवाड़ा में सम्पन्न-

त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन दिनांक १४ से १६ मार्च २०१४ तक कृष्ण मण्डल वेदविद्वत्प्रवर्धक सभा, विजयवाडा द्वारा महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के सहयोग से आयोजित किया गया । उद्घाटन सत्र का शुभारम्भ हम्पी के स्वामी विद्यारण्य के संदेश से हुआ ।

कृष्ण मण्डल वेदविद्वत्प्रवर्धक सभा के अध्यक्ष श्री मागन्ती सुब्रमण्यिम् एवं महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के प्रबन्धकारिणी सदस्य द्वारा समस्त पधारे उच्चाधिकारियों, वैदिक पंडितों एवं सभा में उपस्थित महानुभावों का स्वागत किया गया । त्रिदिवसीय वैदिक सम्मेलन का उद्घाटन प्रो. रूप किशोर शास्त्री, सचिव महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया । प्रो. हरेकृष्ण सत्पथी, कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति ने उद्घाटन सम्बोधन किया । डॉ. विष्णुभटला सुब्रमण्यम् सलक्षणा घनपाठी ने समारोह की अध्यक्षता की एवं मुख्य भाषण दिया । अपने मुख्य भाषण में उन्होंने कृष्ण मण्डल वेदविद्वत्प्रवर्धक सभा द्वारा पिछले ६५ वर्षो से वेदशिक्षा के प्रवर्तन में किये जा रहे अथक प्रयासों अर्थात नियमध्यान परंपरा, आहिताग्नि

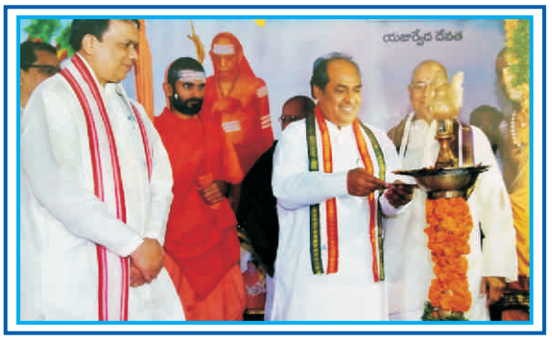

परंपरा, वेद भाष्य अध्ययन इत्यादि खास तौर पर कृष्णा जिले (आन्ध्रप्रदेश) की प्रशंसा की । कृष्ण मण्डल वेदविद्वत्प्रवर्धक सभा द्वारा वेदशिक्षा के प्रवर्तन कार्यकलापों से प्रभावित होकर महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा सहमति दी गई । उन्होंने बतलाया कि आन्ध्रप्रदेश को वेदभूमि कहा गया है क्योंकि श्री विद्यारण्य स्वामी वेदों के भाष्यकार हैं । श्री मागन्ती सुब्रमण्यम्, अध्यक्ष, कृष्ण मण्डल वेदविद्वत्प्रवर्धक सभा एवं महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन प्रबन्धकारिणी के सदस्य देश में वेदविद्याध्ययन के प्रवर्तन के क्षेत्र में अथक रूप से प्रयत्नशील रहे हैं, समस्त वैदिक विद्वानों को एकजुट होकर इस परंपरा को बचाने का आव्हान किया एवं इस कार्य में पर्याप्त वित्तीय सहयोग दिये जाने का आश्वासन दिया । श्री विष्णुभटला चीना लक्ष्मीनारायण घनपाठी ने प्रधान अधिकारी के रूप में समारोह का संचालन किया । प्रो. श्रीकिशोर मिश्रा, वेदविभाग प्रमुख, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय ने द्वितीय सत्र की अध्यक्षता की जिसमें आन्ध्रप्रदेश के वेदपाठियों द्वारा यजुर्वेद पाठ का गान किया गया । सम्मेलन में देश के विभिन्न भागों से आये वेदपाठियों द्वारा आन्ध्रप्रदेश के वेदपाठियों के सस्वर पाठ की प्रशंसा की गई ।

सम्मेलन के दूसरे दिन का सत्रारम्भ राजमुन्दरी के श्री वी. गोपालकृष्ण शास्त्री द्वारा किया गया । उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत ने विश्व में अपनी वैदिक परंपरा एवं संस्कृति में एक विशिष्ट स्थान अर्जित किया है । इस प्रकार वैदिक शिक्षा आवश्यक है । उन्होंने कहा कि यदि हम इस परंपरा का संरक्षण करें तो समूचा विश्व शांति एवं शांतचित्तता का आनन्द लेगा । आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु एवं केरल से वैदिक विद्वानों द्वारा विभिन्न विषयों पर शोधपत्र प्रस्तुत किये गये । गोकर्ण के श्री श्रीधर आड़ि जी, वैदिक विद्वान द्वारा सत्र ५ की अध्यक्षता की जिसमें विभिन्न शाखाओं के वेदपाठियों द्वारा वेदपाठ किये गये । दिल्ली के श्री कृष्ण भट्ट घनपाठी द्वारा सत्र ६ की अध्यक्षता की गई जिसमें विभिन्न शाखाओं के वेदपाठियों द्वारा वेदपाठ किये गये । शाम को ६ बजे एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसमें सुमधुर कलानिकेतन, विजयवाडा के कलाकारों द्वारा जगत्गुरु आदि शंकराचार्य का जीवन परिचय नृत्य नाटक के रूप में प्रस्तुति दी गई । श्री शंकराचार्य का पूर्ण जीवन इतिहास, उनके उपदेश एवं संदेशों की प्रस्तुति इस नृत्य नाटक मे दी गई । सम्मेलन में उपस्थित वैदिक विद्वानों, एवं विभिन्न विश्वविद्यालयों से आये प्रोफेसरों द्वारा प्रशंसा की गई ।

तीसरे दिन प्रथम सत्र में सम्मेलन में दक्षिण भारत के समस्त भागों से आये वेदपाठियों द्वारा विभिन्न शाखाओं में वेदपाठ किया गया । इसके पश्चात समापन समारोह ११ बजे आरम्भ हुआ । माननीय न्यायाधीश नूती राममोहन राव, उच्च न्यायालय आन्ध्रप्रदेश मुख्य अतिथि थे । समारोह की अध्यक्षता प्रो. सुदर्शन शर्मा, उपाध्यक्ष, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा की गई । श्री मागन्ती सुब्रमण्यम्, अध्यक्ष, कृष्ण मण्डल वेदविद्वत्प्रवर्धक सभा ने सम्मेलन में उपस्थित समस्त माननीय उच्चाधिकारियों एवं वैदिक विद्वानों का स्वागत किया। अपने भाषण में मुख्य अतिथि द्वारा श्री मागन्ती सुब्रमण्यम्, अध्यक्ष, कृष्ण मण्डल वेदविद्वतप्रवर्धक सभा एवं महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन प्रबन्धकारिणी के सदस्य देश में वेदविद्याध्ययन के प्रवर्तन के क्षेत्र में अथक रुप से प्रयत्नशील रहे हैं।

त्रिदिवसीय सम्मेलन के समापन समारोह के पश्चात् श्री सुब्रमण्यम् द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया गया । समापन समारोह का संचालन डॉ. रामकृष्ण, संस्कृत विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, मारिस स्टेला कॉलेज, विजयवाडा द्वारा किया गया ।

9.6.9 ईस्ट रानीपूल (ईस्ट सिक्किम) में त्रिदिवसीय वैदिक सम्मेलन सम्पन्न –

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रिय वेदविद्या प्रतिष्ठान, भारत सरकार द्वारा दिनांक 22–24 मार्च, 2014 को श्री कांची कामकोटि पीठम् कांचीपुरम् तमिलनाडु तथा प्रतिष्ठान के सहयोग से ईस्ट रानीपूल (ईस्ट सिक्किम) में त्रिदिवसीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

9.6.10 त्रिपुरा में राष्ट्रीय वैदिक सम्मेलन सफलतापूर्वक सम्पन्न –

'वेद – समस्त ज्ञान का कोष ' सार्थक मूल विषय पर आधारित राष्ट्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन दिनांक २७ से २९ मार्च, २०१४ के दौरान सुकान्ता अकादमी ऑडिटोरियम, अगरतला में विभिन्न प्रबुद्ध कार्यक्रमों अर्थात उद्घाटन समारोह, अकादमी संगोष्टि सत्र, सांस्कृतिक कार्यक्रम, ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद में वेद मंत्रोच्चार सहित समापन समारोह के द्वारा सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में देश के विभिन्न भागों से प्रतिष्ठित वैदिक विद्वान एवं वेदाचार्य द्वारा गरिमापूर्ण सम्मेलन में प्रतिभागिता की गई। त्रिपुरा एवं राज्य के बाहर से भी कई वैदिक विद्वानों द्वारा हिस्सा लिया गया एवं उनके द्वारा वैदिक शिक्षा की आधुनिक शिक्षा के साथ प्रासंगिकता विभिन्न विषयों पर रिसर्च पत्रों की प्रस्तुति की गई।

NASA से जुड़े खगोल भौतिकी विज्ञान के एक विख्यात विद्वान प्रो. ओमप्रकाश पाण्डेय द्वारा प्रो. बलदेवानन्द सागर एवं प्रो. चन्द्रभूषण झा, दूरदर्शन दिल्ली संस्कृत चेनल की सहायता से ब्रह्माण्ड विज्ञान पर उत्तेजक विचार विमर्श पर प्रस्तुति दी गई। समापन समारोह में माननीय उच्चाधिकारियों के मध्य प्रो० रूप किशोर शास्त्री, सचिव, महर्षि सान्दिपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अन्तर्गत एक स्वायत्त संस्था माननीय अतिथि, मुख्य अतिथि, श्री बनमाली सिन्हा, प्रधान सचिव, त्रिपुरा सरकार, वेदप्रकाश महावर, सहायक प्रबंधक, ONGC, त्रिपुरा, माननीय अतिथि, प्रो. के.बी. सुब्बारायुडु, प्राचार्य, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, एकलव्य केम्पस, अगरतला विशिष्ट अतिथि भी उपस्थित थे। समस्त विद्वानों द्वारा वर्तमान में वेदशिक्षा के बहुविध पहलुओं एवं उनकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला गया। प्रो. सीतानाथ डे, राष्ट्रीय प्रतिष्ठित वैदिक विद्वान द्वारा उनके अध्यक्षीय भाषण में वैदिक शिक्षा के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु पेशकश की गई। दिनांक २७ एवं २८ मार्च, २०१४ को सम्मेलन में मोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गई।

9.7 अध्येतावृत्ति

9.7.1 वैदिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अध्येतावृत्ति का प्रावधान है। इस प्रयोजन के लिए प्रतिष्ठान में एक व्यापक अध्येतावृत्ति योजना चलाई जाती है। इस योजना का प्रमुख उद्देश्य विद्वानों को, विशेष रूप से युवा शोध छात्रों को, अवसर प्रदान करके वेदों तथा वैदिक साहित्य के विभिन्न पक्षों पर अनुसन्धान को बढ़ावा देना है ताकि वे अनुसंधान–परियोजनाओं में पूर्णकालिक आधार पर अपने चयनित शोध विषयों पर गंभीर गवेषणा–कार्य कर सकें। इस योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित अध्येतावृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं –

1. राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति,
2. वरिष्ठ अध्येतावृत्ति,
3. सामान्य अध्येतावृत्ति,
4. कनिष्ठ अनुसंधान अध्येतावृत्ति।

9.7.2 पात्रता/अर्हताएँ, अध्येतावृत्ति की निबन्धन और शर्तें, विशिष्ट समय पर उपलब्ध अध्येतावृत्तियों की विभिन्न श्रेणियों की संख्या आदि का निर्धारण योजना में किया गया है। किसी विशेष वित्तीय वर्ष के दौरान परियोजना की व्यावहारिकता तथा बजट प्रावधान की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए अध्येतावृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं।

9.8 प्रकाशन

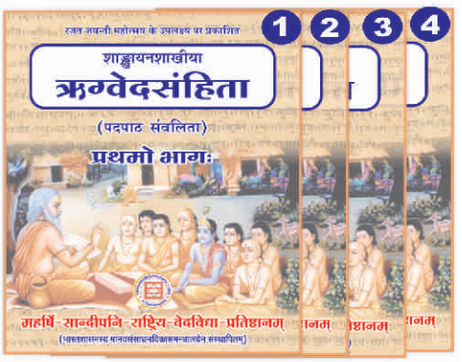

9.8.1 अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रतिष्ठान का एक महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम प्रकाशन है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत वैदिक साहित्य से संबंधित अप्राप्य एवं दुर्लभ ग्रंथों का प्रकाशन एवं पुनर्मुद्रण किया जाता है। समीक्षात्मक संस्करणों, कतिपय ग्रन्थों का विभिन्न भाषाओं में अनुवाद, महत्त्वपूर्ण विषयों पर निबन्ध तथा प्रतिष्ठान के अध्येता विद्वानों द्वारा किये गये शोधकार्यों के प्रतिवेदनों का मुद्रण भी किया जाता है। इसके अतिरिक्त, संगोष्ठियों व कार्यशालाओं में प्रस्तुत किये गये शोधपत्रों को प्रकाशनार्थ लिया जाता है।

9.9 शोध–पत्रिका का प्रकाशन

9.9.1 प्रतिष्ठान नवीन अनुसंधानों को प्रोत्साहित करने के लिये 'वेदविद्या' नामक अन्ताराष्ट्रिय एक शोध पत्रिका (International Research Journal) का भी प्रकाशन करता है, जिसमें हिन्दी, अंग्रेजी एवं संस्कृत तीनों भाषाओं में वेदविषयक उत्कृष्ट निबन्धों का प्रकाशन इस अभिप्राय से किया जाता है कि उनका लाभ विद्वज्जन एवं सामान्य जनता को प्राप्त हो सके। यह शोध पत्रिका ISSN 2230-8962से युक्त मूल्यांकित शोध–पत्रिका (Refereed Research Journal) है।

9.9.2 प्रतिष्ठान द्वारा अब तक प्रकाशित ग्रन्थ अथवा जिनके प्रकाशनार्थ वित्तीय सहायता दी गई, का विवरण अनुबंध 6 में दिया गया है।

9.10 वेदवार्ता मासिक का प्रकाशन

वेद-वार्ता
महर्षि-सान्दीपनि-राष्ट्रिय-वेदविद्या-प्रतिष्ठान उज्जैन की मासिक वार्ता पत्रिका
Monthly Newsletter of Maharsi-Sandipani-Rastriya-Vedavidya-Pratisthana, Ujjain

9.10.1 प्रतिष्ठान द्वारा मई, 2012 से समाचार पत्रिका वेदवार्ता (मासिक) के नाम से प्रकाशन किया जा रहा है। इस मासिक वेदवार्ता में प्रतिष्ठान द्वारा देश में वर्ष भर तक होने वाले समस्त कार्यक्रमों वैदिक सम्मेलन, संगोष्ठी, गुरुशिष्य इकाइयों एवं पाठशालाओं में होने वाली परीक्षाओं वेदज्ञान सप्ताह, सबके लिए वैदिक कक्षाओं तथा प्रतिष्ठान से सम्बन्धित इकाइयों/पाठशालाओं में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं अन्य विशेष कार्यों की जानकारी मासिक रूप से प्रदान की जाती है।

9.11 पुस्तकालय

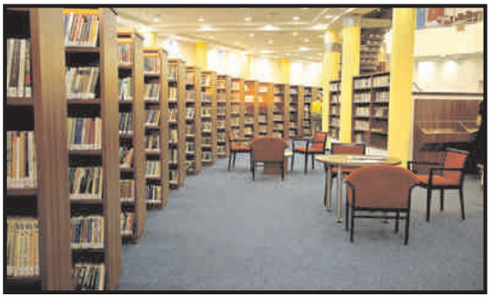

9.11.1 प्रतिष्ठान के पास उज्जैन में अपना एक बहुत अच्छा पुस्तकालय है तथा इस पुस्तकालय में वैदिक साहित्य तथा संबंधित विषयों पर 4000 से अधिक पुस्तकें हैं। अभी अर्हता प्राप्त पुस्तकालय स्टाफ की नियुक्ति होनी है, यद्यपि पुस्तकालय का और अधिक विस्तार नहीं हो पाया। तथापि वर्तमान वर्ष में पुस्तकालय की पुस्तक-संख्या में कुछ वृद्धि की गई है। यह पूर्णतः कम्प्यूटराईज्ड किया जा रहा है। शीघ्र ही पूर्ण हो जायेगा। राज्य सरकार द्वारा इसे आवंटित की गई भूमि पर प्रतिष्ठान के सम्पूर्ण निर्माण कार्यक्रम के अंश के रूप में तथा दीर्घकालीन उपायों के तौर पर, प्रतिष्ठान के पुस्तकालय के लिए विकास योजना, आवश्यक भवन की रूपरेखा सहित प्रस्तावित है।

9.12 वैदिक गणित

9.12.1 प्रतिष्ठान आरम्भ से ही वैदिक गणित में अनुसंधान का अनुसरण कर रहा है। 1992 – 93 वर्ष के दौरान इस विषय पर गठित एक विशेषज्ञ समिति कार्य करती रही। विभिन्न सिफारिशों पर की गई अनुवती कार्यवाही के फलस्वरूप, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद् ने कुछ सूत्रों तथा उनके अनुप्रयोगों को सुशोभित सामग्री के तौर पर शिक्षक दिग्दर्शिका तथा वैदिक गणित पर व्याख्यानों को शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल किया। वैदिक गणित में स्कूलों के शिक्षकों को प्रशिक्षण करने के लिए समय-समय पर कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं। आलोच्य वर्ष के दौरान, कोई कार्यशाला नहीं आयोजित की जा सकी।

9.13 'वैदिक डाइरेक्टरी' की निर्माण योजना

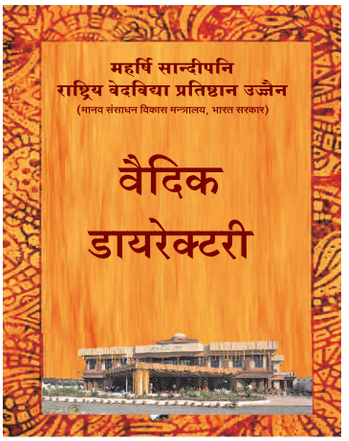

9.13.1 'वैदिक डाइरेक्टरी' के निर्माण की महत्त्वाकांक्षी योजना पर भी कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अुक्षण्ण बनाए रखने के लिए वैदिक विद्वानों की निर्देशिका तैयार कर शाखागत विद्वानों की जानकारी प्रस्तुत की गई है। वस्तुतः इस प्रकार की वैदिक विद्वत् निर्देशिका की माँग पर्याप्त समय से ही की जा रही थी । सम्प्रति प्रकाशनाधीन है, शीघ्र ही प्रकाशित कर लोकार्पित की जाएगी ।

9.14 वयोवृद्ध वेदपाठियों को वित्तीय सहायता

9.14.1 वर्ष 2013–14 के दौरान प्रतिष्ठान के योगदान के तौर पर 'वेदपाठ निधि ट्रस्ट', चेन्नई को 5,50,000/– रुपये का अनुदान वयोवृद्ध वैदिक पंडितों को सहायता प्रदान करने की उनकी योजना के लिये दिया गया। वेदपाठ निधि ट्रस्ट द्वारा वयोवृद्ध वैदिक पंडितों को नीचे दी गयी दरों से अनुदान दिया जाता है :

1. वेदपाठी जो 65 वर्ष की आयु से अधिक हैं, तथा संस्कृत और शास्त्र में पारंगत हैं, प्रत्येक को 2000/– रुपये प्रतिमाह की दर से सहायता दी जाती है।
2. वेदपाठी जो 80 वर्ष की आयु से नीचे तथा 65 वर्ष से ऊपर के प्रत्येक को 2000/– रुपये प्रतिमाह की दर से सहायता दी जाती है।

9.14.2 प्रतिष्ठान द्वारा वयोवृद्ध वेदपाठियों, जो 65 वर्ष से अधिक आयु के हैं तथा विकलांग वेदपाठियों को अनुदान की राशि दी जाती है। आलोच्य वर्ष के दौरान 36 वयोवृद्ध एवं विकलांग वेदपाठियों को, प्रत्येक को 2000/– रुपये प्रतिमाह की दर से 8,64,000/– रुपये का अनुदान दिया गया।

9.15 नित्याग्निहोत्रियों को वित्तीय सहायता

9.15.1 प्रतिष्ठान के पास ऐसे नित्याग्निहोत्रियों को 2000/– रुपये प्रतिमाह की दर से वित्तीय सहायता प्रदान करने की एक योजना है जो सपत्नीक नियमित रूप से अपने घरों में प्राचीन वैदिक परम्परा के अनुसार सविधि वेद मन्त्रों के उच्चारण सहित अग्न्याधान कर गो–सेवा करते हुए नित्य अग्निहोत्र का अनुष्ठान करते हैं। वित्तीय सहायता का उद्देश्य अग्निहोत्री द्वारा नित्य अग्निहोत्र अनुष्ठान करने के लिए उस पर होने वाले व्यय की आंशिक तौर पर प्रतिपूर्ति करना है। इसमें वरीयता उन्हें दी जाती है, जो वयोवृद्ध हैं, और नित्यकर्म के रूप में अग्निहोत्र का संपादन करते हैं।

9.15.2 प्रतिष्ठान द्वारा नित्याग्निहोत्रियों को वर्ष 2013–14 के दौरान 58 नित्याग्निहोत्रियों को, प्रत्येक को 2000/– रुपये प्रतिमाह की दर से 13,92,000/– रुपये का अनुदान दिया गया।

9.16 वेदपाठियों का सम्मान

9.16.1 वर्ष 2013–14 के दौरान वेदपाठियों को बलसाड (गुजरात), चम्पारण (बिहार), विजयवाड़ा (आन्ध्रप्रदेश), सिक्किम, त्रिपुरा (अगरतला), गोलाघाट (असम), सोनितपुर (असम), लखनऊ (उप्र.) अरुणाचल प्रदेश, सीतापुर (उप्र.) में आयोजित वैदिक सम्मेलनों के अवसर पर समागत प्रत्येक वेदपाठी को भिन्न–भिन्न स्थानों पर 2100/–, 3100/– तथा 5100/– रु. की सम्भावना राशि से सम्मानित किया गया ।

9.17 वेद ज्ञान सप्ताह समारोह

9.17.1 प्रतिष्ठान ने वैदिक ज्ञान एवं उसमें निहित मानवीय मूल्यों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए देश के विभिन्न भागों में वेद ज्ञान सप्ताह समारोह मनाने का एक कार्यक्रम शुरू किया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश में वेदों, वैदिक ज्ञान तथा भारतीय संस्कृति के बारे में जागृति उत्पन्न करना है।

9.17.2 इस कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रख्यात वैदिक संस्थाओं अथवा विद्वानों के लिये स्वीकार्य नियमों के अनुसार एक पूरे सप्ताह के दौरान ऐसे कार्यकलाप, जैसे कि जन–साधारण की उपयोगिता वाले चुनिन्दा विषयों पर प्रख्यात वैदिक विद्वानों द्वारा व्याख्यान, चित्रों, चार्टों तथा मॉडलों आदि के माध्यम से प्रदर्शनियाँ आयोजित करने, आकाशवाणी तथा दूरदर्शन के नेटवर्क पर वैदिक सूक्तियों से सम्बन्धित उचित संदेशों का प्रसारण करने, छात्रों में वैदिक सूक्तों/मंत्रों का मन्त्रोच्चारण प्रतियोगिता करने तथा उन्हें पुरस्कार प्रदान करने और विद्वानों को सम्मानित करने के लिए अनुदान दिया जाता है।

9.17.3 प्रतिवेदन वर्ष के दौरान निम्न स्थानों पर वेदज्ञान सप्ताह आयोजित किये गये –
(श्री स्वामिनारायण वैदिक ऋषिकुल, ऋषिकेश, उत्तराखण्ड), (श्री जयेन्द्र सरस्वती वेद पाठशाला, चित्रकूट, उ.प्र.), (स्वामी रामानन्द सरस्वती अध्यक्ष, आर्य विद्या सभा सलखिया, जिला–रायगढ़, छ.ग.), (शास्त्रार्थ महाविद्यालय, वाराणसी, उ.प्र.) ।

9.18 वैदिक मंत्रोच्चारण की टेप रिकार्डिंग (ध्वन्यङ्कन)

9.18.1 मौखिक परम्परा के संरक्षण के लिए प्रतिष्ठान का एक आवश्यक कार्यकलाप विभिन्न वैदिक शाखाओं के मंत्रोच्चारण की टेप रिकार्डिंग (ध्वन्यङ्कन) सी.डी./डी.वी.डी. में करना है। राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति में कुछ शाखाओं की टेप रिकार्डिंग करने का एक केन्द्र है। वर्ष 1092–93 तथा 1993–94 के दौरान, प्रतिष्ठान हेतु टेपों के डुप्लीकेट बनाने के लिए विद्यापीठ के सहयोग से व्यवस्था की गई थी, ताकि

वेद मंत्रोच्चारण का एक पूरा सेट उपलब्ध हो सके। तिरुपति विद्यापीठ में जितने टेप उपलब्ध थे, उनके डुप्लीकेट टेप बनाए जा चुके हैं। प्रतिष्ठान द्वारा विभिन्न स्त्रोतों से विभिन्न शाखाओं तथा विभिन्न शैलियों में जो वैदिक मंत्रोच्चारण संबंधी ऑडियो-वीडियो (श्रव्य-दृश्य) टेप संकलित किए गए हैं। इस सन्दर्भ में लगभग 70 घण्टे की आडियो सी.डी.एम.पी.3 स्वरूप में संकलित कर प्रतिष्ठान में विद्वानों के लिए उपलब्ध है, जिसका विवरण अनुबन्ध 7 में दिया गया है।

9.19 पैकेज ऑडियो कैसेटों को तैयार किया जाना

9.19.0 वर्ष 1994-95 में, वेद विद्या को लोकप्रिय बनाने हेतु 20 से 25 घंटे का पैकेज ऑडियो कैसेट तैयार करने हेतु, प्रारम्भ में हिन्दी में, वेदों का परिचय कराने, वैदिक परम्परा तथा उसमें निहित नैतिक एवं मानवीय मूल्यों की जानकारी के संबंध में प्रारम्भिक ज्ञान देने के लिये कार्यक्रम आरम्भ किया जाता है।

9.20 घर बैठे वेदों की शिक्षा

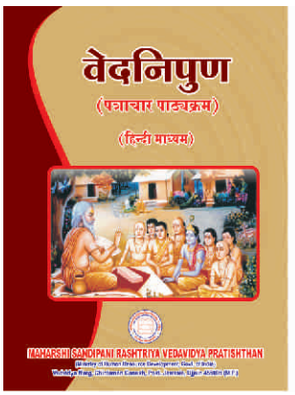

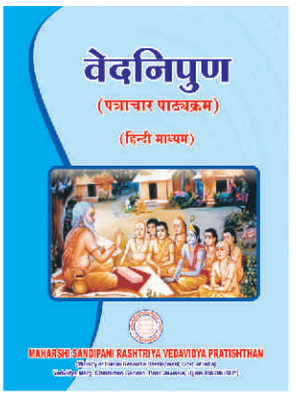

9.20.1 प्रतिष्ठान द्वारा घर बैठे वेदों की शिक्षा का पत्राचार पाठ्यक्रम का कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है। इसमें उत्तीर्ण वेदानुरागियों को 'वेद-निपुण' प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है। इस योजना के अन्तर्गत जनसामान्य को चारों वेद, वेदाङ्ग, ब्राह्मणग्रन्थ, आरण्यक, उपनिषद्, भारतीय संस्कृति का स्वरूप एवं महत्त्व, भारतीय दर्शन शास्त्र की सामान्य जानकारी जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से पाठ्यक्रम को मूर्त रूप दिया गया है। इसके साथ ही पाठ्यक्रम को रुचिकर बनाने के लिए वैदिक आख्यानों एवं गाथाओं को भी यथास्थान प्रस्तुत किया गया है। इस सत्र के दौरान पाठ्यक्रम सुव्यवस्थित रूप से चलता रहा। उक्त पाठ्यक्रम को हिन्दी अथवा अंग्रेजी माध्यम से किया जा सकता है।

9.21 सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या पुरस्कार

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के माननीय अध्यक्ष एवं मानव संसाधन विकास मन्त्री, भारत सरकार के अनुमोदन से प्रतिष्ठान द्वारा प्रतिवर्ष वैदिक अध्ययन के क्षेत्र में मौलिक लेखन तथा वेदविषयक ग्रन्थों का भाष्य, पाण्डुलिपियों का सम्पादन, वेदविद्या में शोध, वैदिक संस्कृति व दुर्लभ ज्ञान को संरक्षित करने हेतु प्रतिष्ठान के रजत जयन्ती वर्ष 2012 में एक लाख रुपये के सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या पुरस्कार से सम्मानित करना प्रारम्भ किया है।

9.21.1 इस वर्ष 2013–14 में यह पुरस्कार उत्तराखंड के वैदिक विद्वान् एवं सामवेद भाष्यकार पं. रामनाथ वेदालङ्कार को पहला महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या पुरस्कार दिया गया, उनका निधन हो जाने के कारण यह पुरस्कार उनके पुत्र डॉ. विनोद वेदालङ्कार को प्रदान किया गया ।

9.22 वैदिकों का पुनश्चर्या पाठ्यक्रम

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान द्वारा समस्त अनुदानित वेद पाठशालाओं के वैदिक अध्यापकों में वैदिक शिक्षण की तकनीकि विकास, कौशलता, वैदिक अध्ययन–अध्यापन में एक दूसरे के साथ सामंजस्य, एकरूपता एवं आचार्यों की योग्यता में गुणवत्ता लाने हेतु इस पुनश्चर्या पाठ्यक्रम को प्रारम्भ किया गया है, जिसका अप्रत्याशित लाभ प्रतिष्ठान के समस्त आचार्यों को प्राप्त हो रहा है।

9.22.1 इस वर्ष 2013–14 में महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान द्वारा दिनांक 2 सितम्बर, 2013 को प्रथम पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किया गया । इस पाठ्यक्रम में प्रतिष्ठान द्वारा संचालित वेद पाठशालाओं से देश–भर के वैदिक आचार्यों को बुलाया गया । पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में वैदिक विद्वान्, वैदिक गणित के देश–विदेश में प्रख्यात विद्वान् प्रो. घनश्याम पाण्डेय एवं पं. राजेन्द्र व्यास उपस्थित थे ।

9.23 पांच सौ वेदपाठी वेदविभूषण से अलंकृत – (प्रतिष्ठान का दीक्षान्त समारोह सम्पन्न)

वेद अध्ययन करने वाले देशभर के पांच सौ वेदपाठियों को दिनांक 9 जून 2013, रविवार को महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रिय वेदविद्या प्रतिष्ठान के 10वें दीक्षान्त समारोह में वेद विभूषण की उपाधि से अलंकृत किया। मानव संसाधन विकास विभाग के केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री जितिन प्रसाद ने वेदपाठियों को वेद विभूषण की उपाधियां प्रदान की।

चिन्तामण गणेश मन्दिर मार्ग स्थित राष्ट्रीय कार्यालय पर रविवार सुबह करीब 11 बजे दीक्षान्त समारोह का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि केन्द्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद के अलावा राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली के कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति के कुलपति प्रो. हरेकृष्ण शतपथी, जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय पुरी के कुलपति प्रो. नीलकण्ठपति एवं गुरुकुल काङ्गड़ी विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल स्वतन्त्र कुमार मञ्च पर शोभायमान थे। अध्यक्षता प्रतिष्ठान के माननीय उपाध्यक्ष प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा ने की। दीक्षागुरु ब्रजबिहारी चौबे थे। समारोह में पांच सौ वेदपाठियों को वेद विभूषण की उपाधि प्रदान की गई। उच्च अंक प्राप्त करने वाले आठ विद्यार्थियों को भी पांच–पांच हजार रुपए के पुरस्कार एवं विशेष प्रमाण–पत्र प्रदान किये गये।

अनुबन्ध
2013-14

उद्देश्य

प्रतिष्ठान की स्थापना निम्नलिखित उद्देश्यों की पूर्ति के लिये की गई है :-

1. वैदिक अध्ययन की श्रुति-परम्परा का संरक्षण, परिरक्षण और विकास, जिसके लिये प्रतिष्ठान विभिन्न कार्यकलाप प्रारम्भ करेगा, जैसे कि पारम्परिक वैदिक संस्थाओं और विद्वानों को सहायता, छात्रवृत्तियाँ आदि देना और दृश्य तथा श्रव्य टेप की तैयारी।
2. विद्वानों और पण्डितों के माध्यम से सस्वर वेदपाठ की परम्परा को बल देना।
3. इस क्षेत्र में उच्चतर शोध में समर्पित विद्यार्थियों को प्रवृत्त करने के लिये उन्हें प्रोत्साहन देना।
4. जिन विद्यार्थियों को वेदों के ज्ञान की गुणता है, उन्हें शोध की सुविधाओं का प्रावधान करना और उनमें पर्याप्त वैज्ञानिक और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण उत्पन्न करना, जिससे कि वेदों में जो आधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान है, विशेष रूप से गणित, खगोलशास्त्र, जन्तुविज्ञान, रसायनशास्त्र, द्रवचालिकी (हाइड्रोलिक्स) आदि के बारे में, उसका तादात्म्य आधुनिक विज्ञान और टेक्नोलोजी से स्थापित किया जाए और साथ ही विद्यार्थियों और आधुनिक विद्वानों के बीच घनिष्ठ सम्बन्ध स्थापित किया जा सके।
5. देश भर में वैदिक पाठशालाओं और शोध केन्द्रों की स्थापना, उनका अधिग्रहण, प्रबन्ध चलाना या उनका पर्यवेक्षण या प्रतिष्ठान के किसी भी उद्देश्य के लिये उनका संचालन या भरण-पोषण करना।
6. जो भी वेद से सम्बन्धित धर्मस्व या न्यास बन्द हो चुके हैं या ठीक ढंग से नहीं चलाए जा रहे हैं, उनको फिर से उज्जीवित करना और उनका प्रबन्ध चलाना।
7. उन शाखाओं की ओर विशेष ध्यान देना जो लुप्त हो रही हैं, जिनके मानव-मात्र पहचाने जा सकते हैं और इन शाखाओं से सम्बन्धित पण्डितों की व्यापक सूची तैयार करना।
8. यह पता लगाना कि वेदों की श्रुति-परम्परा में विशेष प्रकार के सस्वर पाठ कौन-कौन से हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों, संस्थाओं और मठों में प्रचलित हैं और उनकी वर्तमान स्थिति क्या है।
9. वैदिक शाखाओं की विभिन्न उच्चारण परम्पराओं के बारे में यह जानकारी एकत्रित करना कि मूल-पाठ की सामग्री, छपी हुई पाण्डुलिपियाँ, टीकाएँ और भाष्य उपलब्ध हैं या नहीं।
10. देश में जो दृश्य या श्रव्य रिकार्ड उपलब्ध हैं, उनके बारे में जानकारी सङ्कलित करना।
11. वैदिक युग के आरम्भिक काल से लेकर वर्तमान तक वैदिक मूलपाठ और वैदिक साहित्य में निहित वैज्ञानिक ज्ञान, जिनमें विज्ञान, कृषि, प्रौद्योगिकी, दर्शन-शास्त्र, योग, शिक्षा, काव्यशास्त्र, भाषाविज्ञान और वैदिक परम्परा के क्षेत्र शामिल हैं, की उन्नति हेतु अनुसन्धान करना और इसके लिये ग्रन्थालय, शोध उपस्कर, अनुसन्धान सुविधाएँ, आलम्बन स्टाफ तथा तकनीकी जनशक्ति का प्रावधान करना।
12. ऐसे सारे कार्यकलाप प्रारम्भ करना, जो प्रतिष्ठान की संस्थापना नियमावली में दिये गये सारे उद्देश्यों या किसी एक की पूर्ति के लिए आवश्यक, आनुषङ्गिक या सहायक है।

अनुबन्ध-2

महासभा के सदस्यों की सूची

1. **श्रीमती स्मृति ज़ुबिन ईरानी** — **अध्यक्ष**
   माननीय मन्त्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
   भारत सरकार, नई दिल्ली 110001

2. **प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा** — **उपाध्यक्ष**
   प्रोफेसर, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

3. **पं. मोरेश्वर विनायक घैसास**
   विनायक घैसास गुरुजी वेदपाठशाला, वेद भवन,
   क्र. 77/1/2, पौंड रोड, कौथरुड, पुणे – 411029 (महाराष्ट्र)

4. **श्री मागन्ती सुब्रह्मन्यम्**
   अध्यक्ष, कृष्ण मण्डल वेद विद्वत् प्रवर्धक सभा,
   40–12–8/2, बृन्दावन कॉलोनी, वेंकटश्वरपुरम्, विजयवाड़ा 520010 (आ.प्र.)

5. **डॉ. रामप्रसाद उपाध्याय**
   वेद वेदाङ्ग संस्कृत महाविद्यालय, रुद्रप्रयाग (उत्तराखण्ड)

6. **प्रो. जयप्रकाश नारायण द्विवेदी**
   निदेशक, श्री द्वारकाधीश संस्कृत अकादमी एवं इन्डोलॉजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट
   द्वारका – 361335 (गुजरात)

7. **डॉ. रवीन्द्रनाथ भट्टाचार्य**
   निदेशक, वेद विद्या पीठम्, 646, रविन्द्र सारणी, बाग बाजार, कोलकाता 700003 (प. बं.)

8. **प्रो. आनन्दकुमार श्रीवास्तव**
   प्रोफेसर ऑफ वेद, संस्कृत विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी 221005 (उ.प्र.)

9. **प्रो. देवेन्द्रनाथ पाण्डेय**
   प्रोफसर एवं अध्यक्ष, वेद विभाग, डीन, फेकल्टी ऑफ वेद – वेदाङ्ग,
   श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय मार्ग, वेरावल – 362265 (गुजरात)

10. **डॉ. वी. रामकृष्ण भट्ट**
डीन, फेकल्टी ऑफ वैदिक मेटाफिजिक्स, श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कालड़ी (केरला)

11. **प्रो. भीमसिंह**
प्रोफेसर, संस्कृत, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र – 136119 (हरियाणा)

12. **अतिरिक्त सचिव**
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, (माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग)
शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001

13. **वित्त सलाहकार**
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, (माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग), शास्त्री भवन, नई दिल्ली

14. **संयुक्त सचिव (भाषाएँ)**
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, (माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग),
शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001

15. **अध्यक्ष**
केन्द्रीय संस्कृत बोर्ड, 31, औरंगाबाद रोड, नई दिल्ली 110001

16. **अध्यक्ष**
टी.टी. देवस्थानम् बोर्ड मेनेजमेन्ट कमेटी, तिरुपति (आंध्रप्रदेश)

17. **डॉ. एस. नटराजन**
अध्यक्ष, शंकर अकादमी ऑफ संस्कृत, कल्चर एण्ड क्लासिकल आर्ट्स,
शहीद जीतसिंह मार्ग, कटवारिया सराय, नई दिल्ली –110016

18. **अध्यक्ष,**
चतुर्धाम वेद भवन न्यास, स्वदेशी हाउस, सिविल लाइन्स, कानपुर (उत्तरप्रदेश)

19. **डॉ. भाग्यलता ए. पाटस्कर**
निदेशक, वैदिक संशोधन मण्डल, टीण्वीण्नगर, पूना (महाराष्ट्र)

20. **कुलपति**
राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
56 – 57 इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली 110057

21. **सचिव**
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, जनपथ, नई दिल्ली 110001

22. **कुलपति,**
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, कटवारिया सराय, नई दिल्ली 16

23. **प्रो. एच. के. शतपथी**
कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति 517507

24. **कुलपति**
कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा 846003 (बिहार)

25. **कुलपति**
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, जगतगंज, वाराणसी 221001

26. **कुलपति**
श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री विहार, पुरी

27. **कुलपति**
गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार

28. **निदेशक,**
विश्वेश्वरानंद वैदिक रिसर्च इंश्टीट्यूट, पो. आ. साधु आश्रम, होशियारपुर, पंजाब

29. **संयुक्त सचिव (सांस्कृतिक धरोहर)**
संस्कृति विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001

30. **प्रो. रूप किशोर शास्त्री**
सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रिय वेद विद्या प्रतिष्ठान,
वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पोस्ट–जवासिया, उज्जैन ४५६००६ (म.प्र.)

अनुबन्ध-3

शासी परिसद के सदस्यों की सूची

1. **श्रीमती स्मृति ज़ुबिन ईरानी** — **अध्यक्ष**
माननीय मन्त्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
भारत सरकार, नई दिल्ली 110001

2. **प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा** — **उपाध्यक्ष**
प्रोफेसर, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

3. **वित्त सलाहकार**
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, (माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग)
शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001

4. **संयुक्त सचिव (भाषाएँ)**
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, (माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग)
शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001

5. **श्री मागन्ती सुब्रह्मण्यम्**
अध्यक्ष, कृष्ण मण्डल वेद विद्वत् प्रवर्धक सभा, 40-12-8/2, बृन्दावन कॉलोनी,
वेंकटश्वरपुरम्, विजयवाड़ा 520010 (आ.प्र.)

6. **प्रो. भीमसिंह**
प्रोफेसर, संस्कृत, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र-136119 (हरियाणा)

7. **कुलपति**
राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय),
56-57, इंस्टीट्यूशनल ऐरिया, जनकपुरी, नईदिल्ली-110057

8. **उपसचिव (भाषाएँ)**
शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नईदिल्ली 110001

9. **प्रो. रूप किशोर शास्त्री**
सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रिय वेद विद्या प्रतिष्ठान,
वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पोस्ट-जवासिया, उज्जैन ४५६००६ (म.प्र.)

वित्त समिति के सदस्यों की सूची

1. **प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा** — **अध्यक्ष**
   उपाध्यक्ष, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन एवं
   प्रोफेसर, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

2. **वित्त सलाहकार**
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, (माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग)
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001

3. **संयुक्त सचिव (भाषाएँ)**
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, (माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग)
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001

4. **कुलपति**
   राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय),
   56-57, इंस्टीट्यूशनल ऐरिया, जनकपुरी, नईदिल्ली-110057

5. **श्री मागन्ती सुब्रह्मन्यम्**
   अध्यक्ष, कृष्ण मण्डल वेद विद्वत् प्रवर्धक सभा, 40-12-8/2, बृन्दावन कॉलोनी,
   वेंकटश्वरपुरम्, विजयवाड़ा 520010 (आ.प्र.)

6. **प्रो. रूप किशोर शास्त्री**
   सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रिय वेद विद्या प्रतिष्ठान,
   वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पोस्ट-जवासिया, उज्जैन ४५६००६ (म.प्र.)

अनुदान समिति के सदस्यों की सूची

1. **प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा** — **अध्यक्ष**
   उपाध्यक्ष, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

2. **संयुक्त सचिव (भाषाएँ)**
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, (माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग)
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001

3. **प्रो. शशि प्रभा कुमार**
विशिष्ट संस्कृत अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली

4. **डा. गौतम भाई पटेल**
पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत अकादमी, गुजरात

5. **अवर सचिव (समाकलित वित्त विभाग)**
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, (माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग)
शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001

6. **डा. पी.के. श्रीवत्स**
नं. 64, IIIrd क्रास, गवीपुरम एक्सटेंशन, बंगलौर 560019 (कर्नाटक)

7. **प्रो. रूप किशोर शास्त्री**
सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रिय वेद विद्या प्रतिष्ठान,
वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पोस्ट-जवासिया, उज्जैन ४५६००६ (म.प्र.)

परियोजना समिति के सदस्यों की सूची

1. **प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा** **अध्यक्ष**
उपाध्यक्ष, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रिय वेद विद्या प्रतिष्ठान,
वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पोस्ट-जवासिया, उज्जैन ४५६००६ (म.प्र.)

2. **प्रो. युगलकिशोर मिश्र**
७, प्रोफेसर कॉलोनी, जगतगंज, वाराणसी २२१००२ (उ.प्र.)

3. **डॉ. गोकुलेन्द्र एन. डी. गोस्वामी**
H/o श्री डी. एस. देव शर्मा, काली मन्दिर, ज्योतिनगर (वेस्ट) गुवाहाटी (असम)

4. **श्री वी. गोपालकृष्णन शास्त्री**
सेवानिवृत्त प्राचार्य, संस्कृत कॉलेज, राजमुन्दरी (आ.प्र.)

5. **प्रो. किशोरचन्द्र महापात्र**
अध्यक्ष, धर्म शास्त्र विभाग, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी (उड़ीसा)

6. **डॉ. पी. के. श्रीवत्स**
नं. 64, IIIrd क्रास, गवीपुरम एक्सटेंशन, बंगलौर 560019 (कर्नाटक)

7. **पं. साधु भद्रेश**
स्वामी नारायण मन्दिर, अक्षरधाम मन्दिर, अहमदाबाद (गुजरात)

8. **प्रो. दयानन्द भार्गव**
फ्लेट- नं. G & 1, D & 148, पेराडाईज अपार्टमेन्ट, जयपुर ३०२ ०२६ (राजस्थान)

9. **श्री कृष्णमूर्ति शास्त्रीगल**
मकान नं. २, संस्कृत कॉलेज स्टीट, मैलापोर, चैन्नई - ४ (तमिलनाडु)

10. **प्रो. रूप किशोर शास्त्री**
सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रिय वेद विद्या प्रतिष्ठान,
वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पोस्ट-जवासिया, उज्जैन ४५६००६ (म.प्र.)

अनुबन्ध - 4 (अ)

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

वर्ष 2013-2014 के दौरान वेद पाठशालाओं/विद्यालयों को जारी अनुदान का विवरण

क्र.सं.	पाठशाला / वेद विद्यालय / संस्था का नाम जिन्हें अनुदान दिया गया	वेद तथा शाखा	प्रयोजन	राशि
आन्ध्रप्रदेश -				**4442000/-**
1.	सचिव, वेद परिषद्, पट्टाभिपुरम्, 3-25-13 A, रविन्द्र नगर, गुन्टूर (आन्ध्रप्रदेश)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	2 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक को मानदेय, 20 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	920000/-
2.	सचिव, सर्वार्या एजुकेशनल ट्रस्ट कपिलईश्वरपुरम् जामिन्द्र का मकान गांधीनगर, काकीनाडा (आन्ध्रप्रदेश)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय अध्यापक को मानदेय, तथा 20 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	798000/-
3.	सचिव, श्री शंकर् गुरुकुल वेद पाठशाला 18-261, मल्लिकार्जुन नगर, मल्कागिरी, हैदराबाद (आन्ध्रप्रदेश)	कृष्णयजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा)	4 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 44 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2040000/-
4.	अध्यक्ष, वेदवेदान्त गुरुकुल महाविद्यालय ग्राम- माडिपाडु, आचमपेत मंडल, गुन्टूर (आन्ध्रप्रदेश)	शुक्लयजुर्वेद (काण्व शाखा व माध्यन्दिन शाखा)	2 वेद अध्यापकों, एवं 23 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	684000/-
बिहार -				**3966000/-**
5.	श्री आर्ष विद्या शिक्षण सेवा संस्थान, छोटा वरियारपुर, मोतिहारी, पूर्वी चम्पारण	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) कृष्ण यजुर्वेद (तैतिरीय शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा)	6 वेद अध्यापकों 1 संस्कृत अध्यापक एवं 3 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 69 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3192000/-
6.	श्री संत पशुपति नाथ वैदिक संस्थान, कैलाश भवन पुनईचक, पटना	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन) अथर्ववेद (शौनक शाखा)	4 वेद अध्यापकों तथा 48 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	774000/-

दिल्ली -				**1911000/-**
7.	सांगोपांग वेद विद्यापीठ, आर्ष गुरुकुल, टटेसर, जौन्ती, दिल्ली	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) अथर्ववेद (शौनक शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा)	4 वेद अध्यापकों 1 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 40 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1911000/-
गुजरात -				**3458000/-**
8.	भारतीय चतुर्धाम वेदभवन न्यास, द्वारका जिला जामनगर (गुजरात)	अथर्ववेद (शौनक शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा) शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	5 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 24 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1586000/-
9.	श्री शारदापीठ विद्यासभा श्री शंकराचार्य अभिनव सच्चिदानंद तीर्थ वेद विद्यालय द्वारका, जि.- जामनगर (गुजरात)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन) सामवेद (कौथुम शाखा)	4 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 39 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1872000/-
हिमाचल प्रदेश -				**3536000/-**
10.	श्री गुरुशिखर वेद विद्यालय महेशनगर, ओयल, ऊना	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) शुक्लयजुर्वेद (काण्व शाखा) कृष्णयजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा)	8 वेद तथा 101 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3536000/-
कर्नाटक -				**5710420/-**
11.	सचिव, विद्यारण्य विद्यापीठ ट्रस्ट सन्दुर रोड, बेलरी, जिला होस्पेट (कर्नाटक)	कृष्णयजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा)	2 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 22 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1002420/-
12.	सचिव, मणिगिरि वेलफ़ेयर ट्रस्ट श्री माणिक प्रभु वेद पाठशाला, माणिक नगर, जि० बीदर (कर्नाटक)	कृष्णयजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा) शुक्लयजुर्वेद (काण्व शाखा)	8 वेद अध्यापकों, 2 संस्कृत अध्यापक एवं 3 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 74 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3594000/-

13.	प्राचार्य, श्री वेदमाता वेद संस्कृत गुरुकुल पाठशाला, श्री रंगपट्टन, जिला – मांडे (कर्नाटक)	कृष्णयजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा)	2 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक, 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 06 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	670000/-
14.	श्री गणपति सच्चिदानन्द अवधूत दत्तपीठम मैसूर (कर्नाटक)		1 वेद अध्यापक को मानदेय, तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	444000/-
केरल -				**5531170/-**
15.	सचिव, कामकोटि यजुर्वेद पाठशाला ब्रह्मस्वम् मठम्, इरिंजालकुडा, त्रिचूर (केरल)	कृष्णयजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक, 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 16 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	876000/-
16.	सचिव, तंत्र विद्यापीठम्, यू०सी० कॉलेज, पो०आ० अलवाय (केरल)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	2 वेद अध्यापकों 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय तथा 29 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1296000/-
17.	सचिव, वेद रक्षण समिति, रामनाथपुरम्, अग्रहरम पलक्कड, पालघाट (केरल)	कृष्णयजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा)	3 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक को मानदेय तथा 40 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1590000/-
18.	सचिव, वडक्केठम ब्रह्मस्वम एम०जी० रोड, त्रिसूर – 680 001 (केरल)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	3 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक को मानदेय,तथा 26 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1109170/-
19.	वेद शास्त्र विद्या ट्रस्ट, सम्पूर्णम्, 14- अन्सारी स्ट्रीट, रामनगर, कोयम्बटूर (केरल)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक, 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 14 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	660000/-
महाराष्ट्र -				**13608000/-**
20.	श्री संत ज्ञानेश्वर वेदविद्या प्रतिष्ठान एन-9, एल- 77/1, शिवाजी नगर, सिडको, औरंगाबाद (महाराष्ट्र)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	3 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक, 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 35 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1692000/-
21.	सच्चिदानन्द वेद स्वाध्याय प्रतिष्ठान पोस्ट – ध० टाकली, तहसील पूर्णा परभणी (महाराष्ट्र)	ऋग्वेद (शाकल शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा) शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	3 वेद अध्यापकों, 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय तथा 42 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1614000/-

22.	श्री स्वामी अखण्डानन्द वेदवेदाङ्ग संस्कृत महाविद्यालय, श्री कैलाश मठ, पेठ रोड, पंचवटी, नासिक (महाराष्ट्र)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	3 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक, 3 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय तथा 61 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2460000/-
23.	सचिव, वैदिक ज्ञान विज्ञान संस्कृत महाविद्यालय 3/12, गणराज संकुल अपार्टमेंट पंचवटी, कारंजा, नासिक – 422003 (महाराष्ट्र)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	2 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक, 3 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय तथा 19 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1072000/-
24.	सचिव, समर्थ वेदविद्यालय, ढालेगांव, विष्णुपुरी, ता० जिला – परभणी 431506 (महाराष्ट्र)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन व काण्व शाखा) कृष्णयजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा) सामवेद (राणायनी शाखा) अथर्ववेद (शौनक शाखा)	5 वेद अध्यापकों, 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय तथा 49 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदा	2176000/-
25.	प्राचार्य, श्री सदगुरु नित्यानन्द महाविद्यालय, चैतन्य आश्रम के पास, मु०पो० आलन्दी, ता०खेड, जिला पुणे – 412105 (महा०)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	3 वेद अध्यापकों तथा 45 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1576000/-
26.	महर्षि याज्ञवल्क्य संस्कृत विद्या प्रतिष्ठान, यज्ञभूमि गंगाखेड, परभणी – 431514 (महाराष्ट्र)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	5 वेद अध्यापकों , 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय व 38 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1878000/-
27.	श्री चतुर्वेश्वरधाम सावरगांव जिला जालना	ऋग्वेद (शाकल शाखा) सामवेद (राणायणीय शाखा) अथर्ववेद (शौनक शाखा)	3 वेद अध्यापकों तथा 25 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1140000/-
मध्यप्रदेश -				**6950000/-**
28.	आ० वाचस्पति शुक्ल संस्कृत वेदपाठशाला, श्री संकटमोचन हनुमान मन्दिर, आवन, तहसील राघौगढ, गुना (म०प्र०)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) अथर्ववेद (शौनक शाखा)	3 वेद अध्यापकों, 2 संस्कृत अध्यापक, 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 70 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2420000/-
29.	गंगाधर वेदविद्या पाठशाला समिति, 28, विद्यानगर, उज्जैन (म०प्र०)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	2 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, व 08 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	724000/-

30.	नाभिमण्डल वेदविद्या परमार्थिक न्यास शनि मन्दिर, सांवेर रोड, उज्जैन (म०प्र०)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	2 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक को मानदेय एवं 05 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	528000/-
31.	ब्रह्मर्षि श्री श्री मौनी बाबा वेद विद्यालय, गंगाघाट, उज्जैन (म०प्र०)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	5 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 3 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, व 26 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1706000/-
32.	श्री गरुडध्वज वैदिक शिक्षा समिति, श्री रंगनाथ मन्दिर, रंगनाथ मार्ग, रंगनाथ नगर, कटनी 483501 (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	2 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, व 44 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1572000/-
<u>औडिशा -</u>				**10931400/-**
33.	सचिव, भारतीय चतुर्धाम वेदभवन वेदपाठशाला, स्वर्गद्वार, पुरी (औडिशा)	शुक्लयजुर्वेद (काण्व शाखा)	2 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 42 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1832000/-
34.	श्री गरुडध्वज वासुदेव याज्ञवल्क्य वेदपाठशाला, जीयरस्वामी मठ, बालिसाहि, पुरी (औडिशा)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन तथा काण्व शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा) अथर्ववेद (शौनक शाखा) शुक्लयजुर्वेद (काण्व शाखा)	5 वेद अध्यापक, 2 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 99 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3628000/-
35.	श्री रामानन्दाचार्य काण्व वेद पाठशाला, बलराम कोठ मठ, पुरी (औडिशा)	शुक्लयजुर्वेद (काण्व शाखा)	2 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 34 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1483400/-
36.	वेद पाठशाला, ब्रह्मपुर, डायमंड टेंक रोड, ब्रह्मपुर, गंजाम (औडिशा)	शुक्लयजुर्वेद (काण्व शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा) अथर्ववेद (पैप्पलाद शाखा)	4 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापकों को मानदेय, 52 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2376000/-
37.	श्री गुरुकुल वेदपाठशाला, चरकनगर, लोकनाथ घाट, पुरी (औडिशा)	शुक्लयजुर्वेद (काण्व शाखा)	3 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापकों को मानदेय, व 38 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1612000/-
<u>राजस्थान -</u>				**24781236**
38.	श्री बलराम वेद पाठशाला, श्री बाबाजी की कुई, बलराम आश्रम ट्रस्ट, श्री बलराम नगर, आगरा रोड, बस्सी जिला – जयपुर (राजस्थान)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	3 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापकों को मानदेय,एवं 47 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1902000/-

39.	श्री जानकीनाथ वेद विद्यालय, रेवासा, सीकर (राजस्थान)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	4 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, एवं 52 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1932000
40.	श्री मुनिकुल ब्रह्मचर्याश्रम वेद संस्थान बरुंदनी, भीलवाड़ा (राजस्थान)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन व काण्व), सामवेद (राणायनीय व कौथुम),ऋग्वेद (शाकल शाखा) अथर्ववेद (शौनक व पैप्पलाद)	12 वेद अध्यापक, 4 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 177 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	7368000/-
41.	श्री वीर हनुमान ऋषिकुल वेदविद्यालय, सामोद पर्वत, नांगल भरडा, जयपुर (राजस्थान)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	3 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 37 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1494177/-
42.	श्री महादेव शिशु गुरुकुल वेद संस्थान, चित्तौड़गढ़ रोड, बेगू, जिला – चित्तौड़गढ़ (राजस्थान)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) अथर्ववेद (शौनक शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा)	6 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 4 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 83 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1710000/-
43.	गुरु शिखर वेद विद्यालय, लिमड़ी हाऊस, पो० माउण्ट आबू (राजस्थान)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन व काण्व) सामवेद (राणायनीय तथा कौथुम शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा) कृष्णयजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	3 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 63 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2276000/-
44.	श्री जगद्गुरु रामानन्दाचार्य वेद विद्यालय, त्रिवेणीधाम, शाहपुरा, जिला – जयपुर (राजस्थान)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा)	4 वेद अध्यापक, 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 57 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1998000/-
45.	सचिव, श्री मधुसूदन वैदिक संस्कृति एवं पर्यावरण संस्थान, रामकिशन कॉलोनी, कालाकुआँ, अलवर (राजस्थान)	ऋग्वेद (शाकल शाखा) शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा) अथर्ववेद (शौनक शाखा)	6 वेद अध्यापक , 1 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 68 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2784000/-

46.	सचिव, श्री भगवद्धर्म संस्कृत वेद विद्यालय, जिन्दोली घाटी, अलवर (राजस्थान)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	3 वेद अध्यापक तथा 36 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1336000/-
47.	सचिव, श्री कर्णेश्वर वेदविद्यालय, दत्तात्रेय, साधनालय, कनवास, कोटा (राज.)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	3 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 52 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1990059/-
तमिलनाडु -				**10221433**
48.	राजा वेद काव्य पाठशाला श्री गोविन्द दीक्षित घाटिकास्थानम्, 29-30, ईस्ट अयान स्ट्रीट, 4 मंजिल, कुम्भकोणम् (तमिलनाडु)	कृष्णयजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा) शुक्लयजुर्वेद (काण्व शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा)	10 वेद अध्यापक, 3 संस्कृत अध्यापक, 3 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 116 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	5234000/-
49.	श्री शिवराम ट्रस्ट, पुराना नं० 26, नया नं० 10, रामनाथन स्ट्रीट, टी० नगर, चेन्नई (तमिलनाडु)	कृष्णयजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा) शुक्लयजुर्वेद (काण्व शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा)	2 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक, 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, व 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	710165/-
50.	कलवाइ गुरुपरम्परा वेदविद्या ट्रस्ट, 50, नगरथिनम कॉलोनी, सुलिवन गार्डन स्ट्रीट, मैलापुर, चैन्नई (तमिलनाडु)	कृष्णयजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा)	2 वेदाध्यापक को मानदेय तथा 48 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1920000/-
51.	श्री शुक्ल यजुर्वेद शास्त्र धर्म पाठशाला 3, राजा स्ट्रीट, काञ्चीपुरम् (तमिलनाडु)	शुक्लयजुर्वेद (काण्व शाखा)	2 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक व 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	828000/-
52.	श्री अभिनव विद्यातीर्थ भारती वेद पाठशाला, (पी०ए०सी०आर० सेतुरम्मल चैरेटी ट्रस्ट) दक्षिण वेंगनानुर रोड, राजपलायम (तमिलनाडु)	कृष्णयजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	2 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 32 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1151268/-
53.	श्री अहोबिला मठ समस्कृत विद्या, अभिवर्द्धिनी सभा, 117, के०आर०, कोली स्ट्रीट, वेस्ट मम्बालम, कोयम्बटूर (तमिलनाडु)	कृष्णयजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	3 वेदाध्यापक को मानदेय तथा 35 वेद छात्रों को आस्थागित छात्रवृत्ति	378000/-

उत्तरप्रदेश -				**30376890/-**
54.	सचिव, आचार्य रमेश गुरुजी वेद पाठशाला, ग्राम व पोस्ट कर्णवास – 203393, जिला बुलन्दशहर (उत्तरप्रदेश)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	5 वेद अध्यापक, 2 संस्कृत अध्यापक, 3 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 83 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3434000/-
55.	सचिव, श्री महादेव शुक्ल यजुर्वेद पाठशाला, (आचार्य रमेश गुरुजी वेद पाठशाला द्वारा संचालित) वृन्दावन (उत्तरप्रदेश)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	4 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 62 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2458000/-
56.	सचिव, भारतीय चतुर्धाम वेदभवन न्यास, 63-A/3, स्टेनले रोड, बाली कॉलोनी, इलाहाबाद (उत्तरप्रदेश)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा) अथर्ववेद (शौनक शाखा)	4 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 63 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2728000/-
57.	सचिव, आचार्य गोपालचन्द्र मिश्र वैदिक उन्नयन संस्थान, सी.के.32/17, ब्रह्मनाल, वाराणसी (उत्तरप्रदेश)*	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन व काण्व) सामवेद (गुर्जर व गोवर्धनी पद्धती) कृष्णयजुर्वेद (हिरण्यकेशी) ऋग्वेद (शाकल)	5 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक, 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 50 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	----
58.	सचिव, स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय, श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट पोस्ट झूसी, इलाहाबाद (उत्तरप्रदेश)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा) अथर्ववेद (शौनक शाखा)	4 वेद अध्यापक, 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 48 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1990000/-
59.	सचिव, श्री दूधेश्वर वेदविद्या पीठ श्री दूधेश्वर मंदिर परिसर, गोशाला रोड, गाजियाबाद (उत्तरप्रदेश)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन) ऋग्वेद (शाकल) सामवेद (कौथुम)	2 वेद अध्यापक, 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 30 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1060000/-
60.	सचिव, आचार्य पट्टाभिराम शास्त्री वेद मीमांसा, अनुसंधान केन्द्र, B-4/7, हनुमान घाट, वाराणसी (उत्तरप्रदेश) *	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन व काण्व) सामवेद (कौथुम व राणायनी) अथर्ववेद (शौनक) ऋग्वेद (शाकल) कृष्णयजुर्वेद (तैत्तरीय)	11 वेद अध्यापक, 2 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 107 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	-----

61.	सचिव, जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानन्द सरस्वती न्यास, वेद वेदान्त महाविद्यालय एवं शोध समिति, B-4/41, हनुमान घाट, वाराणसी (उत्तरप्रदेश)	ऋग्वेद (शाकल शाखा) शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन व काण्व) कृष्णयजुर्वेद (तैत्तरीय शाखा) सामवेद (कौथुम व राणायनी) अथर्ववेद (शौनक व पैप्पलाद)	12 वेद अध्यापक, 2 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 143 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	6168000/-
62.	सचिव, श्री जयेन्द्र सरस्वती वेद पाठशाला, सेठजी का बगीचा, पो० सीतापुर, चित्रकूटधाम, चित्रकूट (उत्तरप्रदेश)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) अथर्ववेद (शौनक व पैप्पलाद) सामवेद (कौथुम) ऋग्वेद (शाकल)	7 वेद अध्यापक, 2 संस्कृत अध्यापक व 3 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 108 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	4136500/-
63.	सचिव, सीताराम वेदविद्या केन्द्रम्, श्री चन्द्ररमेश प्रेम जयन्ती सेवा संस्थान, राजघाट, नरौरा, बुलन्दशहर – 202393 (उ०प्र०)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	4 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक व 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 65 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2376000/-
64.	श्री संकटमोचन हनुमानजी मंदिर ट्रस्ट एवम् बाबा नीब करौरी जी महाराज आश्रम, हनुमान सेतु, विश्वविद्यालय मार्ग, लखनऊ 226007	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन) सामवेद (कौथुम)	2 वेद अध्यापक 1 संस्कृत अध्यापक व 3 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 43 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1546390/-
65.	श्री केदारनाथ गोयनका वेद विद्यालय, बी-29/3-1 ए, अस्सी लंका मार्ग, वाराणसी	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन) अथर्ववेद (शौनक)	4 वेद अध्यापक तथा 29 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1252000/-
66.	स्वामी नारायणानन्द तीर्थ वेद विद्यालय, बी - 1/148, श्रीकाशीधर्म पीठ, अस्सी, वाराणसी	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) अथर्ववेद (शौनक) सामवेद (कौथुम) ऋग्वेद (शाकल)	7 वेद अध्यापक, 2 संस्कृत अध्यापक व 3 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 66 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3228000/-
पं. बंगाल -				**5846000/-**
67.	श्री श्री सीतारामदास ओंकारनाथ, संस्कृत शिक्षा संसद, वैकुण्ठ धाम, 107, साउथर्न एवन्यू, कोलकाता (पश्चिम बंगाल)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा)	5 वेद अध्यापक, 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 34 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1980000/-
68.	सतीदेव भाषा शिक्षा निकेतन विश्वकल्याण फ़ाउण्डेशन, रानीरचरा चाकीपाडा, नवद्वीप (प०बंगाल)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा)	2 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक, 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 19 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1166000/-

69.	श्री सीताराम वैदिक महाविद्यालय 7/2, PWD रोड, कोलकाता (प०बंगाल)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा)	3 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक, 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 31 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1644000/-
70.	श्री जगद्गुरु शंकराचार्य वैदिक विद्यापीठम्, रामराजातला, हावडा	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) शुक्लयजुर्वेद (काण्व शाखा)	2 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक, 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 18 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1056000/-
			कुल अनुदान	**131269549/-**

* अन्तिम वर्ष २०१३-१४ अनुदान समिति की ८ मार्च २०१४ को सम्पन्न बैठक के निर्णय के अनुसार आचार्य गोपालचन्द्र मिश्र वैदिक उन्नयन संस्थान, वाराणसी एवं आचार्य पट्टाभिराम शास्त्री वेद मीमांसा अनुसंधान केन्द्र वाराणसी की क्रमशः अनुदान राशि २२९६००० + ४६११००० = कुल राशि ६९०७००० का भुगतान नहीं किया गया।

अनुबन्ध - 4 (ब)

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

वर्ष 2013-2014 के दौरान पूर्वोत्तर राज्यों की वेद पाठशालाओं/विद्यालयों को जारी अनुदान का विवरण

क्र.सं.	पाठशाला / वेद विद्यालय / संस्था का नाम जिन्हें अनुदान दिया गया	वेद तथा शाखा	प्रयोजन	राशि
असम -				**3369000/-**
1.	सचिव, असम वेद विद्यालय, वेदपुरम्, रुपनगर, गुवाहाटी (असम)	शुक्लयजुर्वेद (काण्व शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा)	3 वेद को मानदेय एवं 22 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	897000/-
2.	अध्यक्ष, श्री गुरुशङ्कराचार्य वेदविद्यालय, समिति, ग्राम नेपील पथार, पोस्ट गामेरी, सोनितपुर, आसाम - 784172	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा)	4 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 3 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 59 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2472000/-
सिक्किम -				**444000/-**
3.	अध्यक्ष, श्री सिक्किम वेदविद्या अध्ययन केन्द्र, पांचेखानी, (शिवालय केम्पस) पाकपांग, पूर्वसिक्किम (सिक्किम)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद को मानदेय एवं 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	444000/-
त्रिपुरा -				**708000/-**
4.	त्रिपुरा राज्य वेदविद्या प्रसारण समिति, वेदश्री, रुपनगर, पो०आ० रामनगर, अगरतला (त्रिपुरा)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 16 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	708000/-
			कुल अनुदान	**4521000/-**

अनुबन्ध - 5 (अ)

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

वर्ष 2013-2014 के दौरान वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने की योजना के अन्तर्गत विभिन्न ईकाईयाँ को जारी अनुदान का विवरण

क्र.सं.	पाठशाला अथवा स्वाध्यायी अध्यापकों का नाम जिन्हें अनुदान दिया गया	वेद तथा शाखा	प्रयोजन	राशि
<u>आन्ध्रप्रदेश -</u>				3372000/-
1.	श्री के. हनुमन्त शास्त्री मंत्रला, सांग वेद पाठशाला, श्री कांची कामकोटी शंकराचार्य मठ गोडुगुपेट, मछलीपट्टनम् (आ.प्र.)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 4 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	216000/-
2.	श्री जी. एस. आर. घनपाठी, डी. नं. 12-11-87, दत्तात्रेय वेद निलयव, अव्यपूर्म, राजमुन्दरी 533104 (आ.प्र.)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	240000/-
3.	श्री. एस. आर. एन. दीक्षित शर्मा इनसाईड कॉटन मिल, पिलामारी रोड, महबूबनगर 509 002 (आ.प्र.)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय व 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	324000/-
4.	पं. श्री प्रमीलकुमार बेहरा, गुरु मदनान्द सरस्वती पीठम्, रामपुर, थुंगूट, कन्डापक मंडल जिला मेढक (आ.प्र.)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय व 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	288000/-
5.	श्री सी.एच. राघव शर्मा, श्री के. व्ही. एन. कौंडिया अवधानी, द्वारा - श्री भ्रामरी सूर्य प्रकाशक विजिया शंकर वेद, समर्थ पाठशाला ट्रस्ट, मकान नं.1-23-118/23, भूदेवीनगर, वेंकटपुरम, सिकन्दराबाद (आ.प्र.)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय व 14 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	480000/-
6.	श्री संतोषकुमार तिवारी, श्री जगन्नाथ मठ गुरुकुल, 12-1-482, जगन्नाथ मठ, माधवदास झीरा,सीतारामबाग के पीछे, हैदराबाद (आ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	456000/-
7.	श्री दीपेन्द्रकुमार द्विवेदी, श्री जगन्नाथ मठ गुरुकुल, 12-1-482, जगन्नाथ मठ, माधवदास झीरा, सीतारामबाग के पीछे, हैदराबाद	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय व 3 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	96000/-
8.	श्री सन्तोष कुमार दास, द्वारा - श्री गुरु मदनानन्द सरस्वतीपीठम्, रामपुर, थांगुड, कोंडापाक मण्डल जिला - मेढक (आ.प्र.)	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 3 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	192000/-

9.	श्री वी.वी. कुमार सूर्यनारायण मूर्ति, द्वारा - श्री गणपति सच्चिदानन्द वेद पाठशाला, श्रीपादवल्लभ, अंग्लापट्टा क्षेत्रम्, श्री दत्तनगर, अग्रहारम, पीठापुरम ईस्ट गोदावरी (आ.प्र.)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	264000/-
10.	श्री एम. सुदर्शन शर्मा, श्री वेदभारती पीठ वेद विद्यालय, वेदभारती नगर, डी नं. 4-215, बासर जिला आदिलाबाद 504101 (आ.प्र.)	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	408000/-
11.	श्री विपिन कुमार शुक्ला, श्री जगन्नाथ मठ गुरुकुल, 12-1-482, जगन्नाथ मठ, माधवदास झीरा, सीतारामबाग के पीछे, हैदराबाद (आ.प्र.)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय व 3 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	228000/-
12.	श्री पंकज कुमार तिवारी, श्री वेदभारती पीठ वेद विद्यालय, वेदभारती नगर, डी नं. 4-215, बासर जिला आदिलाबाद 504101 (आ.प्र.)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय व 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	90000/-
13.	श्री बटेशंकर पाण्डेय, श्री वेदभारती पीठ वेद विद्यालय, वेदभारती नगर, डी नं. 4-215, बासर जिला आदिलाबाद 504101 (आ.प्र.)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय व 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	90000/-
बिहार -				**2386000/-**
14.	श्री रामकृष्ण मिश्र, शुभकरण त्रिवेदी कानोडिया वेद विद्यापीठम् पुराना बाजार, लक्खीसराय (बिहार)	सामवेद (कौथुम शाखा) शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	408000/-
15.	श्री अभिषेककुमार ओझा, द्वारा - हरिहर प्राच्य विद्या संस्थान गोपाल आयुर्वेद भवन कैम्पस, बरौनी, बेगूसराय - 851112 (बिहार)	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	308000/-
16.	श्री सर्वेश कुमार तिवारी, द्वारा पं. लक्ष्मी कांत तिवारी प्राच्य वेद विद्या संस्थान वेद विद्यालय ग्राम पंडितपुर पोस्ट पीपराकोठी जिला मोतिहारी, पूर्वी चम्पारण (बिहार) 845429	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	288000/-
17.	श्री अनिल चौबे, श्री सन्त गोदिया बाबा संस्कृत वेदविद्यालय वैष्णव मठ, करैया बाजार, गोपाल गंज (बिहार) 841437	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	408000/-
18.	श्री विकास पाण्डेय, श्री सीताराम वेद-वेदांग संस्कृत विद्यालय, गौतम स्थान, सिविल गंज, छपरा (बिहार) 841305	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	440000/-

19.	श्री राधेश्याम झा, ऋषिकुल वेदपाठशाला, उमरी, झंझारपुर जिला मधुबनी (बिहार) 847403	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	534000/-
छत्तीसगढ़ -				**616000/-**
20.	श्री प्रवीण कुमार शर्मा, द्वारा - आर्य विद्या सभा, सलखिया गुरुकुल आश्रम, जिला - रायगढ़ (छत्तीसगढ़)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 22 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	616000/-
दिल्ली -				**1740000/-**
21.	श्री रमेश रेग्मी, श्री निवास सेवार्थ न्यास, खसरा नं. 174 रामानुज मार्ग, इब्राहिमपुर, दिल्ली 36	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	396000/-
22.	श्री सूर्यनारायण त्रिपाठी, श्री निवास सेवार्थ न्यास, खसरा नं. 174 रामानुज मार्ग, इब्राहिमपुर, दिल्ली 36	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	324000/-
23.	श्री श्रीनिवास पैन्यूली, श्री निवास सेवार्थ न्यास, खसरा नं. 174 रामानुज मार्ग, इब्राहिमपुर, दिल्ली 36	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	336000/-
24.	श्री इन्द्रेशकुमार शुक्ल, द्वारा वेदाचार्य श्री रामजीलाल पालीवाल सांगवेद विद्यालय, 46 संगम विहार, नजफगढ़, नई दिल्ली	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 16 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	684000/-
गुजरात -				**1660000/-**
25.	श्री मुकेश कुमार पाठक, द्वारा - श्री अमृत वेद संस्थान पाठशाला, श्री भागवत विद्यापीठ ट्रस्ट कर्दम ऋषि गुरुकुल (सोला) अहमदाबाद	सामवेद यजुर्वेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	414000/-
26.	श्री राकेश शर्मा, नारायण वेद अध्ययन केन्द्र सेनेटरी मार्ग पेटलावद, आनन्द (गुजरात)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	300000/-
27.	श्री नागेश कुमार शर्मा, श्री पीठ आशापुरा माताजी मन्दिर ट्रस्ट, श्री पीठ संस्कृत वेद विद्यालय ननना रतडिया, तह. माण्डवी जिला भुज कच्छ	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	306000/-

28.	श्री बालकृष्ण देव, द्वारा - श्री अमृत वेद संस्थान पाठशाला, श्री भागवत विद्यापीठ ट्रस्ट कर्दम ऋषि गुरुकुल (सोला) अहमदाबाद	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	298000/-
29.	श्री बसन्त भाई पंडया, दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय, एस.जी.बी.सी सर्कल के पास, एस जी राजमार्ग, छारोडी जिला अहमदाबाद 382481	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	342000/-
गोवा				**624000/-**
30.	श्री महादेव विनायक सातार्डेकर, द्वारा श्री पद्मनाथ शिष्य सम्प्रदाय श्री क्षेत्र तपोभूमि गुरुपीठ कुंडईफोडा, गोवा	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 3 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	192000/-
31.	श्री ज्ञानेश्वर अप्पाजी पाटील, द्वारा श्री पद्मनाथ शिष्य सम्प्रदाय श्री क्षेत्र तपोभूमि गुरुपीठ कुंडईफोडा, गोवा	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 3 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	120000/-
32.	श्री सिद्धेश कांता घाडी, द्वारा श्री पद्मनाथ शिष्य सम्प्रदाय श्री क्षेत्र तपोभूमि गुरुपीठ कुंडईफोडा, गोवा	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 1 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	144000/-
33.	श्री अनूप शांताराम सैलार, द्वारा श्री पद्मनाथ शिष्य सम्प्रदाय श्री क्षेत्र तपोभूमि गुरुपीठ कुंडईफोडा, गोवा	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 2 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	168000/-
हरियाणा -				**852000/-**
34.	श्री ओमप्रकाश शर्मा, द्वारा- स्वामी श्री सुदर्शनाचार्य संस्कृत वेदविद्यालय श्रीसिद्धदाता आश्रम, बडखल, सूर्यकुण्ड मार्ग, फरीदाबाद - 121003	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	396000/-
35.	श्री कन्हैयाकुमार झा, द्वारा-श्री स्वामी सुदर्शनाचार्य संस्कृत वेदविद्यालय श्री सिद्धदाता आश्रम, बडखल, सूरजकुण्ड मार्ग, फरीदाबाद (हरियाणा)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 16 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	456000/-
जम्मू -				**552000/-**
36.	श्री लीलाराम गौतम, द्वारा महाराजा प्रताप सिंह वेद विद्या वेद मन्दिर अम्बकला जम्मू	शुक्ल यजुर्वेद (आध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	552000/-
झारखण्ड -				**900000/-**
37.	श्री अशोक कुमार मिश्र, अथर्ववेद पाठशाला, गुहियापाल, बहरा रोड, पूर्वी सिंहभूम - 830101 (झारखण्ड)	अथर्ववेद (पैप्पलाद शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	264000/-

38.	श्री पार्थ सारथि मिश्र, अथर्ववेद पाठशाला गुहियापाल बेहरारोड, पूर्वी सिंहभूमि (झारखण्ड)	अथर्ववेद (पैप्पलाद शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	240000/-
39.	श्री सद्धार्थ शंकर त्रिपाठी, श्री कृष्ण वेद विद्यालय संस्थानम्, आदित्य पुर साराय केला, जमशेदपुर (झारखण्ड)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	396000/-
कर्नाटक				**1330000/-**
40.	पं. श्री टी. रामबाबू , वशिष्ठ वेद विद्या गुरुकुलम ट्रस्ट, हेडीजीबल केम्प, कोबाला पोस्ट, सिंधानूर, रायचूर 584128 (कर्नाटक)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 4 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	288000/-
41.	श्री मुरली कृष्ण भट्ट, ओम् शान्ति धर्म वेद पाठशाला, बोम्मासन्द्रा पेलागल्ली कनकपुर बैंगलुर (कर्नाटक)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	288000/-
42.	श्री माधव कुलकर्णी, ओम् शान्ति धर्म वेद पाठशाला, बोम्मासन्द्रा पेलागल्ली कनकपुर बैंगलुर (कर्नाटक)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 4 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	226000/-
43.	श्री रामचन्द्र भट्ट , ओम् शान्ति धर्म वेद पाठशाला, बोम्मासन्द्रा पेलागल्ली कनकपुर बैंगलुर (कर्नाटक)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	240000/-
44.	श्री श्रीराम कुलकर्णी, ओम् शान्ति धर्म वेद पाठशाला, बोम्मासन्द्रा पेलागल्ली कनकपुर बैंगलुर (कर्नाटक)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	288000/-
केरल -				**240000/-**
45.	श्री रघुनाथ नारायण काले, टी.सी. 40/363/2, स्यासरा १०३, द्वितीय पुथन स्ट्रीट, पो.आ. मनाचौड, तिरुअन्नतपुरम 695009, (केरल)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	240000/-
महाराष्ट्र -				**10432000/-**
46.	श्री निलेश बसंत केदार, अम्बादास जोशी वेद अध्ययन ज्ञानपीठ, विट्ठल मन्दिर के पास, मु.पो.माहुर, जिला नांदेड (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	324000/-
47.	श्री यशवन्त भास्कर पैठणे, कल्पतरु वेदपाठशाला, मं. नं. 20/29, भास्कर चान्दवे गणपति मार्ग, सोमवार पैठ, नासिक (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	336000/-

48.	श्री महेश चन्द्रकान्त रेखे, गोपाल, मु. पो. आलन्दी, देवाची तहसील जिला पुणे (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	312000/-
49.	श्री मधुर गोपालराव जोशी, श्रीगङ्गागोदावरी मन्दिर याज्ञवल्क्य वेद पाठशाला, त्र्यम्बकेश्वर, नासिक (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	428000/-
50.	श्री ललितादास अनन्तराव दंडे, द्वारा - चिन्मयमूर्ति वेद पाठशाला एन. जी. एच., 101/1, श्रीकृष्णनगर, औरंगाबाद (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 17 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	444000/-
51.	श्री नरहरि पद्माकर जोशी, श्री सद्गुरु ओंकारनाथ वेदविद्यालय, 251, आरोग्य नगर, संत तुकाराम महाविद्यालय के पास बसमत रोड, परभणी	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	252000/-
52.	श्री पाद शिवराम धायगुडे, वेदशास्त्र विद्यालय, 1481/शुक्रवार, पेठ मण्डई रास्ता, पुणे (महाराष्ट्र)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	240000/-
53.	श्री श्रीपाद कालिदास भोपी, लोकमान्य तिलक चौक, राम मन्दिर के पास, पोस्ट ओढ़ा नागनाथ, हिंगोली (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	192000/-
54.	श्री विश्वनाथ केशव जोशी, आध्यात्मिक प्रतिष्ठान, गोपालपुरा, आलन्दी, देवाची, तह. वेड, पुणे (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	240000/-
55.	श्री कृष्णमधुकर पलस्कर, समर्थ वेद विद्यालय, ता. पाथरी, परभणी (महाराष्ट्र)	सामवेद (राणायणीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	216000/-
56.	श्री देवेन्द्र रामचन्द्र गढीकर, श्री वे. के. जोशी, पोपट दामडे चाल, कृष्णा एजेंसी के पीछे, देहफाटा, आलन्दी, पुणे (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	240000/-
57.	श्री गुरुपसाद विनायक पुजारी, वेद शास्त्र विद्या संस्कृत मण्डल, कराड (महाराष्ट्र)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	264000/-
58.	श्री दुर्गादास शिवाजी अम्बुलगोलकर 148, शुक्रवारपैठ, शनिवार मंडई रोड, पुणे जिला जलगांव (महारष्ट्र)	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	288000/-

59.	श्री विष्णुप्रसाद गौतम, द्वारा जनकल्याण सेवाश्रम, सर्वे 110/ई, प्लाट नं.सी 10 , एण्ड कोलके विलेज, मण्डवई पुणे रोड, पानवेल (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 18 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	516000/-
60.	श्री चैतन्य नारायण काले, श्री योगीराज वेद विज्ञान आश्रम, कासावाडी, पो.ता. वार्षी, सोलापुर (महाराष्ट्र)	सामवेद (राणायणी शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	288000/-
61.	श्री मनोज बालाजी जोशी, द्वारा याज्ञवल्क्य काण्व वेद पाठशाला रामराव पंवार मार्ग, श्रीनगर, नांदेड जिला परभणी (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	336000/-
62.	श्री रमाकान्त श्रीराम जोशी, द्वारा - हनुमान वेदविद्यालय, मुकाम रामपुरी, 12, हनुमन्त मानवत, जिला परभणी (महाराष्ट्र)	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	156000/-
63.	श्री गणेश कल्याणराव कुलकर्णी, मुकाम पोस्ट जानेगांव, तह. गेवराई जिला बीड़ (महाराष्ट्र)	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	120000/-
64.	श्री महेश गंगाधर राव जोशी, द्वारा - श्री रामेश्वर वेद विद्यालय, रामसखा आश्रम, मुकाम पोस्ट सौताडा, तह. पातौदा जिला बीड़ (महाराष्ट्र)	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	384000/-
65.	श्री राम विनायक धानोरकर, श्री सद्गुरु शैक्षणिक व सांस्कृतिक प्रतिष्ठान साईबाबा मन्दिर, सुन्दरवाडी, जालना रोड, जिला औरंगाबाद (महाराष्ट्र)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	240000/-
66.	श्री तुकाराम दत्तात्रेय मूले, फ्लेट नं. - II, सुयश अपार्टमेण्ट, रेणुमाता मन्दिर के सामने, प्रोफेसर कॉलोनी, सांवेरी, अहमदनगर, जि.औरंगाबाद	सामवेद (राणायनीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	132000/-
67.	श्री प्रशांत कैलाशचन्द्र दायमा, द्वारा - श्री मारवाडी लेन राम मन्दिर, मेन रोड, मालेगांव, कैम्प ता. मालेगांव, नाशिक	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	336000/-
68.	श्री रवीन्द्र पैठणे, द्वारा - महर्षि गौतम गोदावरी वेदविद्या प्रतिष्ठान 11, उदय प्लाजा, सीता गुफा के सामने, पंचवटी, नाशिक (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	276000/-
69.	श्री गोविन्द पैठणे, द्वारा - महर्षि गौतम गोदावरी वेदविद्या प्रतिष्ठान 11, उदय प्लाजा, सीता गुफा के सामने, पंचवटी, नाशिक (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	240000/-

70.	श्री अक्षय भास्कररावरत्नपारखी, द्वारा - दत्त देवस्थान वेदान्त विद्यापीठम् , मनमाड रोड, सांवेडी, अहमदनगर, जि. अहमदनगर	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	204000/-
71.	श्री विनायक विलासराव जोशी, द्वारा - श्री रामेश्वर वेद विद्यालय रामसखा आश्रम, मु.पो. - ताडा, जिला - बीड	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	240000/-
72.	श्री अनन्त देवीदास चांदसीकर, द्वारा - श्री दत्त देवस्थान ट्रस्ट, सावेडी रोड, प्रेम दान चौक, जिला - अहमदनगर	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	120000/-
73.	श्री स्वानन्द शिवराम धायगुडे, श्री पुणे वेद पाठशाला ३८ बुधवार पेठ, जोगेश्वरी मन्दिर के पास, ताम्बडी	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	228000/-
74.	श्री प्रकाश सुरेश बापट, श्री पुणे वेद पाठशाला ३८ बुधवार पेठ, जोगेश्वरी मन्दिर के पास, ताम्बडी	कृष्ण यजुर्वेद (हिरण्यकेशी शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	240000/-
75.	श्री शैलेन्द्र प्रभाकर काकडे अडसरे संकुल टेलीफोन एक्सचेन्ज के पास, त्र्यम्बकेश्वर नासिक	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	288000/-
76.	श्री लम्बोदर महाबलेश्वर भट्ट, श्री दत्त देव स्थान ट्रस्ट, सावेडी रोड प्रेमदान चौक, जिला अहमदनगर	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	120000/-
77.	श्री अमोल राजाराम जोशी, श्रुतीगंध वेद पाठशाला ४ जगदम्बा सोसायटी, मंगल कार्यालय, जालना रोड जिला बीड	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	276000/-
78.	श्री प्रसन्न तुंगार, वेद पाठशाला, मकान न. २०२९ कल्पतरु, सोमवार पेठ पंचवटी जिला नाशिक	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	264000/-
79.	श्री विद्याधर मिश्र, वेद पाठशाला, वारियर फाउण्डेशन, परपुण्ड कोलावे गावीलेज केन्द्रा बैंक के सामने, नयी मुम्बई, पुणे रोड, पानवेल	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	360000/-
80.	श्री शंकर तुकाराम गलगलकर, म.नं. 2945, बडेव गल्ली, मु.पो. पंढरपुर, जिला सोलापुर 413304 (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	288000/-

81.	श्री श्यामसुन्दर मधुकर जोशी, योगेश्वर याज्ञवल्क्य वेद पाठशाला, प्लाट नं. 98, गुरुदत्त नगर, गारखेडा परिसर, औरंगाबाद - 431005 (महा.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	372000/-
82.	श्री अक्षय अशोकराव तेलेगांवकर, पुणे	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	264000/-
83.	श्री सागर पैठणे, द्वारा शंकर मठ, त्र्यम्बकेश्वर, नासिक (महा.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	368000/-
मध्यप्रदेश -				**13080660/-**
84.	श्री जयनारायण शर्मा, द्वारा - रामानुज वेदविद्यालय ट्रस्ट मूर्ति, रामघाट, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	408000/-
85.	श्री चन्दनदास वैष्णव, द्वारा श्री महर्षि गौतम गुरुकुल विद्यापीठ ग्राम - नवारा, तह. नेमावर, जि. - देवास (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	456000/-
86.	श्री दीपक शर्मा, द्वारा माँ वाघेश्वरी पद्माकर वैदिक संस्कृत विद्यालय, नृसिंह घाट, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 3 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	132000/-
87.	श्री महेश रावल, द्वारा श्री ब्रह्मर्षि कण्व विद्याधाम, 84, अभिषेक नगर, इन्दौर रोड, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	288000/-
88.	श्री बालकृष्ण त्रिवेदी, त्रिवेदी भवन, खचाराम की गली, लोहा मण्डी, ग्वालियर - 2 (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	360000/-
89.	श्री गोविन्दप्रसाद तिवारी, द्वारा - श्री विश्वनाथ वेदविद्यालय, भण्डावद तह. जीरापुर, जिला राजगढ (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 15 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	468000/-
90.	श्री रोहितकुमार मिश्र, महर्षि कण्व विद्याधाम, 84, अभिषेक नगर, इन्दौर रोड, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 14 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	456000/-
91.	श्री लोकेन्द्र शर्मा, श्री महामंगल परशुराम वेदविद्या प्रतिष्ठान, गोपाल धाम, अंकपात मार्ग, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	396000/-

92.	श्री राकेश शर्मा, श्री महामंगल परशुराम वेदविद्या प्रतिष्ठान, गोपाल धाम, अंकपात मार्ग, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 4 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	288000/-
93.	श्री मोहनलाल शर्मा, अखण्ड आश्रम वेद विद्यालय चारधाम मन्दिर, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	432000/-
94.	श्री अरुण कुमार रावल, श्री महामंगल परशुराम वेद विद्या प्रतिष्ठान गोपाल धाम, अंकपात मार्ग, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	288000/-
95.	श्री राहुल शर्मा, श्री महामंगल परशुराम वेद विद्या प्रतिष्ठान गोपाल धाम, अंकपात मार्ग, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	312000/-
96.	श्री गोपाल शर्मा, गोस्वामी तुलसीदास वेद वेदांग विद्यालय, बजंरग पुर, उडाना, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	360000/-
97.	श्री मयूर चतुर्वेदी, श्री महामंगल परशुराम वेद विद्या प्रतिष्ठान, गोपाल धाम, अंकपात मार्ग, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	492000/-
98.	श्री कमलेश कुमार शर्मा, महर्षि गर्ग वेद वेदांग विद्यालय, मन्दसौर (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	384000/-
99.	श्री कपिल शर्मा, महर्षि गर्ग वेद वेदांग विद्यालय, मन्दसौर (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	324000/-
100.	श्री गणेश मरासिनी, गोस्वामी तुलसीदास वेद वेदांग विद्यालय, बजंरग पुर, उडाना, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	324000/-
101.	श्री योगेश शर्मा, ग्राम व पोस्ट मालखेडा, जिला नीमच (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	312000/-
102.	श्री विकाश रावल, संस्कृति संवर्धन (गुरुकुल), न्यास चिन्तामणि सिद्ध क्षेत्र, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	340000/-
103.	श्री नागेश शर्मा, द्वारा - महर्षि काण्व विद्याधाम रत्नाखेडी रोड, चिन्तामण गणेश, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	426000/-

104.	श्री भैरवदत्त त्रिवेदी, त्रिवेदी भवन, खचाराम गली, लोहामण्डी, ग्वालियर	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	360000/-
105.	श्री दीपक शर्मा, संस्कृति संवर्धन (गुरुकुल), न्यास चिन्तामणि सिद्ध क्षेत्र, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	528000/-
106.	श्री सतीश कुमार शर्मा, संस्कृति संवर्धन (गुरुकुल), न्यास चिन्तामणि सिद्ध क्षेत्र, उज्जैन (म.प्र.)	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	362000/-
107.	श्री ओमप्रकाश सिंगदेल, द्वारा - महर्षि काण्व विद्याधाम रत्नाखेडी रोड, चिन्तामण गणेश, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 14 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	480000/-
108.	श्री महादेव शर्मा, द्वारा - श्री विश्वनाथ वेदविद्यालय, भण्डावद, तह. जीरापुर जिला - रायगढ़ (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 15 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	456000/-
109.	श्री सुनील शर्मा, त्रिपुरा वेद विद्यापीठ, ब्रह्म गायत्री मन्दिर, मारुति गंज, उर्दु पुरा उज्जैन	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	336000/-
110.	श्री रविन्द्र शर्मा, कृष्ण द्वेपायन शीशु गुंजन ब्रह्मचर्याश्रम वेदविद्यालय, रामराज्य गौ शाला, बडनगर रोड, उज्जैन	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	432000/-
111.	श्री मंगल दत्त शर्मा, कृष्ण द्वेपायन शीशु गुंजन ब्रह्मचर्याश्रम वेदविद्यालय, रामराज्य गौ शाला, बडनगर रोड, उज्जैन	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	384000/-
112.	श्री गंगाप्रसाद मिश्र, पंजाबी भगवान वेद पाठशाला, संकट मोचन हनुमान सेवा चेरिटेबल ट्रस्ट, जानकी कुण्ड, चित्रकुट (सतना)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	336000/-
113.	श्री ओमप्रकाश रमेश चन्द्र शर्मा, बडा चौक धुलेट, तह. सरदारपुर, धार	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	264000/-
114.	श्री विष्णु प्रसाद ज्ञानी, जगदगुरु आद्य शंकराचार्य वेद विद्यापीठ भानपुरा, जिला मन्दसौर	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 19 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	588000/-

115.	श्री दीपक शर्मा, श्री रंगनाथ वैदिक विश्व शिक्षासंस्थान श्री मारुति नन्दन धाम, ग्राम मुडेहरा, जिला कटनी	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	316000/-
116.	श्री पुष्पेन्दु कुमार आचार्य, श्री रंगनाथ वैदिक विश्व शिक्षासंस्थान, श्री मारुति नन्दन धाम, ग्राम मुडेहरा, जिला कटनी	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	314000/-
117.	श्री अवनीश कुमार त्रिवेदी, कात्यायनीय शक्तिपीठ कल्याण सेवा आश्रम, एम. एल. ए. रेस्टहाउस, खण्ड क्रमांक ३ के सामने, भोपाल	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	444000/-
118.	श्री धर्मेन्द्र शर्मा, श्री महामंगल परशुराम वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	234660/-
उड़ीसा -				**12044000/-**
119.	श्री शशांक शेखर उपाध्याय, कांची कामकोटि मठ, स्वर्ग द्वार, पुरी 752001 (उड़ीसा)	अथर्ववेद (पैप्पलाद शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	420000/-
120.	श्री सुरेन्द्रकुमार दाश, मुक्तिमण्डप पण्डित सभा, श्री जगन्नाथ मन्दिर, पुरी 752001 (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	432000/-
121.	श्री रामचन्द्र होता, मुक्तिमण्डप पण्डित सभा, श्री जगन्नाथ मन्दिर, पुरी 752001 (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	384000/-
122.	पं. श्री सरोज रंजन पण्डा, वेद विद्यालय द्वारा डॉ. गंगाधर पण्डा, कुमुटी बगीचा, अबाकास लेन, पुरी (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 39 वेद छात्रों-छात्राओं को छात्रवृत्ति	1056000/-
123.	पं. शेषदेव पाणिग्रही, वेद विद्यालय, केन्दुझरम्, वेद भवनम् (राजप्रसाद), केन्दुझर बाजार, उत्कल (उडीसा) 758002	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	408000/-
124.	श्री निराकार द्विवेदी, गुरुकुल वेद पाठशाला, बिशनपुर, पोस्ट सलानिया, जिला - केन्दुझर	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	420000/-
125.	श्री कृष्णचन्द्र पाढी, श्री गोपाल जेव वेद पाठशाला ग्राम - धारपुर, जिला कटक 754206 (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	348000/-

126.	श्री निरंजन आचार्य, माँ सरला वेद पाठशाला, पोस्ट- मलांडा, व्हाया कनकपुर, जि. जगतसिंहपुर	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	468000/-
127.	पं. श्री धर्मेन्द्र कुमार षडंगी, श्री रामचन्द्र स्वामी चेरिटेबल ट्रस्ट, लोकनाथ रोड, पुरी (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	348000/-
128.	श्री देवेन्द्र द्विवेदी, श्री रामचन्द्र स्वामी चेरिटेबल ट्रस्ट, लोकनाथ रोड, पुरी (उड़ीसा) 752001	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	348000/-
129.	श्री कृपासिन्धु पंडा, श्री देव्य शुक्ल यजुर्वेद काण्व वेद पाठशाला, दिव्यसिंगपुर, पोस्ट रायगुरपुर, व्हाया नीराकारपुर पुरी (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	488000/-
130.	श्री गोपालचन्द्र महापात्र, पूर्वामण्य गोवर्धन पाठशाला, श्री व्यास नारायण दास, पुरी (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 22 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	744000/-
131.	श्री श्रीकुमार महापात्र, श्रीतोरा गोपीनाथ आम्नाथ भागवत वेदपाठशाला, श्री तोटागोपीनाथ मन्दिर, गौरवारसाही, पुरी (उड़ीसा) 752001	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	264000/-
132.	श्री विरञ्चि नारायण रथ, श्री लिंगराज वैदिक शिक्षानुष्ठानम् Fr - 59/7 व 9, शैलश्री बिहार, फेज II, भुवनेश्वर - 21 (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	372000/-
133.	श्री प्रशान्तकुमार पति, वशिष्ठ गुरुकुल पाठशाला, तररादा, गंजाम 761140 (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 4 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	240000/-
134.	श्री रतिकान्त पाणिग्रही, पण्डित गोपालचन्द्र वेद ज्योति विज्ञान विद्यापीठम्, अमृत विहार, पोस्ट - धोबाशिला, व्हाया राजनीलगिरी, जनपद बलेश्वर - 756040	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 14 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	588000/-
135.	श्री सन्तोष कुमार पण्डा, पण्डित गोपालचन्द्र वेद ज्योति विज्ञान विद्यापीठम्, अमृत विहार, पोस्ट - धोबाशिला, व्हाया राजनीलगिरी जनपद बलेश्वर (उड़ीसा) 756040	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिनी शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	430000/-

136.	श्री विश्वरंजन चैनी, श्री रामकृष्ण वेद पाठशाला, पापुदिया मठ, पुरी - 752001 (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 18 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	552000/-
137.	श्री तपन कुमार महापात्र, श्री दिव्य शुक्ल यजुर्वेद काण्व वेद पाठशाला, दिव्यसिंहपुर, पो. रायगुरपुर, व्हाया निराकारपुर, जि. पुरी - 19 (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	372000/-
138.	श्री अविनाश कुमार पण्डा, द्वारा - श्री कांची कामकोटी पीठ स्वर्ग द्वार पुरी (उड़ीसा) 752001	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	336000/-
139.	श्री मुरारी मधुसूदन महापात्र, द्वारा - श्री रघुनाथ वेद पाठशाला, ग्रा.-मेथगढिया, पो.- कलिंग, व्हाया - हाटडिही जिला केन्द्रझर (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	288000/-
140.	श्री प्रियदर्शी देवाषीश द्विवेदी, द्वारा - श्री आत्माराम वेद विद्यालय, जटाधारी आश्रम, व्हाया - मडदा, जिला कटक (उड़ीसा) 754290	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	312000/-
141.	श्री ज्ञानेन्द्र षडंगी, द्वारा - श्री चन्द्रशेखर जी वेद पाठशाला ग्राम - वाडरुवा गदाधरपुर, पो. वालीपडा, जिला यद्वनपुर (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 17 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	540000/-
142.	श्री विक्रान्त पचौरी, द्वारा - श्री बशिष्ठा गुरुकुल वेद पाठशाला तनारडा, गंजाम जिला गंजाम (उडीसा) 761140	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिनी शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	370000/-
143.	श्री ओमपाल कुमार, द्वारा श्री गुरुकुल वेद पाठशाला हरिपुर ग्राम जुनवानी, पो. गोडफला नवापारा (उडीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	324000/-
144.	श्री आशुतोष मिश्र, वेद विद्यालय केन्दुझरम्, वेद भवनम् केन्दुझर, बाजार उत्कल, (उडीसा) 758002	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	372000/-
145.	श्री निरंजन महापात्र, श्री रघुनाथ वेद विद्यालय ग्राम कैथगडिआ, पो. कलिगां व्याहा हाटडिहि जिला केन्दुझर 758083 (उडीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	276000/-
146.	श्री दुर्गा प्रसाद त्रिपाठी, श्री यज्ञ ज्योति गुरुकुल वेद पाठशाला, ग्राम बालिउपर देप्रर शासन सातशेख जिला पुरी 752006 (उडीसा)	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	328000/-

147.	श्री सुदर्शन पण्डा, श्री झंकड शारदा वेद विद्यापीठम्, वडसारोल, जिला जगत सिंहपुर 754136 (उडीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 3 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	216000/-
राजस्थान -				**6012000/-**
148.	श्री रामजी जोशी, द्वारा - श्री ब्रह्मसावित्री वेदविद्यापीठ, पुष्कर न्यास, चामुण्डा माता मन्दिर रोड, सावित्री ढ़ाणी, पुष्कर जिला अजमेर (राज.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 17 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	420000/-
149.	श्री सुरेशचन्द्र शर्मा, द्वारा - श्री अक्षपाद गौतम विकास संस्थान एवं वेद विद्यालय, चन्देरिया जिला चित्तौडगढ	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	288000/-
150.	श्री बसन्त कुमार पण्डा, अलख वेद पाठशाला, गुरुकुल रश्मि ग्राम, तह. रश्मि चित्तौडगढ, (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	360000/-
151.	श्री भैरुलाल जोशी, द्वारा - श्री नारायण वेद संस्थान विलोड, भीलवाडा (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	288000/-
152.	श्री देवकृष्ण जोशी, द्वारा - श्रीनाथ वेदविद्यालय, बनास नदी मार्ग, ईमली बाजार, नाथद्वारा	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	324000/-
153.	श्री विनोदकुमार आमेटा, द्वारा - श्री कायावर्णेश्वर वेदविद्यापीठ, क्यासरा पंचायन समिति, डग जिला झालावाड	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 21 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	648000/-
154.	श्री बालमुकुन्द व्यास, द्वारा - श्री कायावर्णेश्वर वेदविद्यापीठ, क्यासरा पंचायन समिति, डग जिला झालावाड (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	372000/-
155.	श्री विश्रामकुमार शर्मा, द्वारा-श्री वेदाश्रम, संस्कृत महाविद्यालय के सामने, गुप्तेश्वर रोड, दौसा (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	516000/-
156.	श्री राजकुमार शर्मा, द्वारा-श्री वेदाश्रम, संस्कृत महाविद्यालय के सामने, गुप्तेश्वर रोड, दौसा (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 14 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	492000/-
157.	श्री वैभव जोशी, श्री ब्रह्म सावित्री वेद विद्या पीठ, पुष्कर न्यास चामुण्डा माता मन्दिर रोड, सावित्री ढ़ाणी पुष्कर, अजमेर (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	408000/-

158.	श्री बाबूलाल शर्मा, द्वारा - श्री कायावर्णेश्वर वेद विद्यापीठ समिति, कयासरा डग, जिला झालावड़ (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	396000/-
159.	श्री महादेव व्यास, श्री कायावर्णेश्वर वेद विद्यापीठ समिति, कयासरा डग, जिला झालावड़ (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	372000/-
160.	श्री विष्णु प्रसाद प्रधान, श्री कायावर्णेश्वर वेद विद्यापीठ समिति, कयासरा डग, जिला झालावाड़ (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	408000/-
161.	श्री नवल किशोर शर्मा नर्मदेश्वर संन्यास आश्रम परमार्थ ट्रस्ट, श्री संन्यास आश्रम महावीर, सरकिन गंज, अजमेर (राजस्थान) 305001	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	408000/-
162.	श्री रवि कुमार शर्मा कृष्ण तिवारी जी वेद विद्यालय किशनगढ, रैनवास, जयपुर (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	312000/-
तमिलनाडु -				**4624000/-**
163.	श्री परिपूर्ण कृपाकर शर्मा, सनाधन वेद शास्त्र ऋग्वेद पाठशाला 47 - A, कृष्णपुरम्, पोस्ट महाराजा नगर, तिरुनरवली 627011	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	420000/-
164.	श्री रवीन्द्र स्वामीगल, श्री रवीन्द्र स्वामीगल अरपानी ट्रस्ट, संस्कृत पाठशाला, पाथरकुडी, मानगिरि पोस्ट करईअकुडी, शिवगांगई 630307	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	408000/-
165.	पं. श्री पी. श्रीधर भट्ट, द वेद पाठशाला, जगद्गुरु सरस्वती ट्रस्ट, 109 - A, तिरुवेंकट स्वामी रोड (पश्चिम), आर. एस. पुरम, कोयम्बटूर	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	444000/-
166.	पं. श्री टी.एस. महाबलेश्वर भट्ट, द वेद पाठशाला, जगद्गुरु सरस्वती ट्रस्ट, 109 - A, तिरुवेंकट स्वामी रोड (पश्चिम), आर. एस. पुरम, कोयम्बटूर	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	384000/-
167.	श्री वी. राजगोपाल घनपाठीगल, नया नं. 476 (पुराना नं. 181), टी. टी. के. रोड, अलवरपेट, चैन्नई 600018	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 06 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	276000/-

168.	श्री एस. प्रवीणकुमार, श्री देय ट्रस्ट, 60, एम. एम. टी. सी. कॉलोनी, ननगनल्लूर, चैन्नई 600061 (तमिलनाडु)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 07 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	288000/-
169.	श्री बी. सनमुखराज, श्री देय ट्रस्ट, 60, एम. एम. टी. सी. कॉलोनी, ननगनल्लूर, चैन्नई 600061 (तमिलनाडु)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 09 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	348000/-
170.	श्री एस. विजयेन्द्र भारती, श्री ट्राई विद्या गुरुकुलम्, 28/181, ईस्ट उत्तर स्ट्रीट, श्रीरंगम, त्रिची 620006 (तमिलनाडु)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 07 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	288000/-
171.	श्री वी. सतीश शर्मा, श्री त्रई विद्या गुरुकुलम्, 28/181, ईस्ट उत्तर स्ट्रीट, श्रीरंगम, त्रिची 620006 (तमिलनाडु)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 07 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	288000/-
172.	श्री बी. एस. जयतीर्थ, द्वारा श्री ट्राई विद्या गुरुकुलम्, 28/181, ईस्ट उत्तर स्ट्रीट, श्रीरंगम, त्रिची 620006 (तमिलनाडु)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 09 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	384000/-
173.	एन. बालासुब्रमणियम, द्वारा वेदव्यास गुरुकुलम वेद पाठशाला, एसडीपी चेरिटीज, न. ६, बालासुब्रमणियम, क्रास स्ट्रीट नेमिलिचेरी, क्रोमपेट चैन्नई (तमिलनाडु) 600044	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 09 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	336000/-
174.	ए. नागसुब्रमणियम, द्वारा वेदव्यास गुरुकुलम वेद पाठशाला, एसडीपी चेरिटीज, न. ६, बालासुब्रमणियम, क्रास स्ट्रीट नेमिलिचेरी, क्रोमपेट चैन्नई (तमिलनाडु) 600044	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	360000/-
175.	श्री आर. राजेश कुमार गणपतिगल, श्री चतुर्वेद गणपति विद्यालय, तपस ट्रस्ट, 86/131, 1 फ्लोर, रायपेठा, चैन्नई 600014 (तमिलनाडु)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 15 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	400000/-
<u>उत्तरप्रदेश -</u>				**35017333/-**
176.	श्री अरुणकुमार तिवारी, द्वारा - श्री गरुढध्वज वेद पाठशाला, श्री गणेशानन्द आश्रम,मु.पो.(नरोली कुटी), धानापुर जिला चन्दौली (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	384000/-
177.	श्री रमेशकुमार द्विवेदी, द्वारा - श्री गरुढध्वज वेद पाठशाला, श्री गणेशानन्द आश्रम,मु.पो.(नरोली कुटी), धानापुर जिला चन्दौली (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	408000/-

178.	श्री अम्बरीश उपाध्याय, द्वारा - श्रीनेत्र पाल गुरुकुल वेद पाठशाला, गंगोत्री विहार, विठूर, कानपुर नगर 209201 (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	384000/-
179.	श्री सर्वेश्वर स्वरूप ब्रह्मचारी, द्वारा - श्री विष्णु महादेव वेद पाठशाला नर्वदेश्वरधाम,गौरीशंकर संस्थान,प्रतिष्ठान पुरी,झूंसी (इलाहाबाद) (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	408000/-
180.	श्री विष्णुप्रसाद पाण्डेय, द्वारा - श्री विष्णु महादेव वेद पाठशाला, नर्वदेश्वरधाम,गौरीशंकर संस्थान,प्रतिष्ठान पुरी,झूंसी(इलाहाबाद) (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	336000/-
181.	श्री चन्द्रभानु शर्मा, द्वारा श्री बद्रीभगत वेदविद्यालय सेवाधाम आश्रम ग्राम पो. बेहटा, हाजीपुर लोनी, गाजियाबाद	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	372000/-
182.	श्री रामकुमार शर्मा, द्वारा श्री बद्रीभगत वेदविद्यालय सेवाधाम आश्रम ग्राम पो. बेहटा, हाजीपुर लोनी, गाजियाबाद	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	312000/-
183.	श्री रामनाथ शर्मा, द्वारा - हयवरट ऋषिकुल वेद पाठशाला ग्राम + पोस्ट - कर्णवास, जिला - बुलन्दशहर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 14 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	456000/-
184.	श्री धनेश कुमार तिवारी, द्वारा - श्री गरुढ़ध्वज वेद पाठशाला, नेमिषारण्य जिला सीतापुर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	588000/-
185.	श्री प्रवीणकुमार पाण्डेय, द्वारा श्री शुक्ल वेद विद्यापीठ डी. 4/13, मीरघाट, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	240000/-
186.	श्री सुनील कुमार शर्मा, महर्षि भरद्वाज वेद विद्यालय, केसर भवन 14, पन्ना लाल मार्ग, इलाहाबाद	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	276000/-
187.	श्री इन्द्रदेव मिश्र, द्वारा - श्री राम वेद विद्यालय, कारसेवकपुरम्, जानकी घाट, परिक्रमा मार्ग, अयोध्य जिला फैजाबाद (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	372000/-
188.	श्री सत्यम शर्मा, सेवाधाम आश्रम, ग्राम पोस्ट बेहटा, हाजीपुर लानी, गाजियाबाद (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	336000/-

189.	श्री विद्यानन्द झा, द्वारा-श्री श्रीरामदास काठियाबाबा वेद पाठशाला, बी 3/310, शिवाला, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	360000/-
190.	श्री पद्मभूषण मिश्र, द्वारा-श्री श्रीरामदास काठियाबाबा वेद पाठशाला, बी 3/310, शिवाला, वाराणसी (उ.प्र.)	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	354000/-
191.	श्री संजयकुमार पाण्डेय, द्वारा-श्री श्रीरामदास काठियाबाबा वेद पाठशाला, बी 3/310, शिवाला, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	342000/-
192.	श्री जगतनारायण गौतम, गुरु कार्षिणी वेद विद्यालय, ब्रह्माण्ड घाट, रमजरेती, पोस्ट गोकुल महावन, मथुरा (उ.प्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 20 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	600000/-
193.	श्री योगेशदत्त शर्मा, द्वारा - श्री महर्षि वेद व्यास वेद विद्यापीठ डी. 134, महेन्द्रा एन्क्लेव, शास्त्रीनगर, (सिल्वर साइंस स्कूल के पास), गाजियाबाद (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 18 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	528000/-
194.	श्री दीपककुमार शर्मा, द्वारा - श्री विद्यासाधना पीठ, गणेशबाग शिव सदन, नगवा लंका, वाराणसी 221005 (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	360000/-
195.	श्री अनयमणि त्रिपाठी, द्वारा - श्रीनाथ शास्त्री वेद पाठशाला, वी. 1/148 सी-10 के 2 अस्सी, वाराणसी 221005 (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	474000/-
196.	श्री उमेश ओझा देवी पाटेश्वरी वेदपाठशाला, नयाघाट, अयोध्या (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 15 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	480000/-
197.	श्री राजन पाण्डेय द्वारा - श्री राम वेद विद्यालय, क्रीडागंज, इलाहाबाद (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	282000/-
198.	श्री अमितकुमार पाण्डेय, द्वारा श्री रामदेव शास्त्र अनुसन्धान एवं संस्कृत शिक्षण / प्रशिक्षण केन्द्र, बी - 22-422 ए, खोजवा, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	402333/-

199.	श्री पशुपतिनाथ मिश्र, द्वारा श्री रामदेव शास्त्र अनुसन्धान एवं संस्कृत शिक्षण / प्रशिक्षण केन्द्र, बी - 22-422 ए, खोजवा, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	242000/-
200.	श्री कमलराज उपाध्याय, द्वारा रुक्मणी वल्लभ धाम सेवा न्यासि अवन्तिका देवी, पोस्ट आहार, बुलन्दशहर	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 27 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	984000/-
201.	श्री नारायणदत्त मिश्र, महर्षि वेद व्यास वेद विद्यालय, महेन्द्रा एन्क्लेव, सिल्वर लाईन स्कूल के पास, शास्त्री नगर, गाजियाबाद (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	320000/-
202.	श्री महामायादत्त पाराशर, द्वारा - माता गायत्री संस्कृत वेद मन्दिर गिर्दबडगांव (महाराजगंज), मनहर, स.र.न. भदोरई	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	384000/-
203.	श्री पुरुषोत्तम प्रधान, द्वारा - गुरुकार्षिणी वेद विद्यालय, ब्रह्माण्ड घाट, रमणरेती, पोस्ट गोकुल महावन, मथुरा (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	348000/-
204.	श्री रामजीप्रसाद मिश्र द्वारा - श्री गरुडध्वज वेद पाठशाला, नैमिषारण्य, जिला सीतापुर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	564000/-
205.	श्री मणिप्रकाश पाण्डेय, द्वारा - सुभद्राकुमारी शिशु पाण्डेय स्कूल परिसर बस्ती, पुरानी बस्ती (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	288000/-
206.	आचार्य पंकज कुमार शर्मा, द्वारा महर्षि भारद्वाज वेद वेदाङ्ग शिक्षण केन्द्र 21/16, महावीर भवन, हाशिमपुर मार्ग, इलाहाबाद (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	264000/-
207.	श्री अगस्त्यकुमार द्विवेदी, माँ विन्ध्यवासिनी श्रवण वेद पाठशाला बावली चौराहा, विन्ध्याचल, मिर्जापुर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	168000/-
208.	श्री राममुरत त्रिवेदी, द्वारा - श्री भृगवेद विद्यालय पट्टी विट्ठलपुर, चितोरा जनपद - फतेहपुर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	438000/-
209.	आचार्य शंकर झा, द्वारा - श्रीमती राधादेवी वेदविद्यालय प्लाट नं. 369/1, मुहल्ल-सराय नन्दन खोजवां, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	252000/-

210.	श्री चेतन शर्मा, द्वारा - श्री राम वेद शास्त्र अनुसन्धान एवं संस्कृत शिक्षण-प्रशिक्षण केन्द्र, B - 22/422 ए, खोजवा, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	329667/-
211.	श्री रिकेन्द्र पाण्डेय, ब्रह्मा वेद विद्यालय, संचालित श्री स्वामी शीतल दास सेवा ट्रस्ट, बी १/८८, अस्सी, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	360000/-
212.	श्री अनिरुद्ध पेठकर, द्वारा - श्री जयेन्द्र सरस्वती वेद पाठशाला B - 4/62, हनुमान घाट, वाराणसी २२१००१	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	288000/-
213.	श्री साकेत बिहारी द्विवेदी, द्वारा - श्री जयेन्द्र सरस्वती वेद पाठशाला B - 4/62, हनुमान घाट, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	288000/-
214.	श्री गोकुल भण्डारी, द्वारा - श्री जूना अखाडा वेद-वेदान्त भारतीय ब्रह्म विद्यालय, B - 21/119, जपेश्वर महादेव समाधि मन्दिर, बैजनत्था, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	384000/-
215.	श्री राघव त्रिवेदी, द्वारा - श्री गोपाल प्रसाद शर्मा इमली बजरिया पोखट मुहल्ला, अनूपशहर, बुलन्दशहर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	336000/-
216.	श्री रामदेव शुक्ल, द्वारा - श्री गोपाल प्रसाद शर्मा, इमली बजरिया पोखट मुहल्ला, अनूपशहर, बुलन्दशहर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	360000/-
217.	श्री हरिसेवक मिश्र, द्वारा - श्री गोपाल प्रसाद शर्मा इमली बजरिया पोखट मुहल्ला, अनूपशहर, बुलन्दशहर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	336000/-
218.	श्री दुर्गा प्रसाद गौतम, द्वारा - श्री रामवेद विद्यालय, कारसेवकपुरम, जानकी घाट, परिक्रमा मार्ग, अयोध्या (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	324000/-
219.	श्री नरेश शर्मा, द्वारा - हयवरट ऋषिकुल वेदपाठशाला ग्राम पोस्ट - कर्णवास, बुलन्दशहर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 17 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	528000/-
220.	श्री विपिन कुमार शुक्ल, द्वारा - हयवरट ऋषिकुल वेदपाठशाला ग्राम पोस्ट - कर्णवास, बुलन्दशहर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 15 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	480000/-

221.	श्री मनोज कुमार झा, द्वारा - श्री साधना मन्दिर वेद विद्यालय पटेल मार्ग, गाजियाबाद (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	276000/-
222.	श्री रामप्रताप शुक्ल, सी - 8, दौलतपुर, पाण्डेय पुर, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	334000/-
223.	श्री टीकाराम रिजाल, द्वारा - वेदमूर्ति श्री विश्वनाथ देव गुरुकुल 106 ए, ब्रज इन्क्लेव कॉलोनी, पानी टंकी के सामने, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	384000/-
224.	श्री कन्हैया कुमार मिश्रा, द्वारा - श्री राजेश मिश्रा ग्राम पोस्ट - पटियाली, मुहल्ला - मिश्राना, जिला काशीराम नगर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	432000/-
225.	श्री ललित कुमार शुक्ल, द्वारा - श्री राजेश मिश्रा, ग्राम पोस्ट - पटियाली, मुहल्ला - मिश्राना, जिला काशीराम नगर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	408000/-
226.	श्री विवेक कुमार शर्मा, द्वारा - श्री पं. नेत्रपाल गुरुकुल कल्यानपुर ग्राम - पोस्ट - ब्रह्मपुरी, हथलेडी, जनपद एटा (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	360000/-
227.	श्री बिपिन चन्द्र झा, द्वारा - स्वामी श्री करपात्री वेदशास्त्र एवं अनुसन्धान केन्द्र,दुर्गाकुण्ड, वाराणसी (उ.प्र.)	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	360000/-
228.	श्री आनन्द तिवारी, द्वारा - स्वामी श्री करपात्री वेदशास्त्र एवं अनुसन्धान केन्द्र,दुर्गाकुण्ड, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	444000/-
229.	श्री राकेश कुमार मिश्र, द्वारा - श्री रामकृष्णा वेद विद्या पीठ 108/67, गांधीनगर, कानपुर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	324000/-
230.	श्री कृष्णकान्त शर्मा, द्वारा - श्री भरद्वाज शिक्षा निकेतन मकान नं. 50, कैलाश नगर, शिव मन्दिर, गाजियाबाद (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	382000/-
231.	श्री गोपाल दहाल, द्वारा - श्री सच्चा बाबा गुरुकुल वेद विद्यालय बिठूर कानपुर नगर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 22 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1020000/-
232.	श्री पंकज काफले, द्वारा-महर्षि भरद्वाज वैदिक गुरुकुल लवकुश आश्रम, लवकुश नगर, बिठूर, कानपुर नगर	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	336000/-

233.	श्री पवन दुबे, द्वारा - श्री अरुण कुमार वेद वेदान्त विद्यालय, ग्राम - धुसाह, बहराइयरोड, प्राइमरी पाठशाला के निकट पोस्ट तथा जनपद - बलरामपुर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	300000/-
234.	श्री रंजीत तिवारी, द्वारा - गुरुकुल आर्ष कन्या विद्यापीठ कोतवाली रोड, नजीबाबाद, बिजनोर (उ.प्र.)	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 16 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	540000/-
235.	श्री राकेश तिवारी, द्वारा - पाणिनी कन्या महाविद्यालय महमूर गंज, तुलसीपुर, वाराणसी	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 14 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	436000/-
236.	श्री हरिओम द्विवेदी, द्वारा - पाणिनी कन्या महाविद्यालय महमूर गंज, तुलसीपुर, वाराणसी	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	384000/-
237.	श्री हितेश कुमार अवस्थी, द्वारा - श्री जगद्गुरु रामानन्दाचार्य, स्वामी श्री धराचार्य जी महाराज, परमार्थ सेवा समिति, मधुसूदन धर्म सेतु ट्रस्ट, अशर्फी भवन, अयोध्या (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	372000/-
238.	श्री चन्द्रशेखर तिवारी, भारद्वाज शिक्षा निकेतन, म.न. ५० कैलाश नगर, शिवमन्दिर, गाजियाबाद (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	366000/-
239.	श्री मोहन दुबे, श्री जूना अखाडा वेद वेदान्त भारतीय ब्रह्म विद्यालय बी २१/११९, जपेश्वर महादेव समाधि मन्दिर, बैजनत्था, वाराणसी	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	384000/-
240.	श्री नागेश्वर शर्मा, आदिगुरु श्री दत्तात्रेय वेद विद्यालय, डी ३६/२००, अगस्त्य कुण्ड, दशाश्वमेध घाट, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	288000/-
241.	श्री विपिन शर्मा, श्रीराम वेद विद्यालय कारसेवक पुरम् जानकी घाट, परिक्रमा मार्ग, अयोध्या, फैजाबाद (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	276000/-
242.	श्री अवधेशकुमार दुबे, श्री महर्षि कौथिक वेद विद्यालय, ग्राम फरेन्दा जागीर, पोस्ट महाराज गंज, बस्ती (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	420000/-

243.	श्री दीपक कुमार अवस्थी, सर्व मंगला सांगोपांग वेद विद्यालय गोला कुंआ विल्कन धाम ग्राम बेलोन डिबाई, बुलन्दशहर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	358000/-
244.	श्री भोलाशंकर शर्मा, श्री दयानन्द आर्ष संस्थान आर्ष गुरुकुल गोथाला पिंगरी मार्ग, विजल नगर दखोला, मथुरा (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	332000/-
245.	श्री नवराजपन्त, श्री धर्म सम्राट् स्वामी करपात्री स्मृति कृति संस्थानम्, द्वारा संचालित कोटेश्वर महादेव वेद विद्यालय, इलाहाबाद	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	264000/-
246.	श्री सत्यकुमार तिवारी, श्री स्वामी करपात्री वेदशास्त्र अनुसंधान केन्द्र, धर्मसंघ दुर्गाकुण्ड, वाराणसी	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	342000/-
247.	श्री सूर्यमणि भण्डारी, श्री नारायण वेदविद्या मन्दिर पो. कर्णवास, बुलन्दशहर २०३००१	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	372000/-
248.	श्री सनतकुमार त्रिपाठी, आचार्य श्री नाथ शास्त्री वेद पाठशाला बी-१/१४८, सी १०, के २, अस्सी, वाराणसी	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	342000/-
249.	श्री अरुण कुमार शुक्ल, श्री विष्णु महादेव वेद पाठशाला गंगातट कोहना प्रतिष्ठान पुरी झूंसी, इलाहाबाद	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	432000/-
250.	श्री प्रवीण कुमार कर, श्री सच्चा बाबा गुरुकुल वेद विद्यालय बिठूर, कानपुर नगर	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	480000/-
251.	श्री गोपाल शर्मा, श्री ठाकुर रमण बिहारी वेद विद्यालय तलहटी आश्रम अन्थोर परिक्रमा मार्ग, गोवर्धन मथुरा	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	382000/-
252.	श्री रत्नाकर मिश्र, श्री स्वामी करपात्री वेद शास्त्र अनुसन्धान केन्द्र, धर्मसंघ दुर्गाकुण्ड, वाराणसी	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	372000/-
253.	श्री मणिकान्त मिश्र, द्वारा - श्री जयेन्द्र सरस्वती वेद पाठशाला B - 4/62 हनुमान घाट, वाराणसी	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	174000/-

254.	श्री विकास नन्दन मिश्र, आदि गुरु श्री दत्तात्रेय वेद विद्यालय ग्राम हुन्सेपुर पो. कबूलपुर, जिला जौनपुर	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	396000/-
255.	श्री अशोकशास्त्री गोडशे, कांची शंकर वेद विद्यालय वेदभवन प्रमोद वन, अयोध्या, फैजाबाद	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	180000/-
256.	श्री ब्रजेश शर्मा, महर्षि वेदव्यास विद्यापीठ, डी १३४, महेन्द्रा एन्क्लेव सिल्वर लाइन स्कूल के पास, शास्त्री नगर, गाजियाबाद	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 15 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	516000/-
257.	श्री आशीष मिश्र, श्रीराम वेदशास्त्र अनुसंधान एवं संस्कृति शिक्षण प्रशिक्षण केन्द्र, बी ३४/३७ जी १ आर सराय नन्द, दशमी वाराणसी	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	305000/-
258.	श्री कौशल किशोर पाण्डेय, श्री स्वामी करपात्री वेदशास्त्र अनुसंधान केन्द्र, धर्मसंघ दुर्गाकुण्ड, वाराणसी	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	230000/-
259.	श्री राहुल पाण्डेय, श्री चेल्ला सुब्बाराव शास्त्री वेद विद्यालय एवं न्याय अनुसंधान केन्द्र, बी ६/२० सी सोनारपुर, वाराणसी	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	324000/-
260.	श्री अलकेश पाण्डेय, द्वारा - श्री जयेन्द्र सरस्वती वेद पाठशाला, B - 4/62, हनुमान घाट, वाराणसी २२१००१	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	276000/-
261.	श्री घनश्याम शुक्ल, महर्षि दयानन्द आर्ष गुरुकुल ब्रह्म आश्रम संस्कृत, महाविद्यालय, राजघाट, नरौरा बुलन्दशहर	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	346000/-
262.	श्री शिवराम शर्मा श्री नारायण वेद विद्या मन्दिर, पो. कर्णवास बुलन्दशहर	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	408000/-
263.	श्री अमित कुमार पाण्डेय, श्रीराम वेदशास्त्र अनुसंधान एवं संस्कृति शिक्षण प्रशिक्षण केन्द्र, बी ३४/३७ जी १ आर सराय नन्द, दशमी वाराणसी	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	402333/-

264.	श्री देवेन्द्रदत्त दुबे, श्री नारायण वेद विद्या मन्दिर, पो. कर्णवास बुलन्दशहर	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	420000/-
265.	श्री दिवाकर शर्मा, ठाकुर श्री रमण विहारी वेद विद्यालय, तलहटी आश्रम अन्थोर परिक्रमा मार्ग, गोवर्धन मथुरा	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	360000/-
266.	श्री संतोष कुमार महापात्र, श्री सन्त ज्ञानेश्वर वेद विद्यालय, आनन्द वारिमा वृन्दावन, मथुरा	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	318000/-
267.	श्री संजीव शर्मा, द्वारा - श्री महर्षि वेद व्यास वेद विद्यापीठ, डी. 134, महेन्द्रा एन्क्लेव, शास्त्रीनगर, (सिल्वर साइंस स्कूल के पास), गाजियाबाद	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 15 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	540000/-
<u>उत्तराखण्ड -</u>				**3084000/-**
268.	श्री शिवकुमार मालवीय, श्री गायत्री वेद विद्यालय, कृष्ण होम, 13 जीवनी भाई मार्ग, ऋषिकेश	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 21 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	672000/-
269.	श्री दिलीपकुमार त्रिपाठी, श्री स्वामीनारायण वैदिक ऋषिकुल, शीशम झाडी,मुनि की रेती,निकट शासकीय स्कूल, ऋषिकेश, जि.टिहरी गढ़वाल	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 16 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	552000/-
270.	श्री नारायणप्रसाद भट्टराई, श्री स्वामीनारायण वैदिक ऋषिकुल, शीशम झाडी, मुनि की रेती, निकट शासकीय स्कूल,ऋषिकेश,जि.टिहरी गढ़वाल	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 19 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	600000/-
271.	श्री प्रदीप कुमार पाण्डेय, समन्वय वेद विद्यालय, भारत माता मन्दिर, सप्त सरोवर रोड, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	288000/-
272.	श्री दिव्यांशु शुक्ल, समन्वय वेद विद्यालय, भारत माता मन्दिर, सप्त सरोवर रोड, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	240000/-
273.	श्री हरेन्द्र कुमार उपाध्याय, द्वारा - श्री स्वामी वागीश्वरा नन्द वेद विद्यालय, भूपत वाल, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 24 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	732000/-

पश्चिम बंगाल -				**1104000/-**
274.	श्री चन्दन कुमार मिश्र, श्री गौरांग वेदविद्यालय, ग्राम बाकली, पो. दक्षिण गोविन्दपुर, जिला दक्षिण 24 परगना 7000145 कोलकाता	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	408000/-
275.	श्री रामरूप मिश्र, श्री गौरांग वेदविद्यालय, ग्राम बाकली, पो. दक्षिण गोविन्दपुर, जिला दक्षिण 24 परगना 7000145 कोलकाता	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	348000/-
276.	श्री स्वाधीन वस्तया, द्वारा - अमिता रंजन सांकरीवाला वेद विद्या मन्दिर, पो. फुलुई, जिला - हुगली	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	348000/-
			कुल राशि	**99669993/-**

अनुबन्ध - 5 (ब)

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

वर्ष 2013-2014 के दौरान पूर्वोत्तर राज्यों में वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने की योजना के अन्तर्गत विभिन्न यूनिटों को जारी अनुदान का विवरण

क्र.सं.	पाठशाला अथवा स्वाध्यायी अध्यापकों का नाम जिन्हें अनुदान दिया गया	वेद तथा शाखा	प्रयोजन	राशि
<u>असम -</u>				1710000/-
1.	श्री नेत्र प्रसाद पराजुलि न्यू मार्केट रोड, तवांग, अरुणाचल प्रदेश	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 4 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	252000
2.	श्री खगेन्द्र प्रसाद उपाध्याय शिवालय मन्दिर, ग्राम - बरजारनी, जिला सोनीतपुर 784172 (असम)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 4 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	228000
3.	श्री प्रभात कुमार कर पंच कन्या धाम संस्कृत विद्यापीठ, गुवाहाटी (असम)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	312000
4.	श्री नरेश कु. पाढी, श्री रामानन्द देव गोस्वामी संस्कृत वेद पाठशाला जिला जोरहाट माझुली (असम)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	102000
5.	श्री खेमराज कोईराला, श्री रामानन्द देव गोस्वामी संस्कृत वेद पाठशाला जिला जोरहाट माझुली (असम)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	96000
6.	श्री कृष्ण खनाल, श्री रामानन्द देव गोस्वामी संस्कृत वेद पाठशाला जिला जोरहाट माझुली (असम)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	96000
7.	श्री दिलीप खनाल, मृत्युंजय वेद विद्यापीठा जिला नौगाँव (असम)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	360000

8.	श्री भेषराज दुलाल, मृत्युंजय वेद विद्यापीठा जिला नौगाँव (असम)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	78000
9.	श्री हेम अधिकारी, मणिपुर वेद विद्यापीठ चारहजारे मोटबुंग मणिपुर 795107	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	66000
10.	श्री बलराम व्यास, धर्मोदय वेद विज्ञान गुरुकुल, ग्राम सन्तोलाबारी मणिपुर 795122	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 15 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	120000
			कुल राशि	**1710000/-**

Statement - 1 (Pathashala Scheme) Actual 2013-14 and Budget Estimates during the year 2014-15

	Year	No. of Pathshalas	No. of Teacher	No. of Students	Honorarium to Teachers	Stipend to Student	Contingency Amount	Total Grant
B.E.	2011-12	60	350	3100	252.00	372.00	65.00	689.00
Actual	2011-12	59	387	2816	264.18	319.43	70.46	654.07
B.E.	2012-13	80	500	3700	739.20	888.00	207.80	1835.00
Actual	2012-13	70	422	3550	844.48	1026.14	101.90	1972.52
B.E.	2013-14	77	566	4215	820.00	1030.00	100.00	1950.00
Actual	2013-14	70	435	3331	615.62	729.74	-	1345.36
B.E.	2014-15	82	640	4264	879.30	951.36	115.82	1946.48

Total B.E. 2013-14 Rs. 1950 Lakhs

Statement - 2 (Gurushishya Parampara Scheme) Actual 2013-14 and Budget Estimates during the year 2014-15

	Year	No. of Pathshalas	No. of Teacher	No. of Students	Honorarium to Teachers	Stipend to Student	Contingency Amount	Total Grant
B.E.	2011-12	230	230	1900	138.00	114.00		252.00
Actual	2011-12	273	273	2578	142.85	126.00		268.85
B.E.	2012-13	300	300	2400	360.00	276.00		936.00
Actual	2012-13	267	267	3156	1015.00			1015.00
B.E.	2013-14	250	250	3200	1100.00			1100.00
Actual	2013-14	294	294	2755	1317.47	-		1347.47
B.E.	2014-15	351	351	3034	376.20	782.32		1158.52

अनुबन्ध - 6

प्रतिष्ठान द्वारा प्रकाशित पुस्तकें

1.	द वेद एण्ड इंडियन कल्चर (अंग्रेजी) लेखक : प्रो. किरीट जोशी	मूल्य 95/–
2.	इश्यूज इन वैदिक मेथेमेटिक्स (अंग्रेजी) लेखक : श्री एच.सी. खरे	मूल्य 95/–
3.	ज्योतिषां ज्योतिः (संस्कृत) लेखक : श्री जगन्नाथ वेदालंकार	मूल्य 250/–
4.	ज्योतिषां ज्योतिः (हिन्दी) लेखक : श्री जगन्नाथ वेदालंकार	मूल्य 250/–
5.	भोजदेवविरचितं सरस्वतीकण्ठाभरणवैदिकव्याकरणम् (मूल एवं गुजराती अनुवाद सहित) लेखक : डॉ. एन.एम. कन्सारा	मूल्य 400/–
6.	इश्यूज इन वैदिक एस्टानामी एण्ड एस्टालॉजी (अंग्रेजी) लेखक : डॉ. हरिभाई पण्ड्या, डॉ. सोमदत्त दीक्षित, डॉ. एन.एम. कन्सारा	मूल्य 120/–
7.	माध्यन्दिन क्रमपाठः (मूल) लेखक : श्री युधिष्ठिर मीमांसक	मूल्य 250/–
8.	द एनसिलरी लिटरेचर ऑफ द अथर्ववेद (अंग्रेजी) लेखक : श्री बी.आर. मोडक	मूल्य 300/–
9.	वेद का अर्थ (अंग्रेजी एवं हिन्दी) लेखक : डॉ. जगन्नाथ वेदालंकार	मूल्य 30/–
10.	वैदिक साहित्य (अंग्रेजी एवं हिन्दी) लेखक : प्रो. किरीट जोशी	मूल्य 30/–
11.	इश्यूज इन वेद एण्ड एस्टालॉजी (अंग्रेजी) लेखक : श्री हरिभाई पण्ड्या	मूल्य 150/–
12.	लेआउट फॉर डिफरेन्ट सक्रीफाईसेज (अंग्रेजी) लेखक : डॉ. आर.पी. कुलकर्णी	मूल्य 200/–
13.	वैदिक वाङ्मय में विज्ञान (हिन्दी) लेखक : डॉ. रामेश्वरदयाल गुप्त	मूल्य 200/–
14.	चार शुल्ब सूत्र (हिन्दी) लेखक : डॉ. आर.पी. कुलकर्णी	मूल्य 320/–
15.	द कान्सेप्ट ऑफ पुरुषार्थ (अंग्रेजी) लेखक : डॉ. एस.सी. चक्रवर्ती	मूल्य 185/–
16.	वैदिक शिक्षा पद्धति (हिन्दी) लेखक : डॉ. भास्कर मिश्र	मूल्य 270/–
17.	वैदिक सिम्बोलिज्म (अंग्रेजी) लेखक : प्रो. सत्यप्रकाश सिंह	मूल्य 795/–
18.	काण्व–शतपथम् (मूल संस्कृत) सम्पादक : डॉ. जी.डब्ल्यू. पिम्पलापुरे	मूल्य 750/–
19.	ग्लिम्पसेज ऑफ वैदिक लिटरेचर (अंग्रेजी) लेखक : प्रो. किरीट जोशी	मूल्य 160/–
20.	वराहमिहिर–विरचित–पंचसिद्धान्तिका (अंग्रेजी) लेखक : श्री के.वी. शर्मा	मूल्य 350/–

21.	वेदकालीन प्रोद्योगिकी (कुछ आयाम) सम्पादक : प्रो. ओम्प्रकाश पाण्डेय	मूल्य 110/–
22.	वैदिक इतिहास एवं पुरातत्त्व की अद्यतन प्रवृत्तियाँ सम्पादक : प्रो. ओम्प्रकाश पाण्डेय	मूल्य 135/–
23.	गौतम ऋषियों का वैदिक वाङ्मय में योगदान लेखक : डॉ. केशव प्रसाद मिश्र	मूल्य 120/–
24.	ऋग्वेदीय दर्शन एवं प्रमुख दार्शनिक सूक्त लेखक : डॉ. मुरलीमनोहर पाठक	मूल्य 220/–
25.	ब्राह्मण ग्रन्थों में आचार–दर्शन लेखक : डॉ. प्रज्ञा पाण्डेय	मूल्य 250/–
26.	वेद मीमांसा (भाग–1) (मूल बंगला का हिन्दी अनुवाद) श्री अनिर्वाण, हिन्दी अनुवादक : श्री छविनाथ मिश्र	मूल्य 220/–
27.	वेद मीमांसा (भाग–2) (मूल बंगला का हिन्दी अनुवाद) श्री अनिर्वाण, हिन्दी अनुवादक : श्री छविनाथ मिश्र	मूल्य 245/–
28.	वेद मीमांसा (भाग–3) (मूल बंगला का हिन्दी अनुवाद) श्री अनिर्वाण, हिन्दी अनुवादक : श्री छविनाथ मिश्र	मूल्य 360/–
29.	वैदिक खिलसूक्त मीमांसा लेखक : प्रो. ओम्प्रकाश पाण्डेय	मूल्य 225/–
30.	वैदिक अनुष्ठानों का मनोवैज्ञानिक अनुशीलन लेखक : डॉ. मानसी शुक्ला त्रिवेदी	मूल्य 140/–
31.	वैदिक वाङ्मय में महर्षि कात्यायन का योगदान लेखक : डॉ. अनूप मिश्र	मूल्य 175/–
32.	वैदिक यज्ञ संस्था और वेद विज्ञान सम्पादक : प्रो. ओम्प्रकाश पाण्डेय	मूल्य 500/–
33.	वैदिक शिक्षा के आदर्श एवं मूल्य सम्पादक : प्रो. ओम्प्रकाश पाण्डेय	मूल्य 165/–
34.	सामवेदीय साहित्य संस्कृति कला और धर्म दर्शन लेखक : प्रो. ओम्प्रकाश पाण्डेय	मूल्य 250/–
35.	अश्वमेध विवेकः लेखक : डॉ. दिवाकर महापत्र	मूल्य 150/–
36.	वेदाज द सोर्स ऑफ अल्टीमेट साइंस लेखक : डॉ. श्रीराम वर्मा	मूल्य 300/–
37.	वैष्णम आगम के वैदिक आधार लेखक : डॉ. चन्द्रा चतुर्वेदी	मूल्य 200/–
38.	अथर्ववेदीय परिशिष्ट ग्रन्थों का परिशीलन लेखक : डॉ. अंजुल दुबे	मूल्य 175/–
39.	नाट्यशास्त्र का वैदिक आधार लेखक : डॉ. निहारिका चतुर्वेदी	मूल्य 175/–
40.	श्री सायणाचार्य एवं पं. श्रीपाद दामोदरसातवलेकर कृत वेदभाष्यों का तुलनात्मक अनुशीलन लेखक : डॉ. मीनाक्षी श्रीवास्तव	मूल्य 290/–

41.	अथर्ववेदीय दर्शन लेखक : डॉ. सुमनलता रस्तोगी	मूल्य 450/–
42.	आर्य एवं आर्य संस्कृति लेखक : श्री सोती वीरेन्द्र चन्द्र	मूल्य 150/–
43.	अमूर्त वैदिक देवता लेखक : डॉ. लक्ष्मी मिश्रा	मूल्य 165/–
44.	सर्ववेद रुद्राध्याय संग्रहः प्रधान सम्पादक : प्रो. ओम्प्रकाश पाण्डेय सम्पादिका एवं व्याख्याकर्त्री : डॉ. प्रज्ञा पाण्डेय	मूल्य 230/–
45.	होलिस्टिक अप्रोच ऑफ द वेदाज लेखक : प्रो. दयानन्द भार्गव	मूल्य 320/–
46.	महामहोपाध्यायचिन्नस्वामिशास्त्रिणां जन्मशताब्द स्मारक ग्रन्थः सम्पादक : डॉ. मण्डन मिश्र	मूल्य 350/–
47.	अथर्ववेदीय व्रात्यसूक्त सम्पादक : प्रो. श्रीकिशोर मिश्र	मूल्य 100/–
48.	बाष्कलमन्त्रोपनिषद् सम्पादक : प्रो. श्रीकिशोर मिश्र	मूल्य 75/–
49.	मूल्याध्याय परिशिष्टम् सम्पादक : प्रो. श्रीकिशोर मिश्र	मूल्य 75/–
50.	शाङ्खायनशाखीयो रुद्रपाठ संग्रहः सम्पादक : प्रो. रूपकिशोर शास्त्री	मूल्य 50/–
51.	शाङ्खायनशाखीया ऋग्वेदसंहिता (1-4) सम्पादक :डा. अमलधारी सिंह	मूल्य 2000/–
52.	उणादिनिरुक्तिव्युत्पत्तिकोषः सम्पादक :प्रो. रूप किशोर शास्त्री	मूल्य 400/–
53.	वेदभाष्यम्:निरुक्ति–व्युत्पत्तीय– बृहत्कोषः सम्पादक :प्रो. रूप किशोर शास्त्री	प्रकाशनाधीन
54.	वेदविद्या (शोध–पत्रिका) सम्पादक :प्रो. रूप किशोर शास्त्री	मूल्य 200/– (वार्षिक)

अनुबन्ध - 7

वेदों के टेप-रिकार्डिंग का विवरण जो कि महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान के पास उपलब्ध हैं

	क्र.सं.	टेपों का विवरण	टेपों की संख्या
1.		ऋग्वेद - (केरल पद्धति)	109
2.		सामवेद - (राणायनीयशाखा, गुर्जरगानम्) (आन्ध्र प्रदेश)	165
3.		सामवेद - (ताम्रपर्णीगानम्) (आन्ध्र प्रदेश)	141
4.		ऋग्वेद - (महाराष्ट्र पद्धति) (पूना)	83
5.		सामवेद - (कौथुम शाखा) (तमिलनाडु)	91
6.		तैत्तिरीय संहिता (केरल पद्धति)	80
7.		जैमिनीय सामवेद (मद्रपद्धति) (तमिलनाडु)	14
8.		ऋग्वेदीय आरण्यक (महाराष्ट्र पद्धति) (पूना)	5
9.		बिकृतिपाठ (आंशिक) (पूना)	1
10.		शाङ्खायन ब्राह्मण (वाराणसी से) (प्रथम अध्याय से 30 अध्याय तक)	10
11.		अथर्ववेद संहिता (हरसिद्ध भाई जोशी, गुजरात) (प्रथम काण्ड से 20 काण्ड तक)	15
12.		सामवेद संहिता (बङ्ग पद्धति) (कोलकाता)	30
13.		ऋग्वेद (आन्ध्र पद्धति)	75
14.		सामवेद - (कौथुम शाखा)	77
15.		अग्नि - सूक्त (ऋग्वेदीय)	12
16.		ऐतरेय ब्राह्मण - (ऋग्वेद) (पूना)	23
17.		सामवेद - जैमिनीयशाखा (मद्र पद्धति)	52
18.		सामवेद - राणायनीय शाखा (कर्नाटक पद्धति)	55
19.		सामवेद संहिता (बड़ौदा)	45
		योग	**108**

सी.डी. स्वरूप में -

क.	सी.डी. का नाम	समय (घंटा/मिनट/सेकंड)
1.	ऋग्वेद शांखायन ब्राह्मण (आडियो सी.डी.)	(12.4.02)
2.	सामवेद बंग पाठ (आडियो सी.डी.)	(33.00.03)
3.	सामवेद आरण्यक गान संहिता (आडियो सी.डी.)	(09.47.38)
4.	अथर्ववेद शौनक शाखा (आडियो सी.डी.)	(15.43.05)